पश्चिम एशिया संकट से घबराए शेयर बाजार, तेज गिरावट जारी, 829 अंक लुढ़का सेंसेक्स
- 12

निवेशक की मृत्यु के बाद वारिसों के लिए दावा प्रक्रिया सरल बनाएगा सेबी
- 12

एलपीजी संकट : देश में 50 प्रतिशत से ज्यादा घटा स्विगी-जोमैटो का कारोबार
- 13

दबाव वाली परिस्थितियों में जिम्मेदारी लेना पसंद है : बुमराह
- 14

आज का मौसम

36.0⁰ अधिकतम तापमान

19.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.20

सूर्यास्त 06.16

अमृत विचार

कानपुर नगर

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष दशमी विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 13 मार्च 2026, वर्ष 4, अंक 201, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

फरवरी में बढ़ी महंगाई, खुदरा मुद्रास्फीति 3.21% पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से फरवरी में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 3.21 प्रतिशत हो गई, जो जनवरी में 2.74 प्रतिशत थी। गुरुवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। हालांकि, खुदरा मुद्रास्फीति अब भी आरबीआई के संतोषजनक दायरे में बनी हुई है।

फरवरी के ये मुद्रास्फीति आंकड़े हाल ही में जारी 2024 आधार वर्ष वाली नई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला पर आधारित हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से जारी

आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी महीने में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 3.47 प्रतिशत हो गई, जो जनवरी में 2.13 प्रतिशत थी। इस दौरान सोना-चांदी और हीरे-प्लैटिनम के आभूषण, नारियल-खोपरा, टमाटर और फूलगोभी की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। पिछले महीने ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई दर 3.37 प्रतिशत रही जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 3.02 प्रतिशत रही।

बदायूं के एचपीसीएल प्लांट में दो अफसरों की गोली मारकर हत्या

आरोपी अजय प्रताप सिंह गिरफ्तार, आउटसोर्सिंग भर्ती को लेकर कई दिनों से प्लांट पर चल रहा था विवाद

- कोतवाली दातागंज क्षेत्र में प्लांट के अंदर दोहरे हत्याकांड से मचा हड़कंप
- एडीजी, डीआईजी प्लांट पर पहुंचे, घटना के बारे में पूछताछ कर ली जानकारी

संवाददाता, दातागंज/बदायूं

हर्षित मिश्रा (फाइल)

सुधीर मिश्रा (फाइल)

अमृत विचार : बदायूं के मूसाझाग थाना क्षेत्र में स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) प्लांट के पूर्व कर्मचारी ने कार्यालय के भीतर घुसकर प्रबंधक और उप प्रबंधक की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी। हमले के समय दोनों अधिकारी बैठक कर रहे थे। पुलिस ने हमले के आरोपी अजय प्रताप सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। एडीजी और डीआईजी ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। घटना से प्लांट में दहशत का माहौल है। सुरक्षा कारणों से पुलिस किसी को भी प्लांट के अंदर नहीं जाने दे रही है।

गुरुवार दोपहर प्लांट के अधिकारी बैठक कर रहे थे। प्लांट से निकाला गया पूर्व कर्मचारी वहां पहुंचा और दोनों अधिकारियों को गोली मार दी। घायल अधिकारियों को सीएचसी ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरोपी को गिरफ्तार करके आगे की कार्रवाई की जा रही है।
– डॉ. बृजेश कुमार सिंह, एसएसपी।

बदायूं में दातागंज तहसील क्षेत्र के डहरपुर कलां- म्याऊं मार्ग पर स्थित गांव सैंजनी में एचपीसीएल का कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट है, जहां पराली से हर दिन 14 मीट्रिक टन ईंधन का उत्पादन होता है। नोएडा सेक्टर 50 के सिल्वर एस्टेट अपार्टमेंट के ब्लॉक दो निवासी सुधीर गुप्ता (57) पुत्र दया किशन प्लांट पर प्रबंधक और जिला पीलीभीत के थाना पूरनपुर के वार्ड तीन के मोहल्ला साहूकारा निवासी हर्षित मिश्रा (32) पुत्र सुशील कुमार प्लांट पर उप प्रबंधक पद पर तैनात थे। आउटसोर्सिंग भर्ती को लेकर उनका कुछ दिनों से गांव सैंजनी निवासी अजय प्रताप सिंह से कुछ महीनों से विवाद चल रहा था।

गड़बड़ियों पर उसे प्लांट से बाहर कर दिया गया था। जिससे वह रंजिश मान बैठा था। उसके खिलाफ प्रबंधन ने रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। बौखलाकर वह गुरुवार दोपहर लगभग दो बजे प्लांट के भीतर पहुंचा और कार्यालय में बैठक कर रहे दोनों अधिकारियों को गोली मार दी। हमले में दोनों सुधीर गुप्ता और हर्षित मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। वहां मौजूद कर्मचारी घायल अफसरों को तुरंत सीएचसी दातागंज ले गए, लेकिन उनकी पहले ही मौत हो चुकी थी। दोहरे हत्याकांड से प्लांट पर अफरातफरी के हालात बन गए।

सूचना पर एडीजी जोन बरेली रमित शर्मा, डीआईजी बरेली अजय साहनी, एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह मौके पर पहुंच गए और घटना के सम्बंध में जानकारी जुटाई। पुलिस ने कुछ ही देर बाद आरोपी अजय प्रताप को गिरफ्तार भी कर लिया। उससे पूछताछ जारी है।

ब्रीफ न्यूज

प्रधानमंत्री मोदी पश्चिम बंगाल को देंगे 18,680 करोड़ रुपये की सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 मार्च को कोलकाता से पश्चिम बंगाल को लगभग 18,680 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उपहार देंगे। इन परियोजनाओं में सड़क, रेलवे, बंदरगाह और जहाजरानी से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं में सड़क अवसंरचना को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी 420 किलोमीटर से अधिक लंबाई वाली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, जिनकी लागत करीब 16,990 करोड़ रुपये है। इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-19 और एनएच-114 के कई हिस्से शामिल हैं।

रुपया 24 पैसे टूटकर 92.25 प्रति डॉलर के सर्वकालिक नीचे आया

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को रुपया 24 पैसे लुढ़ककर 92.25 प्रति डॉलर के अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में जबर्दस्त तेजी तथा विदेशी पूंजी की भारी निकासी के कारण रुपये में यह तेज गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बीच घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली और डॉलर के मजबूत होने से भारतीय मुद्रा पर असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.25 प्रति डॉलर पर खुला।

ईराक में अमेरिकी टैंकर को ईरान ने उड़ाया मोजतबा बोले- खून का बदला लेकर रहेंगे

पिता अयातुल्ला खामेनेई की मौत के बाद सर्वोच्च पद संभाल रहे बेटे का पहला बयान आया सामने

- कहा- होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने का इस्तेमाल दबाव के लिए होना चाहिए
- इराक में अमेरिकी टैंकर पर हुए हमले में एक भारतीय की मौत

तेहरान, एजेंसी

ईरान के नवनियुक्त और तीसरे सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने कार्यभार संभालने के बाद राष्ट्र के नाम अपने प्रथम संदेश में कहा है कि इजराइल-अमेरिका हमले में मारे गये ईरानियों की मौत का बदला लिया जाएगा और ईरान पड़ोसी देशों में बने अमेरिकी ठिकानों पर हमले करना जारी रखेगा।

सर्वोच्च नेता ने अपने संदेश में संघर्ष के दौरान मारे गए लोगों का जिक्र करते हुए कहा, ईरान अपने शहीदों के खून का बदला लेने से पीछे नहीं हटेगा। इससे पूर्व बुधवार देर रात इराक के खोर अल जुबैर बंदरगाह के पास बुधवार को एक अमेरिकी तेल टैंकर पर बड़ा हमला हुआ। इस हमले में एक भारतीय नागरिक की जान चली गई है। ईरान की एक सुसाइड बोट ने इस टैंकर को निशाना बनाया। हमले के समय जहाज पर कुल 28 लोग मौजूद थे। मोजतबा खामेनेई ने मिनाब के बालिका विद्यालय पर हुए अमेरिकी मिसाइल हमले में जान गंवाने वाली 168 बालिकाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान की सैन्य रणनीति केवल बचाव तक सीमित नहीं है। यदि आवश्यक हुआ, तो ईरान मौजूदा संघर्ष के बीच अन्य मोर्चे भी खोल सकता है, जो पूरे क्षेत्र के लिए खतरे की घंटी है। खामेनेई का संदेश लिखित था और इसे सरकारी टीवी पर महिला एंकर ने पढ़कर सुनाया। खामेनेई ने कहा, होर्मुज स्ट्रेट को बंद रखा जाना चाहिए। इसे दुश्मनों पर दबाव बनाने का प्रभावी जरिया बताया।

ईरान के हमले के बाद आग का गोला बन गया अमेरिकी जहाज।

भारत समेत 130 देशों ने ईरान के पड़ोसी मुल्कों पर हमलों की निंदा की, चीन-रूस ने बनाई दूरी

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उस प्रस्ताव को सह-प्रायोजित किया जिसमें खाड़ी सहयोग परिषद के देशों एवं जॉर्डन के खिलाफ ईरान द्वारा किए गए भीषण हमलों की निंदा की गई है, सभी ईरानी हमलों को तत्काल रोके जाने की मांग की। अमेरिका की अध्यक्षता वाली 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद ने 13 मतों के साथ इस प्रस्ताव को पारित किया। इसके खिलाफ कोई मत नहीं पड़ा जबकि वीटो अधिकार वाले स्थायी सदस्यों चीन और रूस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। (विस्तृत देश-दुनियां पर)

पड़ोसियों से मैत्रीपूर्ण संबंध चाहता है ईरान : मोजतबा

मोजतबा ने कहा कि ईरान अपने पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहता है और उसका लक्ष्य केवल वे अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं, जहां से ईरान के खिलाफ हमले किये जा रहे हैं। संदेश में इस बात का कोई संकेत नहीं दिया गया कि नये सर्वोच्च नेता वर्तमान में कहां हैं, या उनकी स्वास्थ्य और शारीरिक स्थिति कैसी है। कुछ समाचारों में उन्हें घायल बताया गया था। खामेनेई का बयान ऐसे समय में आया है, जब इजराइल और अमेरिका का ईरान के साथ टकराव 13वें दिन में प्रवेश कर चुका है और इनके बीच तनाव चरम पर है।

होर्मुज से होकर एक तेल टैंकर मुंबई पहुंचा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत के लिए कच्चा तेल लेकर आ रहा एक विदेशी ध्वज वाला टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य को सकुशल पार कर मुंबई पहुंच गया है, जबकि एक अन्य बड़ा टैंकर भारतीय जलक्षेत्र में प्रवेश कर ओडिशा के पारादीप बंदरगाह की तरफ बढ़ रहा है। यह जानकारी जहाज निगरानी आंकड़ों और उद्योग सूत्रों से मिली है। क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष के कारण जलडमरूमध्य से टैंकर की आवाजाही काफी हद तक प्रभावित हुई है।

इजराइल का तेहरान के परमाणु केंद्र पर बड़ा हमला

इजराइली सेना ने गुरुवार को दावा किया कि उसने कुछ दिन पहले ईरान की राजधानी तेहरान स्थित 'तालेघन' परमाणु केन्द्र पर बड़ा हमला किया है। इजराइल का कहना है कि ईरान इस केन्द्र का इस्तेमाल अपनी परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने और परमाणु हथियार विकसित करने के लिए कर रहा था। पिछले कुछ दिनों के भीतर तालेघन परिसर को निशाना बनाया गया है। आरोप है कि इस केंद्र का उपयोग में उन्नत विस्फोटकों को विकसित करने और अमाद प्रोजेक्ट से संबंधित प्रयोगों के लिए किया जा रहा था।

ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों की मदद कर रही सरकार : जायसवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा- भारत-ईरान के विदेश मंत्रियों ने तीन बार बातचीत की
- कहा- प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत और कूटनीति से शांति बहाली पर दिया है जोर

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों की मदद कर रही है। जो भारतीय अजरबैजान और आर्मेनिया के रास्ते वापस भारत आना चाहते हैं, उन्हें वीजा दिलाने और जमीन के रास्ते सीमा पार कराने में भी सहायता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि ईरान में करीब 9,000 भारतीय नागरिक मौजूद थे या अभी भी हैं। इनमें छात्र, नाविक, कारोबारी, पेशेवर लोग और कुछ तीर्थयात्री शामिल हैं। कई भारतीय नागरिक, खासकर छात्र, देश छोड़कर वापस भारत पहुंच चुके हैं।

जायसवाल ने कहा कि भारत और ईरान के विदेश मंत्रियों के बीच पिछले कुछ दिनों में तीन बार बातचीत हुई है। उन्होंने कहा कि भारत के विदेश मंत्री अपने ईरानी विदेशमंत्री के साथ लगातार संपर्क में हैं। युद्ध का असर हर जगह दिखाई दे रहा है और इससे कई देशों के लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि इस संघर्ष का असर केवल एक देश तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर के कई देशों और लोगों पर पड़ रहा है। जायसवाल ने कहा कि मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खाड़ी

देशों के कई नेताओं से बातचीत की है। प्रधानमंत्री ने संवाद और कूटनीति के जरिए जल्द शांति बहाल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बातचीत में नागरिकों को होने वाले नुकसान से बचाने और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक खाड़ी सहयोग परिषद देशों में बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय रहता है, इसलिए उनकी सुरक्षा और कल्याण भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारत ने कई मामलों में देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की भी निंदा की है।

एलपीजी कालाबाजारी और जमाखोरी पर तत्काल दर्ज हो एफआईआर : योगी

- मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय बैठक में दिए सख्त निर्देश, कहा-पेट्रोल और डीजल की कमी नहीं
- हर जिले की 24 घंटे मॉनिटरिंग जरूरत पर 80 लाख लीटर केरोसिन का विकल्प उपलब्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने गुरुवार को तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक में कालाबाजारी और जमाखोरी पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य एवं रसद विभाग को कंट्रोल रूम स्थापित कर हर जिले की 24×7 निगरानी करने, एलपीजी केंद्रों पर जरूरत पड़ने पर पुलिस तैनात करने और छात्रावासों, अस्पतालों व होटलों को वैकल्पिक ईंधन के उपयोग के लिए प्रेरित करने को कहा है।

जरूरत पड़ने पर प्रदेश को आवंटित 80 लाख लीटर केरोसिन का भी वितरण विकल्प के रूप में किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने रसोई गैस की कथित कमी को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच गुरुवार को शासन के वरिष्ठ अधिकारियों और तेल कंपनियों के उच्च अधिकारियों प्रदेश में एलपीजी की मांग और आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कमी नहीं है। अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर घबराहट की स्थिति न बनने दी जाए और आमजन को तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराई जाए। जमाखोरी पाए जाने पर तत्काल एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए। एहतियात के तौर पर प्रदेश को 80 लाख लीटर केरोसिन भी आवंटित किया गया है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर विकल्प के रूप में वितरित किया जा सकेगा। **वैकल्पिक ईंधन के लिए तैयार करें छात्रावास, अस्पताल व प्रतिष्ठान :** मुख्यमंत्री ने छात्रावासों, अस्पतालों, धर्मशालाओं, होटलों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों से संवाद स्थापित कर उन्हें वैकल्पिक ईंधन के उपयोग के लिए भी प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य एवं रसद विभाग में कंट्रोल रूम स्थापित कर हर जिले की 24×7 निगरानी करने के निर्देश दिए हैं।

गांवों में सिलेंडर की बुकिंग 45 दिन के अंतराल पर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने परिस्थितियों को देखते हुए सिलेंडर और पाइप से आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस पर दबाव कम करने के लिए होटलों और रेस्तरां में केरोसिन और कोयले के ईंधन के रूप में इस्तेमाल की अनुमति देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार ने गुरुवार को एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रसोई गैस सिलेंडर की बुकिंग 45 दिन के अंतराल पर ही की जा सकेगी। इससे पहले शहरी क्षेत्रों के लिए यह अवधि 25 दिन कर दी गयी थी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि रसोई गैस के अलावा अन्य ईंधनों को भी उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि एलपीजी और गैस पर दबाव कम किया जा सके। उन्होंने कहा, आज एक आदेश जारी किया गया है जिसके तहत अतिरिक्त 48,000 किलोलीटर केरोसिन राज्यों को दिया जाएगा। यहां भी लाभार्थियों की पहचान और वितरण में राज्य सरकारों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

अभिभावक बना सकेंगे 13 साल से छोटे बच्चों का व्हाट्सएप खाता

नई दिल्ली। मेटा के स्वामित्व वाले संदेश मंच व्हाट्सएप ने 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए अभिभावक नियंत्रित खाते शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत अभिभावकों की कड़ी निगरानी में छोटे बच्चों को इस मंच का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाएगी।

- अभिभावकों की निगरानी में इस मंच का इस्तेमाल करने की होगी अनुमति

यह कदम संदेश मंच की नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है, क्योंकि अब तक इस मंच के उपयोग के लिए न्यूनतम आयु सीमा 13 वर्ष (कुछ क्षेत्रों में इससे अधिक) रखी गई थी। व्हाट्सएप ने ब्लॉग में कहा, परिवारों व विशेषज्ञों से मिले सुझावों के आधार पर अभिभावक-नियंत्रित खातों की नई व्यवस्था शुरू की जा रही है।

सीईसी को हटाने के लिए 200 सांसदों ने किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के प्रस्ताव के लिए 200 से अधिक सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्र के अनुसार, लोकसभा के 130 सांसदों ने और राज्यसभा के 63 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। नोटिस शुक्रवार को संसद के सदन में पेश किए जाने की संभावना है।

विपक्ष के एक नेता ने बताया कि सांसदों ने नोटिस को लेकर उत्साह दिखाया और आवश्यक संख्या पूरी हो जाने के बाद भी गुरुवार को कई सांसदों हस्ताक्षर किए।

- लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों ने किए हस्ताक्षर, आज संसद में पेश किया जा सकता है प्रस्ताव

नियमों के अनुसार, सीईसी को हटाने के लिए नोटिस पर लोकसभा के 100 और राज्यसभा के 50 सांसदों के हस्ताक्षर आवश्यक होते हैं। एक अन्य सूत्र के अनुसार, नोटिस पर विपक्षी गठबंधन इंडिया के सभी दलों के सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। आम आदमी पार्टी के सांसदों ने भी नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, हालांकि पार्टी अब आधिकारिक रूप से इस गठबंधन का हिस्सा नहीं है। यह पहली बार है जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने के लिए इस तरह का नोटिस दिया गया है। एक उच्च पदस्थ सूत्र के अनुसार, नोटिस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सात आरोप लगाए गए हैं, जिनमें पद पर रहते हुए पक्षपातपूर्ण और भेदभावपूर्ण आचरण, चुनावी धोखाधड़ी की जांच में जानबूझकर बाधा डालना और बड़े पैमाने पर मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना जैसे आरोप शामिल हैं।

शीर्ष टिप्पणी

देहरादून में निर्माणाधीन 'सैन्य धाम' के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

जो लोग कर्तव्य निभाते शहीद हुए हैं, उनका सम्मान करना चाहिए

- कोर्ट ने कहा- हाईकोर्ट को इस याचिका को जुर्माने के साथ खारिज करना चाहिए था, हम कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष न्यायालय ने देहरादून में निर्माणाधीन युद्ध स्मारक के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए याचिकाकर्ता से कहा कि जो लोग कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए हैं, उनका सम्मान करना चाहिए।

सीजेआई सूर्यकांत एवं न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची व न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील से पूछा, क्या आपको एक युद्ध स्मारक के निर्माण से समस्या है? सर्वोच्च न्यायालय उत्तराखंड हाईकोर्ट के जनवरी के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

हाईकोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि देहरादून जिले में बनाए जाने वाले युद्ध स्मारक सैन्य धाम के लिए जो भूमि तय की गई है, वह वन भूमि है और इसलिए वहां निर्माण की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सीजेआई ने कहा, जिन्होंने देश के लिए जान कुर्बान कर दी, उनके प्रति कम से कम कुछ सम्मान तो होना चाहिए।

हाईकोर्ट ने कहा था- याचिकाकर्ता का आधार कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है

उत्तराखंड हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि राज्य सरकार भूमि की वास्तविक प्रकृति का पता लगाए बिना देहरादून में युद्ध स्मारक का निर्माण कर रही है। राज्य की ओर से पेश वकील ने संयुक्त सर्वेक्षण रिपोर्ट का हवाला देते हुए हाईकोर्ट को बताया था कि राजस्व एवं वन विभाग दोनों अधिकारियों द्वारा संयुक्त सर्वेक्षण किया गया था। अधिवक्ता ने कहा कि संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि संबंधित भूमि वन भूमि का हिस्सा नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध स्मारक के निर्माण के लिए भूमि आवंटन पर वन विभाग को कोई आपत्ति नहीं है। राज्य के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि युद्ध स्मारक का निर्माण वर्ष 2021 में शुरू हुआ था और अब लगभग पूरा हो चुका है। हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि चूंकि वन विभाग ने भूमि का निरीक्षण कर प्रमाणित कर दिया है कि यह वन भूमि का हिस्सा नहीं है इसलिए युद्ध स्मारक के निर्माण को चुनौती देने का याचिकाकर्ता का आधार कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है।

हाईकोर्ट को इस याचिका को जुर्माने के साथ खारिज करना चाहिए था। कहा कि हम उसे (याचिकाकर्ता को) कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे। उसे आकर बताना होगा और हम यह जांच करेंगे कि वह किसके कहने पर यह याचिका दायर कर रहा है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने दावा किया कि युद्ध स्मारक का निर्माण भी वहां ठीक तरीके से नहीं किया जा रहा है। इस पर पीठ ने टिप्पणी की, ये सब शरारतपूर्ण तरीके से दायर की गई रिट याचिकाएं हैं, और वकील से पूछा कि याचिकाकर्ता पर कितना जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 13 मार्च 2026

लखनऊ : जनभवन से निकाली गई प्रतीकात्मक दांडी यात्रा में शामिल लोग। अमृत विचार

प्रतीकात्मक तौर पर निकाली गई दांडी यात्रा

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के मार्गदर्शन में गुरुवार को ऐतिहासिक दांडी मार्च की स्मृति में जन भवन से एक प्रतीकात्मक दांडी यात्रा का आयोजन किया गया। दांडी यात्रा जन भवन से शुरू होकर हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर पहुंची। वहां पर राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी डॉ. बोबडे के साथ ही लखनऊ मंडल के कमिश्नर विजय विश्वास पंतसमेत कई अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद पद यात्रा लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार पहुंचकर संपन्न हुई। यह वही ऐतिहासिक स्थल है, जहां महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों को संबोधित किया था।

एसआई भर्ती परीक्षा कल से, डीजीपी रखेंगे नजर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश भर में 14 और 15 मार्च को परीक्षा का आयोजन

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती और प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजत सब इंसपेक्टर (एसआई) परीक्षा 14 और 15 मार्च को प्रदेश के सभी 75 जिलों में आयोजित की जाएंगी। परीक्षा के दौरान जहां कंट्रोल रूम के जरिए डीजीपी राजीव कृष्ण सीधे नजर रखेंगे, वहीं स्थानीय प्रशासन के साथ ही एसटीएफ भी केंद्रों पर कड़ी चौकसी रखेगी।

पुलिस भर्ती बोर्ड के प्रवक्ता के मुताबिक, परीक्षा को शांतिपूर्ण और नकल विहीन कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक होगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से कम से कम दो घंटे पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि समय पर आवश्यक जांच और प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जा सके।

एसआई के 4,543 पदों के लिए लगभग 15.75 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। परीक्षा के दौरान प्रत्येक केंद्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट और स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनात रहेंगे, जिससे परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी तरीके से कराई जा सके। परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी और मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण परीक्षा कक्ष में ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। उधर डीजीपी के प्रवक्ता ने बताया कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अभ्यर्थियों के लिए बसों की व्यवस्था की जाए : एमडी

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध प्रभु एन सिंह ने सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को 14 एवं 15 मार्च को आयोजित होने वाली उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा के लिए तत्काल व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए हैं। एमडी ने विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के आवागमन को देखते हुए परिवहन निगम बसों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। यही नहीं बस, बस स्टेशनों पर साफ सफाई एवं पेयजल की व्यवस्था भी करने के भी निर्देश निगम प्रबंधन को दिए गए हैं। बसों के संचालन की मानीटरिंग के लिए प्रमुख बस अड्डों पर विशेष निगरानी व्यवस्था के लिए 7 नियंत्रण कक्षों को सक्रिय किया जाए। एमडी ने बताया कि लगभग 88000 परीक्षार्थी प्रदेश के 17 जनपदों से 14 एवं 15 मार्च को लखनऊ के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों तक आयेंगे। ऐसे में प्रमुख बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों तथा परीक्षा केंद्रों से जुड़े प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त संख्या में बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाए।

न्यूज ब्रीफ

यूपी के 2.15 करोड़ किसानों को आज मिलेगी सम्मान निधि

अमृत विचार, लखनऊ : 13 मार्च शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम से ' 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' ' योजना की 22वीं किस्त जारी करेंगे। इस किस्त के तहत उत्तर प्रदेश के 2.15 करोड़ से अधिक किसानों को सीधे उनके बैंक खातों में लाभ मिलेगा। इस बार प्रदेश के किसानों के खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 4335 .11 करोड़ रुपये भेजे जाएंगे। योजना के तहत पात्र किसान परिवार को सालाना 6000 रुपये की आर्थिक सहायता तीन किस्तों में दी जाती है। अब तक पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत 21वीं किस्त तक उत्तर प्रदेश के किसानों के खातों में कुल 94,668 .58 करोड़ रुपये भेजे जा चुके हैं। शुक्रवार को जारी होने वाली 22वीं किस्त के बाद यह राशि बढ़कर 99,003 .69 करोड़ रुपये हो जाएगी।

हादसे को लेकर परिवहन निगम के चार अधिकारी निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : आगरा में स्कूली बस दुर्घटना में एक छात्रा की मौत के मामले में परिवहन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार यात्री-मालकर अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। साथ ही मामले की जांच के लिए उप परिवहन आयुक्त (यात्रीकर) संजय सिंह को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिन्हें एक माह के भीतर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह द्वारा परिवहन मंत्री के निर्देश पर कार्रवाई की गयी है। निलंबित किए गए अधिकारियों में नीलम, अमित वर्मा, शारदा मिश्रा और शिव कुमार मिश्रा शामिल हैं। इसके अलावा सहायक संभागीय प्रवर्तन अधिकारी, आगरा को भी निलंबित करने की संस्तुति शासन को भेजी गई है। निलंबन अवधि के दौरान सभी अधिकारी परिवहन आयुक्त कार्यालय से संबद्ध रहेंगे।

ओपन गवर्नमेंट डाटा के लिए पीएमयू गठन को 1.80 करोड़ मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने ओपन गवर्नमेंट डाटा (ओजीडी) प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (पीएमयू) के गठन के लिए 1.80 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इस संबंध में आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा शासनादेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुदान संख्या-007 (उद्योग) के अंतर्गत 1 करोड़ 80 लाख रुपये की धनराशि जारी की गई है। यह धनराशि ओपन गवर्नमेंट डाटा से जुड़े कार्यों के लिए पीएमयू के गठन और संचालन पर खर्च की जाएगी।

पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की आपूर्ति पर प्रदेश सरकार सतर्क

कालाबाजारी और अफवाह रोकने को मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मुख्य सचिव एसपी गोयल

अमृत विचार: इजराइल और ईरान में जारी युद्ध की परिस्थितियों को देखते हुए केंद्र सरकार के बाद प्रदेश सरकार ने भी पेट्रोलियम पदार्थों की कालाबाजारी और अफवाहों को रोकने के लिए सतर्कता बरतने के निर्देश जारी कर दिए हैं। राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर प्रदेश में किसी प्रकार की कमी नहीं है। एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति में घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जाएगी और रिफिल डिलीवरी के लिए ओटीपी आधारित पारदर्शी व्यवस्था लागू की गई है।

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने गुरुवार को बताया कि प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलाधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत जिलों में गैस वितरण से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए कंट्रोल रूम स्थापित करने और किसी भी कानून व्यवस्था की स्थिति की जानकारी तुरंत होम कंट्रोल को देने का निर्देश भी शामिल है।

मुख्य सचिव ने कहा कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार के साथ पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता पर हुई बैठक के बाद जिलों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसमें सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर फैलने वाली अफवाहों पर कड़ी नजर रखने, गैस सिलेंडर की कालाबाजारी या अवैध बिक्री रोकने, और वितरण के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश शामिल हैं।

सिलेंडर आपूर्ति करने वाले वाहनों की होगी सुरक्षा

अमृत विचार : एलपीजी सिलेंडर लेकर जाने वाले वाहनों को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। राजस्व, खाद्य एवं रसद विभाग और तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ प्रशासन और पुलिस को संयुक्त रूप से निगरानी करने के भी निर्देश दिए गए हैं, ताकि वितरण में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

इजराइल में यूपी के 6004 श्रमिक सुरक्षित, की जा रही निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इजराइल में भारतीय दूतावास से निरंतर संपर्क में राज्य सरकार

अमृत विचार : राज्य सरकार ने कहा है कि इजराइल में कार्यरत प्रदेश के निर्माण श्रमिकों की कुशलक्षेम पर लगातार नजर रखी जा रही है और वर्तमान में किसी प्रकार की चिंता की स्थिति नहीं है।

प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एमके शनुगा सुन्दरम् ने बताया कि उत्तर प्रदेश के कुल 6004 निर्माण श्रमिक इजराइल में विभिन्न निर्माण कंपनियों में कार्यरत हैं। इन श्रमिकों का चयन राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और इजराइल की सरकारी संस्था पीबा (पापुलेशन, इमीग्रेशन एंड बार्डर अथारिटी) के माध्यम से किया गया था और वर्ष 2024 के दौरान उन्हें इजराइल भेजा गया था।

उन्होंने बताया कि ये सभी श्रमिक इजराइल की अलग-अलग निर्माण परियोजनाओं में नियमित रूप से कार्य कर रहे हैं। राज्य सरकार उनके कुशलक्षेम पर लगातार निगरानी बनाए हुए है और इस संबंध में भारत सरकार तथा भारतीय दूतावास से निरंतर संपर्क रखा जा रहा है।

इजराइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह ने भी राज्य सरकार को अवगत कराया है कि स्थिति नियंत्रण में है और दूतावास लगातार श्रमिकों के संपर्क में है। फिलहाल किसी श्रमिक ने भारत लौटने को लेकर चिंता व्यक्त नहीं की है। दूतावास ने आपात स्थिति के लिए 24 घंटे की हेल्पलाइन और ईमेल सुविधा भी जारी की है, जिसके माध्यम से भारतीय नागरिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

प्रीपेड स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिले दस मिनट में मुआवजा

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने प्रदेश के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाई है। उन्होंने उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग को प्रस्ताव दिया कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं द्वारा रीचार्ज करते ही महज यदि दस मिनट में बिजली नहीं आती है तो उपभोक्ता को मुआवजा देना अनिवार्य किया जाना चाहिए। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष ने बताया कि गुरुवार को विद्युत नियामक आयोग के सदस्य संजय कुमार सिंह को एक प्रस्ताव सौंपा गया। प्रस्ताव में स्मार्ट प्रीपेड मीटर से जुड़े उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

गायक बादशाह के कार्यक्रमों पर लगे रोक : अपर्णा यादव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- महिला आयोग ने मुख्यमंत्री योगी को पत्र लिख कर की मांग

अमृत विचार : हरियाणा के गायक बादशाह के एक विवादित गीत को लेकर उप्र. राज्य महिला आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर राज्य में गायक के कार्यक्रमों को अनुमति न देने का अनुरोध किया है।

भेजे गए पत्र में कहा गया है कि बादशाह की एल्बम "टटीरी" में महिलाओं के प्रति अभद्र भाषा और आपत्तिजनक दृश्य प्रस्तुत किए गए हैं। आरोप है कि गीत में स्कूल यूनिफॉर्म पहने छात्राओं को अनुचित तरीके से दिखाया गया है और विद्यालय जैसे पवित्र स्थान के लिए भी अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया है। आयोग के अनुसार, यह न केवल महिलाओं की गरिमा बल्कि शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक मूल्यों का भी अपमान है। महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने पत्र में लिखा है कि इस प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री प्रस्तुत करने वाले कलाकार के कार्यक्रम आयोजित होने से समाज में गलत संदेश जा सकता है और सांस्कृतिक मर्यादाओं को ठेस पहुंच सकती है।

अभिषेक प्रकाश की बहाली पर अंतिम फैसला लेंगे मुख्यमंत्री

- हाईकोर्ट से 1600 पन्नों की चार्जशीट रद्द होने से निलंबन का आधार कमजोर
- एक वर्ष की अनिवार्य समीक्षा में शासन स्तर पर बहाली की फाइल तैयार

अमृत विचार, लखनऊ : 2006 बैच के चर्चित आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश की बहाली पर अंतिम फैसला अब मुख्यमंत्री स्तर पर होगा। हाईकोर्ट द्वारा उनके खिलाफ दाखिल करीब 1600 पन्नों की चार्जशीट रद्द किए जाने के बाद निलंबन का आधार कमजोर पड़ गया है। ऐसे में सेवा नियमावली के तहत एक साल की अनिवार्य समीक्षा में शासन स्तर पर उनकी बहाली से संबंधित फाइल तैयार कर ली गई है।

सूत्रों के अनुसार कार्मिक विभाग ने इस मामले में अपनी रिपोर्ट तैयार कर मुख्य सचिव के माध्यम से मुख्यमंत्री कार्यालय को भेज दी है। मुख्य सचिव की सहमति मिलने के बाद अब मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद ही बहाली का औपचारिक आदेश जारी होगा। अभिषेक प्रकाश उस समय चर्चा में आए थे जब वे इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) थे। उन पर एक सोलर मैन्युफैक्चरिंग प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाने के बदले कथित रूप से रिश्वत मांगने का आरोप लगा था। शिकायत एक कंपनी के प्रतिनिधि विश्वजीत दत्ता ने मुख्यमंत्री को भेजी थी। शिकायत में आरोप था कि परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए लागत का लगभग 5 प्रतिशत कमीशन एक कथित दलाल के माध्यम से मांगा गया। इस मामले में 20 मार्च 2025 को गोमतीनगर थाने में दलाल निकांत जैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया था। उसी दिन सरकार ने अभिषेक को निलंबित कर राजस्व परिषद, लखनऊ से संबद्ध कर दिया था।

मामले की जांच कर रही एसआईटी ने करीब 1600 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें 50 से अधिक गवाहों के बयान शामिल थे। शिकायतकर्ता ने अपने बयान में कहा था कि कथित दलाल निकांत जैन बार-बार तत्कालीन सीईओ अभिषेक प्रकाश का नाम लेकर रिश्वत की मांग कर रहा था। हालांकि अदालत में सुनवाई के दौरान यह सवाल भी उठा कि जब शिकायत में अधिकारी का नाम लिया गया है तो एफआईआर में उन्हें नामजद क्यों नहीं किया गया। पुलिस ने अदालत को बताया था कि जांच जारी है।

राहुल गांधी आज दलितों को साधने आएंगे लखनऊ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कांशीराम जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश भर के कार्यकर्ता होंगे शामिल

अमृत विचार: विधान चुनावों की आहट के बीच कांग्रेस ने दलितों को साधने की कवायद शुरू कर दी है। इसके तहत शुक्रवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर दलितों को पाले करने की कवायद करेंगे।

बसपा के संस्थापक कांशीराम की जयंती 15 मार्च को है। लेकिन कांग्रेस ने बाजी मारते हुए उनकी जयंती को 13 मार्च, शुक्रवार को मनाने का ऐलान कर दिया है। इस कार्यक्रम को कांग्रेस सामाजिक परिवर्तन दिवस के रूप में मना रही है। आयोजन प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस के प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने बताया कि राहुल गांधी शुक्रवार को दोपहर दो बजे विमान से लखनऊ पहुंचेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश भर के करीब 15 हजार कार्यकर्ताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

राजस्व बढ़ाने को स्टाम्प निबंधन विभाग का विशेष अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में राजस्व संग्रह को मजबूत करने और संपत्ति लेनदेन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए स्टाम्प एवं निबंधन विभाग के माध्यम से विशेष अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर विभाग अपंजीकृत संपत्तियों के पंजीकरण, लंबित स्टाम्प वादों के निस्तारण और विभिन्न संस्थाओं से देय स्टाम्प शुल्क की वसूली पर फोकस कर रहा है। अभियान के तहत प्रदेश के विकास प्राधिकरणों, आवास विकास परिषद, यूपीएसआईडीसी और अन्य संस्थाओं की अपंजीकृत संपत्तियों का पंजीकरण कराया जा रहा है। साथ ही यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि निर्धारित स्टाम्प शुल्क का भुगतान समय पर हो।

शंकराचार्य का साक्षात दर्शन पाना सौभाग्य : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से मिले सपा प्रमुख

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को राजधानी लखनऊ में ज्योतिर्मठ बद्रिकाश्रम के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया। करीब एक घंटे की मुलाकात के बाद सपा प्रमुख ने कहा कि वे शंकराचार्य से कुछ सीखने और कुछ जानकारी लेने गए थे। उन्होंने कहा कि जिनके ध्यान मात्र से आशीर्वाद मिलता है, उनका साक्षात् दर्शन पाना सौभाग्य है। सच्चे संत का सम्मान ही सनातन का सम्मान है।

सपा प्रमुख ने कहा कि सपा सरकार के दौरान हम लोगों ने गाय की सेवा को लेकर कई फैसले लिए थे। गाय की सेवा के लिए आगे भी जो कुछ कर सकते हैं, वह करेंगे। उन्होंने कहा कि इन दिनों जिलों-जिलों में बैठक हो रही हैं, जिसमें विधायकों का टिकट काटने की रणनीति बन रही है। अगर इन बैठकों में जिलाधिकारी शामिल हो रहे हैं तो इसका मतलब है कि जिलाधिकारी के ऊपर भाजपा का जिलाध्यक्ष बैठेगा। जिलाधिकारी को अपनी नेमप्लेट हटानी होगी और अपने आप को एसएसएस का प्रभारी बनाना पड़ेगा।

लखनऊ में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात कर आशीर्वाद लेते सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

'इंडिया लेबरलाइन' पर शिकायत कर सकते श्रमिक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- श्रम मंत्री अनिल राजभर ने पुणे में टाटा के श्रम कल्याण केंद्र का किया दौरा

अमृत विचार : श्रम एवं सेवायोजन तथा समन्वय मंत्री अनिल राजभर ने महाराष्ट्र में मौजूद यूपी के श्रमिकों को बताया कि आजीविका ब्यूरो की ओर से संचालित 'इंडिया लेबरलाइन' ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से छह भाषाओं में श्रमिकों की शिकायतें दर्ज करा सकते हैं, साथ ही उनका समाधान किया जाता है और अब तक एक लाख से अधिक श्रमिक इसका लाभ ले चुके हैं।

श्रम मंत्री, पुणे स्थित टाटा ऑटो कॉम्प सिस्टम्स के श्रम कल्याण केंद्र में श्रमिकों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और समाधान की जानकारी लेने के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लेबरलाइन वैन का भी निरीक्षण किया, जो श्रमिकों के कार्यस्थलों पर जाकर उनकी समस्याएं सुनती है। श्रम मंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए अधिकारियों को उत्तर प्रदेश में भी ऐसी व्यवस्था शुरू करने के निर्देश दिए। दौरे के दौरान मंत्री ने टाटा ऑटो कॉम्प की इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लिथियम-आयन बैटरी और ऊर्जा भंडारण समाधान तैयार करने वाली इकाई का भी निरीक्षण किया।

बढ़ते कदम | 35,526 करोड़ से अधिक निवेश, छह नोड्स में 62 कंपनियों को भूमि आवंटित

डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर ने पकड़ी रफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 9 प्रमुख इकाइयों में उत्पादन शुरू कानपुर, झांसी और लखनऊ में सर्वाधिक प्रस्ताव

अमृत विचार: प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर तेजी से देश के प्रमुख रक्षा और एयरोस्पेस विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकसित हो रही इस महत्वाकांक्षी परियोजना में अब तक 35,526 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।

वर्ष 2018 में शुरू किए गए इस कॉरिडोर को उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) विकसित कर रहा है। इसके तहत कानपुर, झांसी, लखनऊ, अलीगढ़, आगरा और चित्रकूट में छह रणनीतिक नोड्स स्थापित किए गए हैं, जहां रक्षा उद्योग से जुड़ी औद्योगिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। कॉरिडोर के लिए अधिग्रहीत 2,040 हेक्टेयर भूमि में से लगभग 977 हेक्टेयर भूमि उद्योगों को आवंटित की जा चुकी है। अब तक 62 कंपनियों को भूमि आवंटित की गई है, जबकि करीब 11 कंपनियों के साथ लीज डीड की प्रक्रिया जारी है।

निवेश प्रस्तावों में कानपुर नोड सबसे आगे है, जहां करीब 12,803 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इसके बाद झांसी में 11,738 करोड़ और लखनऊ में 4,850 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। अलीगढ़ में 4,490 करोड़, चित्रकूट में 880 करोड़ और आगरा में 607 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। कॉरिडोर के विभिन्न नोड्स में अब तक नौ प्रमुख विनिर्माण इकाइयों ने उत्पादन शुरू कर दिया है। इनमें अदानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का कानपुर में लगभग 1,500 करोड़ की लागत से स्थापित गोला-बारूद निर्माण संयंत्र प्रमुख है।

अलीगढ़ नोड में अमिटेक इलेक्ट्रॉनिक्स ने इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर उपकरणों का उत्पादन शुरू किया है, जबकि वेरीविन डिफेंस और नित्या क्रिएशंस ने छोटे हथियारों से जुड़े कंपोनेंट्स का निर्माण शुरू किया है। लखनऊ नोड भी तेजी से रक्षा विनिर्माण का केंद्र बन रहा है। यहां एरोलॉय टेक्नोलॉजीज ने टाइटेनियम कास्टिंग और ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने ब्रह्मोस एनजी मिसाइल सिस्टम के उत्पादन की दिशा में काम शुरू किया है।

कॉन्क्लेव-2026 से पोल्ट्री हब बनेगा यूपी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 23-24 मार्च को होगा प्रदेश का पहला पोल्ट्री कॉन्क्लेव

अमृत विचार : पशुपालन विभाग 23 व 24 मार्च को गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पहला ''पोल्ट्री कॉन्क्लेव-2026'' आयोजित करके उत्तर प्रदेश को पोल्ट्री हब बनाएगा। जहां, कृषि, बागवानी, निर्यात व उद्योग की तरह पोल्ट्री पालन को बढ़ावा मिलेगा। इससे प्रदेश में अधिक से अधिक पोल्ट्री फार्म संचालित होंगे। लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और अंडा उत्पादन में बढ़ोतरी होगी।

कार्यक्रम में देश-प्रदेश के शीर्ष पोल्ट्री वैज्ञानिक और विशेषज्ञ उन्नत पोल्ट्री पालन की तकनीकी व नवाचार बताएंगे। मुर्गी पालन व अंडा उत्पादन की आधुनिक तकनीक सिखाएंगे। पोल्ट्री फार्म के संचालन में आ रही समस्या व चुनौतियां संचालक और पशुपालकों से संवाद करके दूर करेंगे। योजनाएं और उनका लाभ लेना बताएंगे। पशुपालक व्यवसाय विस्तार, मार्केटिंग और निवेश के गुर सीखेंगे। सरकार बिक्री का बाजार भी उपलब्ध कराएगी। कॉन्क्लेव में शामिल होने के लिए uppoultrypolicy2022@gmail.com पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

सर्राफा एसो का होली मिलन समारोह आज

कानपुर देहात। अकबरपुर में गठित सर्राफा एसो . के तत्वावधान में शुक्रवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। संगठन के महामंत्री मुकेश कुमार कौशल ने बताया कि कार्यक्रम रूरा रोड पर स्थित हिंदी भवन में होगा। इसमें सर्राफा एसोसिएशन से जुड़े पदाधिकारियों और सदस्यों के अलावा शहर के सभी दुकानदारों और व्यापारियों को भी आमंत्रित किया गया है।

डग्गामार वाहनों के संचालन पर नहीं रोक

मुंगीसापुर। आए दिन हो रही घटनाओं के बाद भी पुलिस प्रशासन ऐसे वाहनों पर नकेल कसने में फिसड्डी साबित हो रहा है। सवारियों की जान की सुरक्षा किए बगैर महज मुनाफे के चक्कर में ठूंस ठूंस कर वाहन में भरा जाता है। यात्री अधिक किराया देने के बाद भी जान जोखिम में डालकर इन डग्गामार वाहनों में सफर करने को मजबूर रहते हैं। यातायात नियमों को न मानने वाले वाहन चालकों की संख्या भी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। ई-रिक्शा ऑटो मैजिक पिकअप लोडर आदि वाहनों में सवारियों को लटकाकर ले जाया जाता है। इधर, ईंट भट्ठों पर काम करने वालों कुछ ही दिन में ट्रैक्टर की कमान सौंप दी जाती है। प्रशासन की अनदेखी के चलते डग्गामार स्कूली वाहन भी नियमों को ताक पर रखकर क्षेत्र की सड़कों पर फर्राटे भर रहे।

डीएम ने कलेक्ट्रेट में की जनसुनवाई

कानपुर देहात। डीएम कपिल सिंह ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा प्रत्येक प्रकरण के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने प्रार्थना पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं को उनके प्रकरण की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए, जिससे जनसामान्य का प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो। जनसुनवाई को अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाने के उद्देश्य से जनपद स्तर के समस्त अधिकारी, उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (जूम) के माध्यम से जुड़े रहे।

16 से शुरू होगी बालक बालिका खेल स्पर्धा

कानपुर देहात। जनपद में 16 मार्च से जिला स्तरीय बालक व बालिका वर्ग की खेल प्रतियोगिताएं प्रारंभ होंगी। क्रीड़ाधिकारी नीलम सिद्दीकी ने बताया कि जिला खेल कार्यालय द्वारा वर्ष 2025-26 में जनपद स्तरीय बालक व बालिका वर्ग की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिताएं 16 मार्च से सुबह नौ बजे से आयोजित की जाएंगी। पहले दिन बैडमिंटन प्रतियोगिता (बालक व बालिका) व जूडो प्रतियोगिता आदि होंगी।

सड़क को पहचान देकर 'नए घर' में शिफ्ट हो गई स्टेट बैंक

हनुमान गुप्ता, कानपुर देहात

अमृत विचारः अकबरपुर शहर के एक रोड को नाम और पहचान देने के बाद भारतीय स्टेट बैंक की शाखा 'नए घर' को चली गई। थोड़ा नहीं, बैंक का साठ बरस से ज्यादा का अरसा 'पुराने घर' पर गुजरा। इस दौरान इसकी इमारत ने मूक निगाहों से कई बदलाव देखे।

अब साइन बोर्ड पर यहां बैंक का नाम रहा शेष। अमृत विचार

दरार वाली कुर्सी-मेजों और कागजी लिखा-पढ़ी से लेकर आलीशान फर्नीचर और हाईटेक सिस्टम तक सब कुछ बदला। बुजुर्ग बताते हैं कि अकबरपुर में खुलने वाली यह पहली इकलौती बैंक थी। इसी के नाम पर सामने से गुजरी रोड का नाम स्टेट बैंक रोड पड़ा। लोग कह रहे कि आगे बैंक नहीं रहेगी, मगर रोड से यहां इसका नाम जिंदा रहेगा।

साल 1965 में यहां पहली बार किसी बैंक की शाखा खुली थी। एसबीआई के प्रशासनिक अधिकारियों ने कई जगहें देखीं। इसके बाद नगर के पूर्व चेयरमैन स्व जगदीश नारायण गुप्ता की जगह पसंद आई और उसका रेंट एग्रीमेंट हो गया। श्री गुप्ता के पौत्र रीतेश ने बताया कि शुरूआत में बड़े आकार का कमरा भर था। इसके बाद बैंक के नक्से के मुताबिक शाखा का निर्माण कार्य कराया गया। समय-समय पर रेंट एग्रीमेंट का रिन्यूवल होता रहा। एग्रीमेंट अभी भी जारी है।

इस बीच बढ़ती जरूरतों के लिहाज से बैंक ने दूसरी जगह देखनी शुरू की। बीते साल हाईवे के दूसरी साइड में नई जगह का चयन हो गया और कुछ दिनों पहले वहीं से बैंक का काम-काज भी प्रारंभ हो गया है। हालांकि पुरानी जगह पर काफी फर्नीचर और पेपर रेकार्ड अभी रखा हुआ है। इसे नई बिल्डिंग में भेजने की प्रक्रिया जारी है। माना जा रहा कि सामान शिफ्ट होने के साथ 'पुराने घर' से बैंक का साठ बरस पुराना रिश्ता खत्म हो जाएगा।

बैंक से खुला तरक्की का रास्ता

- छह दशकों में बैंक शाखा ने न सिर्फ अपनी साख बढ़ाई बल्कि शहर को भी तरक्की की तरफ बढ़ाया। बड़ी और प्रतिष्ठित बैंक संचालित होने के कारण सड़क स्टेट बैंक रोड कही जाने लगी। इसके बाद से यहां आवासीय और व्यावसायिक जमीनों के दाम आसमान छूने लगे। आज आलम यह है कि लोग यहां अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए हर जुगत भिड़ा रहे। मार्केट में दुकानों का किराया बड़े और नामी-गिरामी शहरों से रत्ती भर भी कम नहीं है। बैंक की अलग-अलग योजनाओं से कारोबार को भी उड़ान हासिल हुई।

डुगडुगी बजाकर दी गई थी बैंक खुलने की जानकारी

- शुरूआती दौर में बैंक पर लोगों का भरोसा कम था। जमा पूंजी लोग बैंक की जगह घर पर रखना मुनासिब समझते थे। लोग बैंक की सुरक्षा को समझें और उस पर भरोसा करें, इस लिए बैंक का स्टाफ बस्तियों को निकला और लोगों को खाता खुलवाने के लिए प्रेरित किया। इस बीच कुछ सरकारी विभागों ने कर्मचारियों-अधिकारियों के वेतन को अकबरपुर बैंक से जोड़ दिया। इससे खाते बढ़े। अवकाश प्राप्त शिक्षक शिव शंकर लाल गुप्ता ने बताया कि उनका खाता नंबर 324 था। बैंक खुलने के बारे में जानकारी देने को अक्सर बस्तियों में डुगडुगी बजवाई जाती थी।

मुकुल बने व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष

कानपुर देहात। संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल कानपुर के संगठन को और अधिक सशक्त व सक्रिय बनाने के उद्देश्य से संगठन के मंडल संयोजक अजय कुमार शर्मा की सहमति से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। संगठन के विस्तार एवं व्यापारियों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए मुकुल शुक्ला को संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल का जिला अध्यक्ष, कानपुर देहात नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मुकुल शुक्ला ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाएंगे। कानपुर देहात के सभी व्यापारियों को एकजुट कर संगठन को मजबूत बनाना है।

नहर में डूबा ससुराल आया युवक,नहीं लगा सुराग

जवारे चढ़ाने को हीकेपुर आया था दिनकरपुर का निवासी सतीश, स्थानीय युवकों के कहने पर नहर में कूदा

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः रसूलाबाद थाना क्षेत्र के गड़रियन पुरवा मजरा हीकेपुर स्थित अपनी ससुराल आया 30 वर्षीय युवक लाला भगत के निकट निचली राम गंगा नहर में नहाते समय डूब गया। वह तैरना नहीं जानता था और ससुराल में जवारे चढ़ाने के लिए परिजनों के साथ देवी मंदिर लाला भगत आया था। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस व तहसील प्रशासन को दी है।

नहर में सतीश की तलाश करते युवक। अमृत विचार

घटना स्थल पर मौजूद पुलिस व ग्रामीणों की भीड़। अमृत विचार

मौके पर पहुंचे लेखपाल रावेन्द्र कुमार ने बताया कि गड़रियन पुरवा मजरा हीकेपुर निवासी रामकिशन का दामाद दिनकरपुर थाना शिवराजपुर निवासी सतीश 30 पुत्र किशन लाल ससुराल में जवारे चढ़ाने के कार्यक्रम में आया था। ससुरालीजन जवारे चढ़ाने लाला भगत स्थित कौमारी देवी मंदिर आए थे। रामकिशन का दामाद सुशील तैरना नहीं जानता था लेकिन लड़कों के साथ सतीश नहर में कूद गया और डूब गया इस पर परिवार में कोहराम मच गया है। इसकी सूचना साथी लड़कों ने उनके रिश्तेदारों को दी और उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस व तहसील अधिकारियों को दी। सूचना पाकर नायब तहसीलदार शिव दर्शन सिंह, क्षेत्रीय लेखपाल रावेन्द्र और पुलिस बल मौके पर पहुंचा और उसकी तलाश में जगह-जगह जाल डलवाया गया। इसके साथ ही ग्रामीण गोताखोरों की सहायता से उसकी तलाश की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक डूबने वाले युवक का पता नहीं चला है।

तालाब में मिला लापता मासूम का शव, परिजनों में हड़कंप

कानपुर देहातः बीती शाम घर से अचानक लापता मासूम का शव घर के समीप स्थित तालाब में मिलने से परिजनों के होश उड़ गए। दहाड़े मार कर रोते हुए परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों के विलाप से माहौल गमगीन बना रहा। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। घटना पूरे क्षेत्र में लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही। मंगलपुर थाना क्षेत्र के अलियापुर गांव निवासी नाथूराम का 8 वर्षीय पुत्र राज बाबू 11 तारीख की शाम अचानक लापता हो गया था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे और इधर से उधर भटक रहे थे लेकिन किसी प्रकार की कोई जानकारी नहीं मिल पा रही थी। इसके चलते परिजनों में आशंकाओं के बादल व्याप्त थे। तलाश के दौरान बीती रात्रि 8 बजे मासूम राज बाबू का शव तालाब में पड़ा मिला। इसकी जानकारी लगते ही परिजन दहाड़े मार कर रोते हुए मौके पर पहुंच गए। परिजनों के विलाप से हर किसी की आंखें दिखाई दी। मां सुनीता भाई प्रशांत प्रांशु और अमन का रो-रोकर बुरा हाल बना रहा। सूचना मिलने से मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

घटना के बाद गमगीन महिलाएं। अमृत विचार

एसपी ने लॉकअप, शस्त्रों के रख-रखाव का लिया जायजा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने अकबरपुर कोतवाली व मिशन शक्ति केंद्र, बाल शिशु गृह एवं थाना परिसर का निरीक्षक किया। उन्होंने हर पटल के काम-काज को परखा और वहां उपस्थित प्रभारी से जरूरी जानकारी हासिल की। एसपी ने कहा कि काम-काज पूरी पारदर्शिता के साथ हो और सरकार की गाइड लाइन का पालन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने मिशन शक्ति केंद्र, बाल शिशु गृह एवं थाना परिसर का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के समय पुलिस अधीक्षक द्वारा मिशन शक्ति केंद्र में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सहायता एवं पुनर्वास से संबंधित व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। उन्होंने केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं, रजिस्टरों, शिकायत निवारण व्यवस्था, काउंसलिंग रिकॉर्ड, हेल्पलाइन कनेक्टिविटी एवं स्टाफ की उपस्थिति की समीक्षा की। साथ ही बाल शिशु गृह में बच्चों की देखभाल, स्वच्छता, शिक्षा एवं सुरक्षा संबंधी प्रबंधों का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जानकारी लेतीं एसपी।

थाना परिसर का निरीक्षण करते हुए पुलिस अधीक्षक ने लॉक-अप की स्थिति, सीसीटीवी फुटेज की कार्यक्षमता, महिला हेल्प डेस्क की सक्रियता, थाने की स्वच्छता एवं सज्जा, शस्त्रो का रखरखाव आदि का भी जायजा लिया। निरीक्षण के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारी एवं संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय, क्षेत्राधिकारी अकबरपुर संजय सिंह एवं प्रभारी निरीक्षक हरमीत सिंह मौजूद रहे।

पांच वर्ष से पुलिया टूटी, जान जोखिम में डाल गुजरते लोग

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः बारापुर और धर्मपुर गांव को जोड़ने वाली बंबा की पुलिया पिछले करीब पांच वर्षों से टूटी पड़ी होने से यहां से गुजरना ग्रामीणों के लिए सदैव खतरनाक बना रहता है। बरसात में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। खासकर स्कूली बच्चों के लिए यहां से गुजरना हमेशा जोखिम भरा रहता है। कई बार बच्चे साइकिल सहित यहां गिर चुके हैं। विभागीय अधिकारियों के द्वारा आश्वासन मिलने के बावजूद समस्या अभी जस की तस बनी हुई है। इतनी गंभीर समस्या के बावजूद सिंचाई विभाग के जिम्मेदार अधिकारी अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा पाए हैं।

बारापुर धरमपुर गांव को जोड़ने वाली टूटी पड़ी पुलिया। अमृत विचार

क्षेत्रीय ग्रामीणों सुभाष, नीरज कुमार, शैलेंद्र यादव, कल्लू, रघुवंश, शिवम, कन्हैया, पिंटू पाल, बृजेश, राजू, संदीप कुमार, दलवीर, बोलन, विवेक आदि ने बताया कि बारापुर के पास निकली बिरहुन माइनर पर बनी यह पुलिया कई वर्ष पहले क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके बाद सिंचाई विभाग ने न तो उसकी मरम्मत कराई और न ही नई पुलिया के निर्माण की पहल की। मजबूरी वश ग्रामीणों ने आपस में चंदा एकत्रित कर कुलावा डालकर मिट्टी से अस्थायी रास्ता बना लिया ताकि किसी तरह आवागमन जारी रह सके लेकिन यह रास्ता भी बेहद कमजोर है और बरसात के मौसम में अक्सर बह जाता है। इससे समस्या और गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि कसमड़ा बंबा से निकली माइनर बिरहुन, लक्कापुरवा, बारापुर और कनपटियापुर होते हुए मल्हपुर तक जाती है। ऐसे में यह मार्ग कई गांवों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क रास्ता है। पुलिया टूटने से गांवों के बीच आवागमन प्रभावित रहा है और लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एई नहर विभाग राजेश यादव ने बताया कि उनके संज्ञान में यह बात नहीं है। जानकारी करके इसे शीघ्र बनवाया जाएगा।

तहसीलदार व एसडीएम गैस किल्लत पर करेंगे छापेमारी

शिवली: जिले में गैस सिलेंडर के संकट से आम लोगों को परेशानी से बचाने के लिए डीएम कपिल सिंह ने छह तहसीलों में एसडीएम, तहसीलदार व नायब तहसीलदार व पूर्ति निरीक्षक की टीम बनाई गई है। टीम छापेमारी कर अवैध भंडारण व काला बाजारी की भी जांच करेगी।

दूसरी तरफ गैस वितरण की साइट न चलने से वितरण गुरुवार को बाधित रहा। जिससे आम लोग गैस एजेंसियों पर लाइन लगाए रहे। कई लोगों ने फोन से एसडीएम व सप्लाई इंस्पेक्टर को समस्या बताई।

उधर, बाघपुर गैस एजेंसी का सप्लाई इंस्पेक्टर सत्येंद्र यादव ने निरीक्षण किया। एसडीएम राजकुमार पांडेय ने बताया कि गैस एजेंसियों के जिम्मेदार लोगों को आम लोगों समय पर सिलेंडर वितरित करने के आदेश दिए गए है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

निशान ध्वज यात्रा निकाल बाबा के चरणों में चढ़ाया गया, बांटा प्रसाद

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः गुरुवार को श्री सांवरा श्याम मंदिर बैरी दरियाव में परसौली गांव स्थित हनुमान मंदिरों से सैकड़ो की तादाद में श्याम भक्त निशान ध्वज यात्रा निकालकर बाबा के चरणों में ध्वज निशान अर्पण किया। ध्वज निशान यात्रा के दौरान सांवरा श्याम मंदिर पर मंदिर के महंत द्वारा प्रसाद का वितरण करवाया गया। बाबा का प्रसाद ग्रहण कर भक्तों ने झूम कर जयकारे लगाए।

सांवरा श्याम मंदिर बैरी दरियाव में ध्वज लेकर पहुंचे भक्त। अमृत विचार

सांवरा श्याम मंदिर बैरी में बाबा श्याम के भक्तों द्वारा तीसरा विशाल निशान ध्वज पद यात्रा निकालकर ध्वज निशान चढ़ाया गया।फाल्गुन माह में निशान यात्रा का भी बहुत बड़ा महत्व है।इस निशान यात्रा में भक्त अपने हाथो में श्री श्याम ध्वज हाथ में उठाकर श्याम बाबा को चढाने खाटू श्याम जी मंदिर तक आते है,सनातन संस्कृति में ध्वज को विजय का प्रतीक माना जाता है।

श्रीश्याम बाबा के महाबलिदान शीश दान के लिए उन्हें निशान चढ़ाया जाता है। इसमे उन्होंने धर्म की जीत के लिए दान में अपना शीश ही भगवान श्री कृष्ण को दे दिया था।

मन में अटूट श्रद्धा विश्वास लेकर गुरुवार को परसोली से ढोल नगाड़े के साथ पैदल यात्रा करके बैरी दरियाव स्थित संवारा श्याम मंदिर में सैकड़ों भक्तों ने ध्वज को अर्पण किया।मन्दिर के महंत राजेश त्रिवेदी,मोनू त्रिवेदी,अभिनव त्रिवेदी ने भक्तो को प्रसाद वितरण किया।इस दौरान पवन,आलोक पाल, लालू ,राजा यादव,दीपक, प्रिंशु,कुलदीप,भानु,पवन कुशवाह सहित आधा सैकड़ा भक्तों ने यात्रा में भाग लिया।

मुगल रोड पर गड्ढों के कारण हिचकोले खाने को मजबूर हो रहे वाहन चालक

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचारः लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण राजपुर मुगल मार्ग पर डामरीकृत रोड जर्जर होकर बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गया है। जर्जर मुगल मार्ग पर वाहन हिचकोले खा रहे है। रोड़ पर गड्ढे होने के कारण वाहनों के टायर फटना या एक्सल टूट जाना तो आम बात हो गई है। गड्ढे वाली सड़क पर राहगीर व बाइक सवार गिरकर आए दिन घायल हो रहे हैं।

मुगल रोड पर इस तरह जगह-जगह क्षतिग्रस्त है सड़क। अमृत विचार

नगर पंचायत राजपुर से बुधौली गांव के सामने तक करीब चार किलोमीटर मुगल मार्ग आठ माह से गड्ढों में तब्दील पड़ा हुआ है। जर्जर मार्ग हर दिन बड़े हादसे को दावत दे रहा है। बावजूद इसके, विभाग के अफसरों के कान में जूं तक नहीं रेंग रहा है। बड़े बड़े गड्ढों में तब्दील मुगल मार्ग पर वाणिज्य वाहन से लेकर छोटे वाहनों की आवाजाही रहती है। मुगल मार्ग भोगनीपुर हाईवे से सिकंदरा हाईवे से जुड़ता है। इस लिए मुगल मार्ग शार्टकट होने के साथ साथ बिजी लाइन है। लोगों ने बताया कि मुगल मार्ग पर वाहनों के टायर फटना या एक्सल टूट जाना तो आम बात हो गई है। जर्जर मुगल मार्ग पर हर दिन बाइक सवार गिरकर घायल हो रहे है। कई बार क्षेत्र के असरदार लोगों ने संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है। इसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारी जर्जर सड़क की ओर ध्यान नहीं दे रहे है। इससे राहगीरों और ग्रामीणों में विभागीय अफसरों के प्रति आक्रोश व्याप्त है। लोगों ने जल्द सड़क दुरुस्तीकरण कराए जाने की मांग की है।

मामले में पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता अरविंद कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में है। विभागीय अधिकारियों को लिखित अवगत कराया जा चुका है। जल्द काम शुरू कराया जाएगा।

समस्या क्षेत्रीय किसानों ने नहर विभाग के अधिशासी अभियंता को दी सूचना

रजबहे की पटरी फटने से सैकड़ों बीघे फसल जलमग्न

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः मद्दूपुल रजबहा की पटरी फटने से किसानों की सैकड़ो बीघे गेहूं की फसलें जलमग्न हो गई। इसे लेकर किसानों में हाहाकार की स्थिति है। क्षेत्रीय किसानों ने इसकी सूचना नहर विभाग के अधिशासी अभियंता को दी है। उन्होंने पानी ऊपर से बंद तो करा दिया है किंतु अभी पटरी बांधे जाने की काम शुरू नहीं हुआ है।

मद्दूपुल रजबहा की फटी पटरी। फसल में भरा पानी।

मद्दूपुल रजबहा का यह स्थान काफी गहराई पर पड़ता है और अनेकों बार इसी स्थान पर पटरी फट चुकी है। किसानों का अनेकों बार नुकसान होने के बावजूद विभाग ने अभी तक कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए हैं। जिससे किसानों में असंतोष है। पटरी फटने से पीड़ित विजय मिश्रा, रामनाथ शुक्ला, हरिओम शुक्ला, पंकज बाबू, संदीप कुमार, अफजल खान, बालकृष्ण, धीरज मिश्रा आदि अनेक किसानों ने बताया कि मद्दूपुल रजबहा की पटरी इस स्थान पर अनेकों बार फट चुकी है। विभाग इसे पक्का करवा देने का कई बार आश्वासन भी दे चुका है किंतु स्थिति आज तक जस की तस बनी हुई है।

गहराई अधिक होने के कारण पानी का दबाव पड़ने से पटरी फट जाती है। बुधवार रात अचानक पटरी फट गई जिससे उनकी सैकड़ो बीघे गेहूं की फसलें जलमग्न हो गई है। इससे किसानों में अफरा तफरी मची हुई है। अनेक किसान पंपिंग सेट लगाकर अपने खेतों का पानी निचले स्थान पर निकाल रहे हैं। जबकि अनेक किसानों के खेतों की फसलों का पानी निकालने का कोई इंतजाम नहीं है। ऐसे किसान परेशान है। उन्हे भारी आर्थिक नुकसान होने से वे सदमे में है। क्षेत्रीय किसानों ने पीड़ित किसानों को उनके नुकसान की भरपाई दिए जाने की मांग जिलाधिकारी से की है। इस संबंध में कानपुर डिवीजन नहर विभाग के अधिशासी अभियंता महेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिल गई है और नहर के समीप पटरे लगवा कर पानी रोक दिया गया है। पटरी को बांधने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 13 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

अवैध प्लॉटिंग पर भू स्वामियों को नोटिस

मौदहा हमीरपुर। तहसील क्षेत्र के मुस्करा और महोबा रोड स्थित मौजा मौदहा, रगौल व फत्तेपुर में अवैध रूप से की जा रही प्लॉटिंग पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। गुरुवार को अपर मुख्य अधिकारी उज्जवल अब्रेश और उपजिलाधिकारी करनवीर सिंह ने संयुक्त निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि कृषि भूमि को अकृषक घोषित कराए बिना और जिला पंचायत से मानचित्र स्वीकृत कराए बगैर ही अवैध रूप से प्लॉट बेचे जा रहे थे। मौके पर सड़कें भी मानकों के अनुरूप नहीं मिलीं। राज्य सरकार को आर्थिक क्षति पहुंचाने और अनियंत्रित विकास को बढ़ावा देने के आरोप में जिला पंचायत ने संबंधित भूस्वामियों और एग्रीमेंट कर्ताओं को नोटिस जारी किया है।

मामूली विवाद में पिता पुत्रों ने युवक को पीटा

राठ हमीरपुर। कोतवाली क्षेत्र के छिरावल सरसेड़ा मार्ग पर मामूली विवाद के चलते एक युवक को कुछ लोगों ने जमकर पीटा। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी है। छिरावल गांव निवासी गिरजा रानी पत्नी चुन्नूलाल ने बताया कि उसके पुत्र मनमोहन से बहगांव निवासी एक युवक ने अपने पुत्रों के साथ बिना किसी कारण के गाली गलौज करना शुरू कर दिया। बताया कि जब मनमोहन ने इसका विरोध किया तो पिता और दो पुत्रों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। मारपीट के बाद आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद मां गिरजा रानी ने कोतवाली पहुंच तहरीर दी। कोतवाल राकेश ने बताया जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

युवती के आत्महत्या में युवक के विरुद्ध रिपोर्ट

राठ हमीरपुर। कोतवाली क्षेत्र के सरसेड़ा माफ गांव निवासी करन पुत्र राधेलाल ने बताया कि बीते 6 मार्च को उसकी पुत्री निशा ने जहरीले पदार्थ खा लिया था। पुत्री की हालत बिगड़ने पर उसे सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से उसे मेडिकल कालेज रेफर कर दिया था। रास्ते में ही उसकी पुत्री निशा की मौत हो गई थी। बताया कि बीते करीब 1 वर्ष पूर्व उसने जरिया थाना क्षेत्र के धगवां गांव निवासी अमरजीत पाल के साथ उसने अपनी पुत्री निशा का विवाह तय किया था। बताया कि आरोपी युवक अमरजीत पाल शराब पीकर उसकी पुत्री को आत्महत्या के लिए प्रेरित करता था। बताया कि अमरजीत पाल के द्वारा किए गए दुष्प्रेरण से ही उसकी पुत्री निशा ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या की है। कोतवाल राकेश कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

पति पर दूसरी शादी करने का आरोप

राठ हमीरपुर। कस्बे के फरसौलियाना डुमरियापुरा निवासी रितु ने बताया कि उसके पति ने तथ्य छिपा कर एवं अपनी हैसियत की झूठी जानकारी देकर एवं उसके माता पिता को बहला फुसलाकर बीते साल उससे शादी की थी। शादी के बाद जब वह अपने पति के साथ रहने लगी तो उसे सच्चाई का पता चला। आरोप लगाया कि उसके पति ने कूटरचित तरीके एवं झूठी जानकारी देकर शादी करने का जब उसने विरोध किया तो उसके पति ने उसके साथ गाली गलौज और मारपीट शुरू करते हुए उसका उत्पीड़न करना चालू कर दिया। आरोप लगाए कि उसका पति आए दिन उसके साथ मारपीट कर उसे प्रताड़ित करने लगा। बताया कि दहेज का पूरा सामान भी बेंच डाला और उसके जेवरात भी छीन लिए। कार्रवाई की जा जायेगी।

गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध : एसडीएम

एसडीएम ने लोगों से की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील, कई एजेंसियों का किया निरीक्षण

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण तेल व गैस की किल्लत की अफवाहें तेजी से फैल रही हैं। इसी कारण कई लोग 25 दिन पूरे होने से पहले ही दूसरा सिलेंडर बुक कर रहे हैं। हालांकि गैस एजेंसियों पर सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं और लोग एक दिन पहले बुकिंग कर अगले दिन एजेंसी से सिलेंडर लेकर जा रहे हैं।

घाटमपुर एसडीएम अविचल प्रताप सिंह ने गुरुवार दोपहर नगर के भदरस स्थित इंडियन गैस एजेंसी का निरीक्षण किया। यहां पर कुछ उपभोक्ता सिलेंडर लेकर जाते दिखाई दिए। एसडीएम ने उनसे बातचीत की तो उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्होंने एक दिन पहले सिलेंडर बुक किया था और आज एजेंसी से लेकर जा रहे हैं। इसके बाद वे लालपुर गांव स्थित इंडियन गैस एजेंसी पर पहुंचे हिरनी गांव निवासी रोहित शुक्ला ने बताया कि उन्होंने भी एक दिन पहले गैस बुक की थी और अब सिलेंडर लेने आए हैं। पतारा कस्बा निवासी हरेंद्र पाल सिंह ने भी बताया कि उन्हें सिलेंडर लेने में किसी तरह की परेशानी नहीं हो रही है। एजेंसी में कार्यरत शुभम त्रिवेदी ने बताया कि कभी कभी सर्वर डाउन होने के कारण डीएफसी नहीं हो पा रही है, लेकिन इसके अलावा कोई समस्या नहीं है।

घाटमपुर एसडीएम अविचल प्रताप सिंह ने बताया कि उन्होंने क्षेत्र की कई गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया है। सभी जगह सिलेंडर का पर्याप्त स्टॉक है। कही पर भी किसी प्रकार की समस्या नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराहट में अनावश्यक बुकिंग न करें।

गैस एजेंसी में पहुंच कर उपभोक्ता से बात करते अधिकारी। अमृत विचार

मांगलिक आयोजनों में पड़ा खलल

- वैवाहिक और मांगलिक कार्यक्रमों का सीजन चरम पर है। गैस की किल्लत ने उन परिवारों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं जिनके घरों में शादी-ब्याह हैं। एजेंसी संचालकों के टालमटोल के कारण लोग दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

वैश्विक तनाव का असर या स्थानीय अव्यवस्था

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। वैश्विक स्तर पर युद्ध की परिस्थितियों और गहराते संकट के बीच देश में रसोई गैस की कीमतों में अस्थिरता का डर आम जनता को सताने लगा है। प्रशासन भले ही जमाखोरी रोकने के दावे कर रहा हो, लेकिन बिल्हौर, ककवन, शिवराजपुर, चौबेपुर में धरातल पर स्थिति इसके विपरीत है। स्थानीय गैस एजेंसियों की कार्यशैली ने उपभोक्ताओं की रातों की नींद उड़ा दी है।

ऑनलाइन बुकिंग के बावजूद खाली हाथ उपभोक्ता: बिल्हौर क्षेत्र में हिंदुस्तान पेट्रोलियम और इंडियन गैस समेत कुल चार गैस एजेंसियां संचालित हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि डिजिटल इंडिया के दौर में ऑनलाइन बुकिंग करने के बावजूद उन्हें समय पर सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। घंटों इंतजार और बार-बार चक्कर काटने के बाद भी संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है।

उपजिलाधिकारी संजीव दीक्षित ने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर अभी किसी प्रकार की कोई किल्लत नहीं है सभी एजेंसी संचालकों के साथ में बैठक भी कर ली गई है लेकिन इन सबके बीच में कई जगहों पर एजेंसी संचालकों के मोबाइल नंबर बंद कर लिए जाने की जानकारी मिली है जिसको लेकर बैठक करके तत्काल प्रभाव से ग्राहकों को संतुष्ट पूर्ण जवाब दिए जाने के निर्देश दिए जाएंगे।

वहीं क्षेत्रीय आपूर्ति अधिकारी ओपी राणा ने कहा कि शुक्रवार को हम सभी अधिकारी फील्ड पर उतरकर सभी एजेंसियों की हकीकत पता करेंगे तथा जमाखोरों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सिलेंडर चोरी में वांछित एक और युवक गिरफ्तार

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। बीते दिनों क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं में लिप्त एक और युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक के पास से तमंचा, कारतूस समेत चोरी के सिलेंडर व नकदी बरामद हुई है। विधिक कार्रवाई के बाद उसे जेल भेजा गया।

मालूम हो कि सपा विधायक अमिताभ बाजपेई की क्षेत्र के दीपपुर गांव स्थित एचपी गैस एजेंसी के गोदाम से बीती 24 फरवरी की रात चोरों ने शटर के ताले तोड़कर 127 घरेलू सिलेंडर, 7 खाली सिलेंडर व 3 कामर्शियल सिलेंडर पार कर दिए थे। मामले में एजेंसी संचालक शशिकांत पांडे की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। इसी तरह 1 मार्च की रात चोरों ने गौरी भगवंतपुर मार्ग स्थित देशी व अंग्रेजी शराब की दुकानों के ताले तोड़कर 80,000 नकदी व 15 पेटी शराब पार कर दी थी। घटना में दुकान मालिकों अवधेश कुमार व वतन अग्निहोत्री की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश शुरू की थी। सर्विलांस व सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से मिली जानकारी पर बीते दिनों 7 लोगों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर 43 गैस सिलेंडर व 125 शराब की बोतलें बरामद की थीं। घटना में शामिल अन्य चोरों की तलाश में लगी पुलिस ने बुधवार रात क्षेत्र के बिकरू मोड़ के पास खड़े भटपुरा, शिवराजपुर निवासी दीपू कुशवाहा को पकड़ा। तलाशी के दौरान इसके पास तमंचा, कारतूस, चोरी के दो सिलेंडर व 4240 रुपये बरामद हुए। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि पकड़े गए युवक को जेल भेजा गया है।

पकड़ा गया आरोपी।

वेटलैंड के रूप में विकसित हो सकता पचपीरन तालाब

तैयारी

- उपजिलाधिकारी अविचल प्रताप सिंह ने घाटमपुर कस्बे में स्थित तालाब का किया निरीक्षण
- 28 बीघे का है तालाब उपजिलाधिकारी ने अतिक्रमण हटाने के दिये निर्देश

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर उपजिलाधिकारी अविचल प्रताप सिंह ने घाटमपुर कस्बे में स्थित करीब 28 बीघे के पचपीरन तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने इस तालाब को वेटलैंड के रूप में विकसित करने की संभावना जताई है। साथ ही उन्होंने कहा कि जल्द ही तालाब की भूमि मे किये गये अतिक्रमण को जल्द से जल्द हटवाया जायेगा।

उपजिलाधिकारी ने बताया कि इस तालाब में एक बेहतरीन वाटर बॉडी बनने की अपार संभावना है। उन्होंने तालाब के आसपास से अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दिए हैं। तालाब के विकसित होने से स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को नई मजबूती मिलेगी और कस्बे के भूजल स्तर में भी सुधार होगा। यदि यह वेटलैंड घोषित होता है, तो यह प्रवासी पक्षियों के लिए एक सुरक्षित स्थान बनेगा और जैव विविधता में वृद्धि होगी। एक बेहतरीन वाटर बॉडी बनने से यह स्थानीय लोगों के लिए घूमने और सुकून के पल बिताने का एक सुंदर केंद्र बन सकता है।

अतिक्रमण मुक्त होने के बाद, यह क्षेत्र कस्बे की पहचान और पर्यावरण दोनों के लिए लाभकारी होगा। इस दौरान घाटमपुर नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी डॉक्टर महेंद्र कुमार और लेखपाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चाचा ने भतीजे पर चाकू से किया हमला

शिवराजपुर। कस्बे के वार्ड नंबर 1 आंबेडकर नगर निवासी युवक पर चाचा ने झगड़े के दौरान चाकू से हमला कर दिया। भतीजे ने चाचा के खिलाफ थाने में तहरीर देकर मामला दर्ज कराया है।

कस्बे के आंबेडकर नगर निवासी हुकुम सिंह पुत्र रमेश चंद्र ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि 10 मार्च को सुबह जब वह अपने घर पहुंचा तो देखा कि उसका चाचा छोटी बादशाह उर्फ राजेश पुत्र हीरालाल मेरी मां केलामती से गाली गलौज कर रहा था मेरे द्वारा गाली गलौज का विरोध करने पर चाचा ने जेब में रखा चाकू निकाल लिया व मेरे ऊपर हमला कर दिया। इससे मेरे हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। थाना पुलिस ने जांच पड़ताल करके आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले में थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि आरोपी युवक को जल्द ही गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा।

हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव में निपुण बच्चे किये गये पुरस्कृत

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। गुरुवार को कस्बे के ब्लॉक संसाधन केंद्र में खंड शिक्षा अधिकारी कृपा शंकर यादव के संरक्षण एवं दिशा निर्देशन में वर्ष 2026 का हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ शुभम बाजपेई ब्लॉक प्रमुख द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया। अनीता सचान आगनबाड़ी सुपरवाइजर ने बाल वाटिका की उपलब्धियों पर चर्चा की। मुख्य अतिथि शुभम बाजपेई ने अपने संबोधन में कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग में बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा में हो रहे उत्कृष्ट प्रयासों को सार्थक करने हेतु सभी को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विकासखंड से चयनित 45 बाल वाटिका तथा कक्षा 1 एवं 2 के निपुण बच्चों तथा निपुण घोषित विद्यालयों के शिक्षकों एवं नोडल संकुलों को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रमा शंकर मिश्रा कानपुर प्रान्त अध्यक्ष विश्व हिन्दू परिषद सरिता कटियार, सीमा कुमारी, डॉ. प्रगति रघु सक्सेना, संगीता सुनीता शुक्ला सहित बहुत से शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

छात्रा को प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत करते अतिथि। अमृत विचार

- बीडीओ के नेतृत्व में कार्यक्रम का हुआ आयोजन
- ब्लाक प्रमुख ने दीप प्रज्ज्वलित कर की कार्यक्रम की शुरुआत

मारपीट में चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शिवराजपुर। क्षेत्र के दिलीपपुर सखरेज गांव निवासी युवक ने जमीन पर निर्माण कार्य को लेकर पड़ोसियों द्वारा गाली गलौज व मारपीट के मामले में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

गांव निवासी रामबरन पुत्र स्व. सूबेदार ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि 6 मार्च को वह अपनी पुस्तैनी जमीन पर निर्माण कार्य कर रहा था। तभी पड़ोसी सज्जन पुत्र रमेश चंद व श्याम सिंह एवं मानसिंह पुत्रगण रमेश चंद्र शिवम पुत्र मानसिंह आदि लोग असलहा लेकर मौके पर आ गए व निर्माण कार्य को लेकर गाली-गलौज करने लगे। गाली गलौज से मना करने पर उन्होंने असलहे की बट से मुझे घायल कर दिया, जिससे मेरे दांत टूट गए। इसी बीच मेरी पुत्री सीता मुझे बचाने आई तो आरोपियों ने उसे भी घर में घुसकर जमकर पीटा। पुलिस ने तहरीर के बाद छानबीन करके चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले में थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि मारपीट की तहरीर मिली थी जांच पड़ताल के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

तालाब में लगाई छलांग, बच्ची की मौत, मां गंभीर

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। मुस्करा थाना क्षेत्र के हुसैना गांव में पति व ससुरालीजनों की आए दिन की मारपीट से क्षुब्ध होकर महिला ने चार वर्षीय मासूम बच्ची के साथ गांव के तालाब में छलांग लगा दी। ग्रामीणों ने महिला व बच्ची को बाहर निकाला और उन्हें मुस्करा सीएचसी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। वहीं महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुस्करा थाना क्षेत्र के हुसैना गांव में बीती रात हुई मारपीट से क्षुब्ध होकर गुरुवार की सुबह गांव निवासी भगत सिंह यादव की पत्नी शोभा यादव (32) अपनी मासूम चार वर्षीय बच्ची नीशू को गोद में लेकर गांव के ही तालाब में कूद गई। घटना की जानकारी ग्रामीणों को मिली तो भारी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और कड़ी मशक्कत कर महिला व बच्ची को तालाब से बाहर निकाला। साथ ही घटना की सूचना थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मां बेटी को कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। सीएचसी में ड्यूटी में तैनात तैनात डॉक्टर ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। जबकि महिला का प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। शोभा ने बताया कि ससुरालीजनों द्वारा आए दिन प्रताड़ित करने के साथ मारपीट करते है।

बताया कि शादी के बाद से ही लगातार उसका पति और ससुरालीजन उसे शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दे रहे हैं। जिसके चलते मारपीट से क्षुब्ध होकर बच्ची के साथ घटना को अंजाम दिया। मुस्करा थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

मुस्करा सीएचसी में महिला से पूछताछ करती पुलिस। अमृत विचार

- ससुरालीजनों की मारपीट से परेशान थी महिला

क्लीनिक संचालक ने फंदा लगाकर दी जान

मौदहा (हमीरपुर)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम छिमौली में बुधवार की देर रात एक व्यक्ति ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। युवक गांव में ही एक छोटी सी क्लीनिक चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। इस हृदय विदारक घटना से परिजनों में चीख-पुकार मची हुई है। क्षेत्र के छिमौली निवासी कुलदीप उर्फ दीपू (45) पुत्र सुभाष चंद्र विश्वकर्मा ने बुधवार रात अज्ञात कारणों के चलते घर के अंदर फांसी लगा ली। जब परिजनों को घटना की जानकारी हुई, तो आनन-फानन में पड़ोसियों की मदद से उसे फंदे से नीचे उतारा गया। परिजन उसे गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मौदहा लेकर पहुंचे। वहां मौजूद चिकित्सकों ने परीक्षण के उपरांत कुलदीप को मृत घोषित कर दिया।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरा बैंक आफ़ बड़ौदा खाता सं0 00610100039493 में नाम गायत्री व पता शुक्लागंज दक्षिण उन्नाव अंकित है। सही नाम गायत्री शुक्ला पुत्री स्व0 रामसुन्दर तथा पता मं. सं. 4/139, आर्यावर्त ग्रामीण बैंक, राजधानी मार्ग, नेतुवा, उन्नाव है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

सूचना

मैं सनोज कुमार पुत्र ठाकुरदीन पता 62/9 बी भाभा नगर सनिगवा रोड कानपुर नगर उ0 प्र0 मैने अपने पुत्र का नाम श्रेयस सनोज निषाद पुत्र सनोज कुमार का नाम परिवर्तित करके अभिराज सिंह कर दिया है। अतः श्रेयस सनोज निषाद के स्थान पर परवर्तित नाम अभिराज सिंह के नाम से संम्बोधित किया जाए।

Public Notice

I Mohammad Wafi Ansari s/o Mohammad Akhtar r/o Khatrana road near champa devi Raebareli U. P. Have changed my name and shall hereafter be known Mohd Wafi Ansari S/O Mohd Akhtar

सूचना

सूचित किया जाता है की मैने पी.एन.बी. मेट लाइफ से पालिसी 21396035 कराया था। जिसमे मेरे पिता का नाम लखिलेश लिखा है जो की गलत है। जबकि हमारे समस्त डाक्युमेंट पैन , आधार और बैंक मे राम अभिलाख लिखा है। जिसे सत्य माना जाये। **प्रयाग दत्त पुत्र राम अभिलाख ग्राम पुरे बसई चितई जिला गोंडा**

सूचना

हमारे आधार कार्ड सहित समस्त पहचान अभिलेखों में मेरा नाम सर्वेश कुमार मौर्य अंकित है, जबकि मेरी पत्नी सुष्मिता मौर्य के पासपोर्ट में सर्वेश मौर्य लिखा है। हमें इन दोनों नामो से जाना व पहचाना जाता है। अतः मेरी पत्नी के पासपोर्ट में मेरा नाम सर्वेश कुमार मौर्य अंकित किया जाना आवश्यक है। **सर्वेश कुमार मौर्य पुत्र राम सुन्दर मौर्य निवासी मौर्य क्लॉथ स्टोर शांति नगर पानी टंकी के पास लालगंज जिला रायबरेली उ0 प्र0।**

सूचना

मेरा नाम उमेश सिंह है पासपोर्ट में जैसराज सिंह लिख गया है मेरा ही दोनों नाम है , **उमेश सिंह पुत्र ओमकार सिंह सोमरहा ,रेहरा बाजार बलरामपुर**

सूचना

मेरे आधार कार्ड, पासपोर्ट आदि में मेरा नाम SHAHID ALI अंकित है। मेरी पत्नी MARIYAM TAHIRA, पुत्र MOHAMMAD AHMAD व पुत्रियों TUBA SHAHID एवं TAYYABA SHAHID के आधार कार्ड, पासपोर्ट आदि में मेरा नाम SYED SHAHID ALI अंकित है। SHAHID ALI व SYED SHAHID ALI दोनो नाम एक ही व्यक्ति के अर्थात मेरे ही हैं। **शाहिद अली पुत्र अनवार अली निवासी–425/019 ए, बिस्मिल नगर अम्बर गंज, लखनऊ।**

सूचना

में **रईस अहमद पुत्र अब्दुल मजीद, निवासी 371/129, सुल्तानपुर गढेइया,, थाना सआदतगंज, लखनऊ, उ0प्र0**, मैं अपने छोटे पुत्र शब्बीर अहमद व उसकी पत्नी राजिया के गलत चाल चलन से अत्याधिक शारीरिक व मानसिक रूप पीड़ित रहता हूँ उन दोनों का चालो चलन ठीक नहीं है वह आये दिन मुझसे गाली गलौज व लड़ते झगड़ते रहते है, जान से मारने की धमकी देते हैं उनकी इन हरकतो से तंग आकर अपने छोटे पुत्र शब्बीर अहमद व उसकी पत्नी राजिया के गलत व्यवहार एवं आचरण के कारण अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। अब मेरा उपरोक्त से कोई वास्ता व सरोकार नही रहेगा, उपरोक्त छोटे पुत्र व पुत्रवधू के समस्त क्रिया कलापों एवं खराब आचरण के प्रति वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

राठ में फंदे पर लटका मिला वृद्ध का शव

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। जरिया थाने के सरीला कस्बे के मांझखोर मोहल्ले में एक वृद्ध ने तौलिया से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

सरीला कस्बे के माझखोर निवासी जयपाल सिंह (60) पुत्र महेश्वरीदीन का शव गुरूवार को संदिग्ध अवस्था में फांसी के फंदे पर लटकता हुआ मिलने से हड़कंप मच गया। परिजनों ने बताया कि जयपाल सिंह बुधवार करीब 12 बजे के बाद से किसी को दिखाई नहीं दिये थे। गुरुवार को जयपाल सिंह का शव अपने परिचित व्यक्ति व साथी किसान के पशुबाड़े में फाँसी के फंदे पर लटका हुआ मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक जयपाल सिंह अपने हिस्से की 6 बीघा कृषि भूमि में खेती किसानी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। जो कि अपने पीछे पुत्र नीलेश के अलावा तीन पुत्री सहित अन्य सभी परिजनों को रोता बिलखता हुआ छोड़ गया है। परिजनों ने आशंका जताते हुए कहा कि संभवत फसल का कम उत्पादन होने की वजह से एवं बीते तीन चार दिनों पहले भैंस की मौत होने से आहत होकर ही जयपाल सिंह ने फांसी लगाई है। मामले में जरिया थानाध्यक्ष ने बताया शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

खेल के मैदान से अयोध्या जनपद में आयोजित हुई 36वीं राज्य स्तरीय मिनी बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता

मलखंब प्रतियोगिता में दिखाया दमखम

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। अयोध्या के डॉ.भीमराव आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय खेलकूद स्टेडियम में आयोजित 36वीं राज्य स्तरीय मिनी बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में जनपद के उच्च प्राथमिक विद्यालय टोला माफ के छात्रों ने मलखम प्रतियोगिता में प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

36 वीं राज्य स्तरीय मिनी बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता 9 से 11 मार्च तक डॉ.भीमराव आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय खेलकूद स्टेडियम अयोध्या में आयोजित हुई। जिसमें उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राम प्रकाश साहू एवं जिला व्यायाम शिक्षक रावेंद्र सिंह गौर की अगुवाई में कई खेलों में बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिसमें उच्च प्राथमिक विद्यालय टोला माफ के छात्रों ने मलखम प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त कर जनपद का नाम रोशन किया। जबकि प्राथमिक विद्यालय खेड़ा शिलाजीत सरीला की बालिका टीम ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक हासिल किया। इस मौके पर व्यायाम व खेल शिक्षक सुनील सोनी, जितेंद्र कुमार, राजेश सोनकर, उमेश कुमार, सुरेश सोनकर, बाबूराम प्रजापति, बृजकिशोर साहू, पवन कुमार पाल, सूरजपाल, रंजीता त्रिपाठी, सुरेश यादव आदि शिक्षकों ने तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता अयोध्या में उपस्थित रहकर अपना सराहनीय योगदान दिया।

शिक्षकों के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीम के बच्चे। अमृत विचार

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

इफ्तार
शुक्रवार शाम
सुन्नी : 6:19
शिया : 6:28

सहरी
शनिवार सुबह
सुन्नी : 4:58
शिया : 4:51

पैग़म्बर मोहम्मद साहब ने फ़रमाया : रमजान के आखरी अशरा में पांच ताक रातों में कसरत से इबादत करो।

शहर में आज

- **कार्यक्रम :** जाजमऊ स्थित मस्जिद बैत-उल-सलात में फिलिस्तीन के समर्थन में एहतिजाजी जलसा दोपहर एक बजे।
- **कार्यक्रम :** नगर निगम में दूरसंचार विभाग द्वारा पेंशनर पहचान पत्र वितरण शिविर सुबह 11 बजे।
- **जयंती :** नवीन मार्केट स्थित सपा कार्यालय में पूर्व सांसद धनी शिवदयाल चौरसिया की जयंती दोपहर तीन बजे।
- **हवन :** किदवई नगर आनंद धाम मंदिर में अटल विचार मंच द्वारा महामृत्युंजय शांति हवन शाम 4 बजे।

सिटी ब्रीफ

हैलट में मारपीट

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल में प्रमुख अधीक्षक कार्यालय के बाहर स्वास्थ्य कर्मी व तीमारदार के बीच किसी बात पर कहासुनी हो गई और देखते ही देखते दोनों के बीच मारपीट हो गई। मौके पर मौजूद सुरक्षा गार्डों ने बीच बचाव किया। मामले की सूचना प्रमुख अधीक्षक कार्यालय में दी। प्रमुख अधीक्षक डॉ.सौरभ अग्रवाल के मुताबिक लिखित प्रार्थना पत्र आने पर मामले की जांच कराकर संबंधित पर कार्यवाही की जाएगी।

आज यहां नहीं रहेगी बिजली

कानपुर। पी-रोड, जरीबचौकी जीटी रोड, जी-23, फजलगंज, दबौली के एचआईजी पार्क, गोपाला, रतनपुर में बिजली सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक नहीं रहेगी। इसके अलावा स्वरूप नगर व आर्य नगर में सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक, राजीव पेट्रोल पंप, मिठास स्वरूप नगर में डेढ़ बजे से शाम को चार बजे तक और गुजैनी में सुबह 11 बजे से शाम को चार बजे तक बिजली गुल रहेगी।

हंगामे के बाद पुलिस ने माइक से एनाउंसमेंट कर बंटवाई गैस

सुबह से ही खाली सिलेंडर लेकर गैस एजेंसियों के बाहर लगी ग्राहकों की लाइनें

- जेके मंदिर के पास स्थित एजेंसी पर सिलेंडर भरी गाड़ी पहुंचने पर हो गया हंगामा
- नजीराबाद और फजलगंज पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शांत कराया भीड़ का गुस्सा
- तमाम लोगों को नहीं मिल पाए सिलेंडर, कल आने को कहकर लौटाया गया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गैस सिलेंडर नहीं मिलने से अब लोगों का गुस्सा फूटने लगा है। गुरुवार को सुबह से ही एजेंसियों के बाहर लोग खाली सिलेंडर लेकर जमा हो गए। कई एजेंसियों में कर्मचारियों से गैस बुकिंग या लोड आने को लेकर उपभोक्ताओं की नोकझोंक हुई। नजीराबाद थाना क्षेत्र में जेके मंदिर के पास स्थित भागवत गैस एजेंसी पर सिलेंडर भरी गाड़ी पहुंचने पर लाइन लगाए लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इसी बीच गैस आने की खबर पाकर खाली सिलेंडर लेकर बड़ी संख्या में चुन्नीगंज क्षेत्र के उपभोक्ता भी वहां पहुंच गए। इसकी वजह यह थी कि इस गैस एजेंसी का जेके मंदिर के अलावा चुन्नीगंज में भी वितरण केंद्र है। ग्राहकों की भीड़ बढ़ने से हंगामा शुरू हो गया। सूचना पाकर नजीराबाद और फजलगंज पुलिस मौके पर पहुंची। एसीपी स्वरूप नगर सुमित सुधाकर भी आ गए। पुलिस ने लोगों को पहले समझा-बुझाया फिर माइक से एनाउंसमेंट कर लाइन लगवाई। इसके बाद गैस सिलेंडर का वितरण शुरू कराया गया। हालांकि तमाम लोगों को भरे सिलेंडर नहीं मिल पाए, उन्हें कल रिफिल देने का आश्वासन देकर घर भेजा गया।

एनाउंसमेंट कर भीड़ को समझाती पुलिस। अमृत विचार

हेल्पलाइन नंबरों पर करें शिकायत

- भारत गैस हेल्पलाइन नंबर : 1800-22-4344 (टोल फ्री)
- इंडेन गैस कस्टमर केयर नंबर : 1800-2333-555 (टोल फ्री)
- एचपी गैस कस्टमर केयर नंबर : 1800-2333-555 (टोल फ्री)

कमी या किल्लत नहीं, अफवाहों पर ध्यान न दें लोग

- घटना को लेकर एडीसीपी सेंट्रल अर्चना सिंह ने बताया कि दोनों वितरण केंद्र के उपभोक्ता एक जगह पहुंच जाने से हंगामे जैसी स्थिति बनी थी, जबकि शहर में गैस सिलेंडर की कोई कमी या किल्लत नहीं है। लोग किसी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। यदि किसी गैस एजेंसी या डीलर की ओर से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने में अनावश्यक देरी या असुविधा की जा रही है या उपभोक्ताओं की किसी भी तरह की शिकायत है, तो संबंधित कंपनियों की हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

गैस रिफलिंग करने में युवक पर मुकदमा किया गया

- **कानपुर।** रेलबाजार में बुधवार को गैस सिलिंडर से रिफलिंग करते युवक पकड़ा गया था। जिसके बाद पुलिस ने आपूर्ति निरीक्षक की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। बुधवार को रेलबाजार के फेथफुलगंज में पानी की टंकी के पास एक दुकान में छापेमारी की गई थी। जहां पर घरेलू गैस सिलिंडर से रिफलिंग करते युवक को पकड़ा गया था। पूछताछ में युवक ने अपना नाम इमरान बताया था। मौके पर टीम ने दो खाली व एक भरा सिलिंडर व दो रिफिलिंग नोजल बरामद की थी। क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक खाद्य प्रभाष त्रिपाठी ने आरोपी के खिलाफ तहरीर दी थी। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

जरा समझिए, घबराने की नहीं जरूरत, पैनिक बुकिंग से बचें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

252 शिकायतों में 92 का डीएसओ ने किया त्वरित निस्तारण
जिले में घरेलू गैस की आपूर्ति सुचारु होने का दावा

अमृत विचार। शहर में एलपीजी गैस आपूर्ति सुचारू रखने के लिए निगरानी के साथ लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए प्रशासन ने अपनी कवायद तेज कर दी है। गुरुवार को उपभोक्ताओं की 252 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 92 का निस्तारण करा दिया गया। अधिकतर शिकायतें गैस बुकिंग न होने या समय पर सिलेंडर न मिलने से जुड़ी थीं। जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार ने कहा कि शहर में घरेलू गैस की आपूर्ति सुचारु रूप से जारी है और उपभोक्ता अनावश्यक घबराहट में पैनिक बुकिंग न करें। उन्होंने बताया कि जिन उपभोक्ताओं की बुकिंग पहले से दर्ज थी, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर होम डिलीवरी के जरिए सिलेंडर उपलब्ध कराया गया। कॉल सेंटर पर शिकायत दर्ज होने के बाद कई उपभोक्ताओं को उसी दिन सिलेंडर उपलब्ध कराया गया।

शिकायत पर हुई सुनवाई घर पर पहुंचा गैस सिलेंडर : गल्ला मंडी निवासी रामजानकी ने 6 मार्च को प्रियंका गैस सर्विस से गैस बुक कराई थी, लेकिन सिलेंडर न मिलने पर उन्होंने कॉल सेंटर के लैंडलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद उन्हें घर पर सिलेंडर पहुंचाया गया। इसी तरह बाबू पुरवा निवासी आफरीन ने विजय गैस एजेंसी से 5 मार्च को बुकिंग कराई थी, लेकिन सिलेंडर नहीं मिला था।

शिकायत मिलने पर उन्हें भी होम डिलीवरी के माध्यम से गैस उपलब्ध कराई गई। किदवई नगर ब्लॉक निवासी राजकुमार मल्होत्रा ने 27 फरवरी को साक्षी गैस एजेंसी से बुकिंग कराई थी, जबकि जयप्रकाश वर्मा ने उपकार गैस एजेंसी से इनवॉइस बनने के बाद भी सिलेंडर न मिलने की शिकायत की थी। अनवरगंज निवासी किशन लाल ने शांति गैस एजेंसी से 3 मार्च को बुकिंग कराने के बावजूद गैस न मिलने की जानकारी दी थी। ऐसे सभी मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए उपभोक्ताओं को गुरुवार को उनके घर पर सिलेंडर उपलब्ध कराया गया।

एजेंसी में जांच करते अधिकारी। अमृत विचार

अधिकारियों ने एजेंसियों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

- प्रशासनिक अधिकारियों ने शहर की विभिन्न गैस एजेंसियों का निरीक्षण कर आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया और एजेंसी संचालकों को समय पर वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिन उपभोक्ताओं की बुकिंग पहले से दर्ज है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर होम डिलीवरी के जरिए सिलेंडर उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देशित किया।

इन नंबरों पर बता सकते परेशानी

- डीएसओ ने बताया कि गैस से संबंधित समस्याओं के लिए लैंडलाइन नंबर 0512-2988763 और व्हाट्सएप नंबर 6394616122 जारी किए गए हैं, जिन पर उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

होटल उद्योग को लगी चार करोड़ की चपत

- रसोई गैस किल्लत को भविष्य में और गंभीर मान रहे कारोबारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रसोई गैस किल्लत का असर शहर के होटल उद्योग में पड़ना शुरू हो गया है। कॉमर्शियल गैस पर संकट से होटल, रेस्टोरेंट, गेस्ट हाउस और स्ट्रीट फूड से जुड़े कारोबार को रोजाना लगभग 4 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

शहर में इस कारोबार की बात की जाए तो 268 गेस्ट हाउस, 18 सौ रेस्टोरेंट, 25 सौ से तीन हजार तक स्ट्रीट फूड सेंटर, 40 रिसॉर्ट और लगभग दो सौ होटल्स मौजूद हैं। इनमें यदि सहालग व वीकेंड की बात की जाए तो औसत रोजाना लगभग 8 करोड़ का कारोबार होता है। यह स्थिति इस वक्त काफी प्रभावित हुई है। शहरवासियों का फोकस इस वक्त घरों में सिलेंडर की उपलब्धता को बढ़ाना है। इसलिए लोग इन जगहों पर जाना कम कर चुके हैं। कॉमर्शियल सिलेंडर की उपलब्धता कम होने या न होने से फूड प्रोडक्शन कॉस्ट भी बढ़ गई है। जिससे 50 फीसदी रोजाना कारोबार प्रभावित हो रहा है। यदि इस स्थिति को जल्द ही न संभाला गया तो आने वाले 15 से 20 दिनों में स्थिति सबसे अधिक खराब हो सकती है।

"शहर में यह उद्योग सबसे अधिक टैक्स देने वाला उद्योग हैं। इस वक्त सरकार को उस उद्योग की बेहतरी के लिए कदम उठाना चाहिए। हम लोगों को कम से कम 15 दिन की मोहलत देनी चाहिए थी। इससे स्थिति बेहतर हो सके।

-विजय पाण्डेय, अध्यक्ष, कानपुर होटल रेस्टोरेंट एसोसिएशन

"गैस की किल्लत के चलते इस समय कई होटल व रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। यदि गैस ही नहीं होगी तो वे लोग पकाएंगे क्या। सबसे अधिक परेशानी फिलहाल बड़ी दावतों की बुकिंग की है। को समझ नहीं आ रहा है कि आखिर किस तरह से इस स्थिति से निपटा जाए। यदि ऐसे ही चलता गया तो कारोबार बंदी की नौबत खड़ी हो जाएगी।

-राज कुमार भगतानी, महामंत्री, कानपुर, होटल्स, गेस्ट हाउस एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन

इन टिप्स को आजमाएं और घर में गैस की खपत बचाएं

- प्रेशर कुकिंग से खाना पकाएं, इससे समय और ईंधन दोनों की बचत होती है। पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का कहना है कि प्रेशर कुकिंग से चावल 20%, भीगी दालों पर 46%, सब्जियों में 60 % और मीट पकाने में 40% तक गैस की बचत होती है।
- बर्तनों को हमेशा ढककर पकाएं। अगर गैस की लौ 'पीली' निकल रही है, तो समझ लीजिए आपकी जेब जल रही है।
- जब गैस की लौ तेज होती है, तो बर्तन या पैन की सतह से निकलने वाली ज्यादा आंच आसपास की हवा सोख लेती है। भोजन के बॉइलिंग प्वाइंट पर पहुंचने के बाद गैस की लौ कम करने से 25% तक बच की जा सकती है।
- साबुत अनाज या भारी दालें जैसे छोला, राजमा, चना आदि कम पकाएं। दाल, चावल को भिगोकर पकाने से गैस बचाने में मदद मिलती है, ऐसे पकाने पर भाप बनकर उड़ने वाले पानी की मात्रा कम हो जाती है, जिससे गैस बचती है।
- चौड़े बर्तनों में खाना पकाने से भी गैस बचती है, क्योंकि बर्नर से निकलने वाली लौ बर्तन की सतह पर जमा होने से बर्बाद नहीं होती है।
- बर्नर में धूल या गंदगी होने से गैस का फ्लो बाधित होता है, इससे गैस की खपत बढ़ जाती है। इसलिए बर्नर की सफाई और चूल्हे की सर्विसिंग कराएं।
- कई घरों में गैस रेगुलेटर लंबे समय तक नहीं बदला जाता, जिससे कई बार रेगुलेटर गैस का प्रेशर जरूरत से ज्यादा कर देता है, और गैस तेजी से खर्च होती है, इसलिए रेगुलेटर की जांच के साथ गैस पाइप की भी जांच जरूरी है।

बुकिंग, वितरण व्यवस्था धड़ाम, परेशान घूम रही अवाम

- मिस्ड कॉल से भी बुकिंग की सुविधा काम नहीं कर रही

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में रसोई गैस सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर लोगों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। गैस बुकिंग में दिक्कत, हेल्पलाइन नंबर काम न करने और एजेंसियों पर लंबी कतारों के कारण उपभोक्ताओं को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कई इलाकों में लोगों को गैस के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है, फिर भी समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है।

उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले गैस बुकिंग फोन या मिस्ड कॉल से आसानी से हो जाती थी, लेकिन अब नंबर बंद बता रहे हैं या कॉल ही नहीं लग रही। इसके चलते लोगों को मजबूर होकर सीधे गैस एजेंसियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। वहीं एजेंसियों पर भी वितरण व्यवस्था सुचारु नहीं होने से लोगों को लंबी लाइनों में खड़ा रहना पड़ रहा है। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस लेने के लिए सुबह से ही एजेंसी के बाहर लोग लाइन लगाकर खड़े हो जाते हैं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल पाता कुछ लोगों ने यह भी बताया कि एजेंसियों पर पर्याप्त कर्मचारी नहीं होने से वितरण में देरी हो रही है। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को भी सिलेंडर मिलने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि पहले योजना के तहत आसानी से सिलेंडर मिल जाता था, लेकिन अब कई बार लंबे इंतजार के बाद ही गैस मिल पाती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से गैस आपूर्ति और बुकिंग व्यवस्था को जल्द दुरुस्त कराने की मांग की है।

बोले लोग

"पहले गैस सिलेंडर आसानी से मिल जाता था, लेकिन अब उतनी सहजता से उपलब्ध नहीं हो रहा है। लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

- प्रेम प्रकाश, सिविल लाइन

"जिस नंबर से पहले गैस बुक होती थी, अब उस पर बुकिंग नहीं हो रही है। चौहान गैस एजेंसी, सनिगवां गया तो वह बंद मिली और वहां कोई सूचना भी नहीं लगी थी।

- अभिषेक कुमार गुप्ता, सनिगवां

"उज्ज्वला योजना भी अब बंद जैसी लग रही है। गैस के लिए लोगों को नौकरी छोड़कर घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है और फोन भी नहीं उठाया जाता। हालांकि मुझे आज गैस मिल गई।

- पीताम्बर पांडेय, परमट

"गैस मिलने में बहुत समस्या हो रही है। प्रशासन द्वारा जारी नंबर पर अब रिंग भी नहीं जाती और बंद बता रहा है, जबकि पहले इसी नंबर पर आसानी से गैस बुक हो जाती थी।

- गंगा राम यादव, बाबा घाट

"गैस बुकिंग नहीं हो रही है और एजेंसी से भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल रहा। अगर यही हाल रहा तो लोगों को फिर से चूल्हा जलाने की मजबूरी हो सकती है। इस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए।

- धर्मेंद्र यादव, सिविल लाइन

"गैस लेने के लिए एजेंसी पर घंटों इंतजार करना पड़ता है, लेकिन कई बार खाली हाथ लौटना पड़ता है। वितरण के लिए कर्मचारी भी कम हैं। मेरे घर में पिछले पांच दिनों से गैस खत्म है।

- नरेश कुमार चौरसिया, सिविल लाइन

तकनीक | कंप्यूटर असिस्टेड लैब में नए सॉफ्टवेयर से मेडिकल छात्र करेंगे शोध

मेडिकल कॉलेज में जीवों पर नहीं होगा शोध

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में अब मेढक, चूहे व खरगोश पर शोध नहीं किया जाएगा। यह फैसला वैज्ञानिक और नैतिक कारणों के चलते लिया गया है। अब मेडिकल कॉलेज में आधुनिक तकनीक से शोध कार्य किए जाएंगे। इसके लिए कॉलेज में कंप्यूटर असिस्टेड लैब (सीएएल) स्थापित की गई है। यहां पर साफ्टवेयर की मदद से अब सभी विभाग के मेडिकल छात्र-छात्राएं शोध कर सकेंगे।

मेडिकल कॉलेज में अभी तक जीवों पर शोध किया जाता था, जिसकी वजह से कुछ छात्राएं व छात्र शोध से कतराते थे। शोध कार्य के दौरान कभी-कभार कुछ जीवों की हैवी डोज या गलत डोज की वजह से मृत्यु भी हो जाती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकेगा क्योंकि कॉलेज के फिजियोलॉजी विभाग ने एक अत्याधुनिक लैब स्थापित की है, जिसमे अब बिना जीवों के मेडिकल छात्र व छात्राएं शोध कार्य कर सकेंगे। इस लैब का गुरुवार को फिजियोलॉजी विभाग की नोडल अधिकारी डॉ.डॉली रस्तोगी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। बताया कि लैब में 25 कंप्यूटर हैं। सभी कंप्यूटर में शोध कार्यों से संबंधित एनिमल एक्सपेरिमेंट सॉफ्टवेयर इंस्टॉल किए गए हैं। साफ्टवेयर की मदद से मेडिकल छात्र-छात्राएं बिना झिझक के अब शोध कार्य कर सकेंगे। कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला ने बताया कि प्रदेश में पहली बार राज्यस्तरीय जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में यह हाईटेक लैब की शुरुआत की गई है। अब छात्र बिना किसी जीव को नुकसान पहुंचाए अपनी प्रैक्टिकल ट्रेनिंग पूरी कर सकेंगे। यहां पर न सिर्फ फिजियोलॉजी विभाग, बल्कि सभी विभाग के मेडिकल छात्र व छात्राएं शोध कर सकते हैं।

लैब में शोध कार्य के संबंध में जानकारी देतीं डॉ.डॉली रस्तोगी। अमृत विचार

एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम शुरू

कानपुर। बड़ा चौराहा स्थित डफरिन अस्पताल में गुरुवार को सीडीओ जैन पहुंची, यहां पर उन्होंने एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत की। कहा कि एचपीवी वैक्सीन भविष्य में होने वाले गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से बचाव में अत्यंत प्रभावी है। एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण है। समय पर टीकाकरण से इस गंभीर बीमारी से बचाव संभव है।

अभियान के तहत 15 वर्ष से कम उम्र की किशोरियों को निशुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराई जाएगी। यह टीकाकरण जनपद के सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध रहेगा। अपील है कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर एचपीवी टीकाकरण अवश्य कराएं।

एलिवेटेड रोड निर्माण के लिए गडकरी से मिले सांसद अवस्थी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गोल चौराहा से रामादेवी तक एलिवेटेड रोड निर्माण के लिए सांसद रमेश अवस्थी ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से दिल्ली में मुलाकात की। उन्होंने आग्रह किया कि जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कराकर एलिवेटेड रोड के निर्माण का शुरू कराया जाए ताकि लोगों को जाम से निजात मिल सके। अप्रैल में इसकी आधारशिला रखी जाएगी।

गोल चौराहा से रामादेवी तक 10.16 किमी लंबे 4-लेन एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए केंद्र सरकार ने 988.30 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। बजट स्वीकृत होने के साथ ही आवंटित भी हो गया है। ऐसे में अब सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को इसके निर्माण के लिए टेंडर कराना है। यह एलिवेटेड कॉरिडोर सिंगल पिलर पर बनेगा। ऐसे में वर्तमान हाईवे पर भी वाहन चल सकेंगे। इस प्रोजेक्ट के लिए भूमि का अधिग्रहण भी नहीं होना है। ऐसे में किसी तरह की बाधा नहीं है। सांसद रमेश अवस्थी चाहते हैं कि जल्द से जल्द टेंडर हो निर्माण शुरू हो जाए। उन्होंने इस प्रोजेक्ट की मंजूरी के लिए नितिन गडकरी को बधाई भी दी।

नितिन गडकरी से वार्ता करते सांसद रमेश अवस्थी। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

पुलिस ने बरामद की कार, आरोपी फरार

कानपुर। गुजैनी में रंगदारी न देने पर रेस्टोरेंट संचालक को कार की विंडो में फंसाकर घसीटने के मामले में पुलिस ने कार बरामद कर ली, जबकि आरोपी पकड़ से दूर है। बर्रा आठ निवासी रंजीत सिंह का रामगोपाल चौराहा पर सूरज स्वीट हाउस एंड रेस्टोरेंट है, जहां उनका बेटा आदर्श कुमार बैठता है। बुधवार देर रात रेस्टोरेंट बंद कर आदर्श दुकान के बाहर खड़ा था, तभी जरौली फेस टू निवासी यशू कुमार एसयूवी कार से रेस्टोरेंट के बाहर आकर होली में ज्यादा कमाई की बात कहकर पैसों की मांग की। विरोध करने पर आरोपी यशू ने आदर्श से मारपीट की और फिर उसका हाथ खींच कर विंडो का सीसा ऊपर कर लिया। आदर्श को दूर तक घसीटा। कर्मचारियों ने खदेड़ा तो आरोपी छोड़ कर फरार हो गया। गुजैनी थानाप्रभारी राजन शर्मा ने बताया कि आरोपी की कार को बरामद कर लिया गया है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

रोककर पीटा आईफोन तोड़ा

कानपुर। किदवईनगर में दबंगों ने रास्ता रोककर युवक को बेरहमी से पीटा और उसका आईफोन तोड़ दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। जूही के संत रविदास नगर निवासी राज सिंह भदौरिया ने बताया कि बुधवार शाम करीब सात बजे वह लाल कॉलोनी स्थित छोटू चाय के पास से गुजर रहा था। तभी चार-पांच युवकों ने रोक लिया। आरोप है कि विरोध में नीरज मिश्रा उर्फ मामा, केतन निगम, सूरज ठाकुर, पीयूष दीक्षित और फैजी उर्फ फैज खान ने उन्हें घेर लिया और बेरहमी से पीटा। आरोपियों ने आईफोन भी तोड़ दिया। शोर-शराबा होने पर सभी आरोपी धमकी देतेकर भाग निकले। किदवई नगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

पैसों के विवाद में महिला को पीटा

कानपुर। सेन पश्चिम पारा के ओरछी गांव में पुश्तैनी जमीन बिक्री के पैसों के विवाद में परिवार के लोगों ने महिला को पीट दिया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर जेठ व भांजे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। ओरछी गांव निवासी विद्या देवी के अनुसार करीब चार साल पहले फतेपुर के पास स्थित पुश्तैनी जमीन बिकने पर मिले पूरे पैसे उनके जेठ शिव सिंह ने अपने पास रख लिए थे। आरोप है कि जब भी परिवार के लोग पैसे मांगते तो वह और उनका भांजा मोहित सिंह धमकी देता। पीड़िता के अनुसार नौ मार्च की रात उनका बेटा रोहित अपने पिता से पैसों की बात कर रहा था। तभी मोहित कमरे में घुस आया और मारपीट करने लगा। बीच-बचाव करने पर उनके सिर पर पाइप मार दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यहां गई बिजली

कानपुर। बेकनगंज पानी की टंकी क्षेत्र में सीटी क्षतिग्रस्त होने से सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक, पॉवर ट्रांसफार्मर की रिले खराब होने से सुबह पांच बजे से सुबह आठ बजे तक और इस्पात नगर में पॉवर ट्रांसफार्मर में डीसी पावर कट होने से बिजली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक गुल रही, जिसकी वजह से क्षेत्र के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

एसआईटी के हत्थे चढ़ा फर्जी डिग्री बांटने वाला जालसाज

मूलरूप से बिहार के बक्सर का, वीके ग्रेटर नोएडा में रहता था, जूही में पकड़ा गया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बीटेक, बीफार्मा-डीफार्मा और एलएलबी समेत अन्य पाठ्यक्रमों की फर्जी डिग्रियां मुहैया कराने वाले गिरोह एक और जालसाज जूही गौशाला पर एसआईटी के हत्थे चढ़ा।

विनीत राय।

बिना प्रवेश व परीक्षा डिग्रियां बांटने वाले इस गिरोह का नेटवर्क नौ राज्यों के 14 विश्वविद्यालयों में फैला था। एसआईटी की गिरफ्त में आए आरोपी वीके को गुरुवार जेल भेजा गया। आरोपी ने कबूल किया कि करीब डेढ़ साल पहले वह गिरोह के सरगना के संपर्क में आया था। सरगना व उसके बीच 7.53 लाख का ट्रांजेक्शन भी मिला है।

मूलरूप से बिहार के बक्सर रामपुर गांव निवासी विनीत राय उर्फ वीके मौजूदा समय में ग्रेटर नोएडा में रह रहा था। गुरुवार उसे जूही गौशाला के पास से एसआईटी ने दबोचा। वीके को गिरोह के सरगना शैलेंद्र कुमार ओझा की कॉल डिटेल के आधार पर पकड़ा गया। बता दें कि 18 फरवरी को किदवईनगर पुलिस ने जूही गोशाला चौराहा के पास शैल ग्रुप ऑफ एजुकेशन के कार्यालय में छापा मारकर फर्जी डिग्री बनाने वाले बड़े गिरोह का खुलासा किया था। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि छापेमारी में नौ राज्यों के 14 विश्वविद्यालयों व यूपी माध्यमिक शिक्षा परिषद समेत एक हजार से अधिक फर्जी मार्कशीट व डिग्रियां बरामद हुईं थीं। जिसमें बीटेक, एमटेक, बीफार्मा, डीफार्मा और एलएलबी समेत कई डिग्रियां शामिल थीं। पुलिस ने मौके से सरगना शैलेंद्र कुमार समेत नागेश मणि त्रिपाठी, जोगेंद्र व अश्वनी कुमार सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। एसआईटी की जांच के दौरान सामने आया कि वीके सरगना शैलेंद्र के लिए बिचौलिए का काम करता था। पूछताछ में उसने बताया कि उसने सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी से बीसीए करने के बाद ग्रेटर नोएडा स्थित एक्यूरेट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस से परास्नातक की डिग्री ली थी। इसके बाद वह विभिन्न निजी विवि के लिए मार्केटिंग का काम करने लगा था। विनीत ने बताया कि उसने जयपुर की निम्स व नोएडा की महार्षि यूनिवर्सिटी के लिए भी प्रवेश से जुड़ा काम करता था। फरवरी 2023 में उसने मोनाड यूनिवर्सिटी ज्वाइन की। इसी दौरान उसकी मुलाकात शैलेंद्र से हुई थी। शैलेंद्र ने खुद को कंसल्टेंसी संचालक बताते हुए कमीशन पर प्रवेश कराने की बात कही थी। जिसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं।

एलएलबी में प्रवेश तक ही सीमित रहा

- पुलिस पूछताछ में आरोपी वीके ने बताया कि अब तक वह 7-8 छात्रों को एलएलबी में प्रवेश दिलाकर डिग्री उपलब्ध करा चुका है। बीए की डिग्री के बारे में उसने जानकारी से मना किया। कहा कि उसका काम केवल एलएलबी में प्रवेश कराने तक ही था। उससे यह भी पता चला कि शैलेंद्र के संपर्क मोनाड यूनिवर्सिटी में पहले प्लानिंग मैनेजर रहे रोहित शर्मा भी संपर्क में थे। जिसने बाद में नौकरी छोड़ दी थी। अब एसआईटी रोहित की तलाश में है।

- **डेढ़ साल से गिरोह के संपर्क में था, सरगना की कॉल डिटेल के आधार पर पकड़ में आया**

2012 से सक्रिय है जालसाज गिरोह

- डीसीपी साउथ ने बताया कि जांच में सामने आया कि गिरोह 2012 से फर्जी डिग्री, माइग्रेशन सर्टिफिकेट और अंकपत्र तैयार कर लोगों को उपलब्ध करा रहा था। आरोपी विश्वविद्यालयों के स्टाफ के बीच अपना मेलजोल बढ़ाकर फर्जी डिग्री को अधिकांश जगहों पर सत्यापित करा लेते थे। हालांकि पुलिस सत्यापन के दौरान वह खुद ही डिग्री को फर्जी बता देते थे। जिससे मामला पकड़ा न जाए। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

प्रेम विवाह के पांच माह बाद युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अनाथ युवक-युवती ने पांच माह पहले प्रेम विवाह किया। बुधवार शाम दोनों में विवाद हुआ। देर रात युवक ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। युवक पश्चिम बंगाल का रहने वाला था।

रायपुरवा के झकरकटी में किराए पर रहने वाला 25 वर्षीय युवक रानाराय उर्फ रामू ने बुधवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिवार में सिर्फ पत्नी राधादेवी है। उसने बताया कि रामू पश्चिम बंगाल के हुगली पंडुआ सराय का रहने वाला था। रामू और राधादेवी अनाथ थे। उनका कोई नहीं है। दोनों ने पांच माह पहले ही प्रेम विवाह किया था। मेहनत मजदूरी करता था। बुधवार शाम रामू शराब के नशे में घर आया था, इसलिए दोनों के बीच विवाद हुआ। रात में उसके सो जाने पर रामू ने दुपट्टे से गले में फंदा कसकर आत्महत्या कर ली। सुबह शव लटका देखा चीख-पुकार मच गई। पुलिस के अनुसार आपसी विवाद में युवक ने आत्महत्या की है।

आर्थिक तंगी में युवक ने किया सुसाइड

जवाहरलाल।

- **कानपुर।** कल्याणपुर में आर्थिक तंगी से परेशान युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। इंदिरानगर रोड स्थित गुप्ता सोसायटी निवासी 30 वर्षीय जवाहर लाल विश्वकर्मा फर्नीचर पॉलिश का काम करते थे। परिवार में मां प्राणपति व तीन भाई नंदलाल, कृष्णलाल, मोतीलाल हैं। भाइयों ने बताया कि ठेकेदार के अंडर में जवाहर काम करता था। इधर करीब एक माह से उसे काम नहीं मिल रहा था। जिस कारण वह कपड़े की फेरी लगाने लगा था। लोगों से पैसे लेकर कपड़े खरीदे थे, लेकिन वह काम भी नहीं चल रहा था। जिससे परेशान था। उसी तनाव के चलते उसने बुधवार रात फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली।

ट्रेन के आगे कूदकर अधेड़ ने दी जान

संजय कुमार।

- **कानपुर।** रावतपुर में भगंदर की बीमारी से परेशान अधेड़ ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। गुजैनी के सी-ब्लाक निवासी 56 वर्षीय संजय कुमार गुप्ता हलवाई का काम करते थे। परिवार में पत्नी ममता, बेटा अनुराग व बेटी नैना है। परिजनों ने बताया कि संजय कई माह से भगंदर की बीमारी से परेशान थे। बुधवार दोपहर वह हैलट इलाज कराने की बात कहकर घर से निकले थे, लेकिन देर शाम तक नहीं लौटे। इस पर उनकी खोजबीन की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। रात तक उनकी तलाश की गई। सुबह पुलिस ने उनके पास मिले कागजात के आधार पर परिजनों को हादसे की सूचना दी। पुलिस के अनुसार संजय रेलवे लाइन के पास बैठे थे। बिस्कुट खाकर पानी पिया, फिर ट्रेन आती देखकर उसके सामने कूद पड़े। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।

मोबाइल पर फुटेज देखते एसीपी व मौजूद व्यापारी। गोदाम के कैमरे में कैद हुआ नकाबपोश। अमृत विचार

चौकी के बगल में 12 लाख की चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **होली के त्योहार पर 10 दिन बाजार बंद होने से चोरों ने गोदाम को बनाया निशाना**
- **सीसीटीवी में कैद दिखे दो नकाबपोश, साउथ इंडिया से घूमकर लौटने पर पता चला**

अमृत विचार। कलक्टरगंज में अब कोपरगंज चौकी से 100 मीटर की दूरी पर नकाबपोश चोरों ने सेंधमारी की। प्लास्टिक बारदाना व तिरपाल कारोबारी के गोदाम से 12 लाख का माल चोरी कर ले गए। इससे पहले एसीपी कार्यालय के समीप दुकान में चोरी हुई थी। होली के त्योहार के चलते गोदाम 10 दिनों से बंद था। गुरुवार को कारोबारी पहुंचे तब वारदात की जानकारी हुई। गोदाम में लगे सीसीटीवी कैमरे में दो नकाबपोश कैद हुए हैं।

कलक्टरगंज के रहने वाले कारोबारी अनिकेत गुप्ता उर्फ राहुल का राजकुमार एंड संस के नाम से प्लास्टिक बारदाना व तिरपाल का थोक काम है। राहुल ने बताया कि कोपरगंज चौकी से महज 100 मीटर दूरी पर प्रिंस होटल कंपाउंड में उनका गोदाम है। होली के त्योहार के चलते मार्केट बंद होने के कारण वह दो मार्च को पत्नी कोपल के साथ छुट्टी मनाने साउथ इंडिया गए थे। वहां से लौटने पर गुरुवार सुबह वह गोदाम पहुंचे तो वहां का दृश्य देखकर हैरान रह गए। चोरों ने गोदाम के पीछे रेलवे की खाली जमीन के रास्ते से दीवार में सेंधमारी की थी। उन्होंने बताया कि चोर करीब 12 लाख रुपये कीमत के तिरपाल, करीब 250 नग चोरी कर ले गए हैं। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर दो नकाबपोश चोर गोदाम से माल निकालते दिखे हैं। चोरों ने गोदाम का माल भी पलटाया है। चोरी की सूचना पर व्यापारी एकत्र हो गए और खबर पाकर एसीपी कलक्टरगंज आनंद ओझा, थाना प्रभारी विनय तिवारी व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच-पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने गोदाम से साक्ष्य एकत्र किए। कारोबारी राहुल ने बताया कि चोर लोडर में माल लेकर फरार हुए है, ऐसी आशंका है।

एक माह में क्षेत्र में दसवीं चोरी

- कलक्टरगंज थानाक्षेत्र में एक माह में यह 10वीं चोरी है। लगातार चोरियों से व्यापारियों में नाराजगी है। एसीपी कलक्टरगंज से भी नाराजगी जाहिर की है। जल्द खुलासे की मांग की है। बता दें कि बुधवार को पुलिस कमिश्नर ने भी लगातार हो रही चोरियों को लेकर कलक्टरगंज थाना प्रभारी विनय तिवारी को फटकार लगाई थी। इससे पहले दो मार्च को नयागंज में शिव कटरा निवासी सज्जन गुप्ता की श्यामलाल रामकिशन फर्म में 25 लाख की चोरी हुई थी। यह घटना एसीपी कार्यालय से महज 70-80 मीटर दूरी पर हुई थी।

भय में किसान ने फंदा लगाकर दे दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **बेटे के आधार संशोधन के लिए सादे कागज पर किया था हस्ताक्षर**
- **भय था हस्ताक्षर के जरिये कहीं उसकी जमीन न लिखवा ली जाए**

अमृत विचार। महाराजपुर में मन में बैठे डर के कारण किसान ने फंदे से लटककर जान दे दी। आधार कार्ड संशोधन के लिए सादे कागज पर हस्ताक्षर करके दिया था। फिर सोच बैठे कहीं जमीन अपने नाम न करवा ले। पेड़ पर फंदे से शव लटका देख परिजनों में कोहराम मच गया।

खजुरिहा के हाथीगांव निवासी 56 वर्षीय संतोष कुमार खेती-किसानी करते थे। परिवार में पत्नी मीनू व चार बेटे अंकित, छोटू, मोहन और टिंकू हैं। बुधवार रात खाना खाने के बाद संतोष आराम करने चले गए। परिजन भी सो गए। देर रात जब घरवाले गहरी नींद में थे, संतोष ने घर के पीछे स्थित बबूल के पेड़ से रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह परिजनों के साथ ही पड़ोसियों ने शव फंदे से लटका देखा। पुलिस ने शव नीचे उतरवाया। घरवालों से पूछताछ की। बड़े भाई रामसजीवन ने बताया कि मोहन के आधार कार्ड में कुछ संशोधन होना था। इसके लिए संतोष ने गांव के एक व्यक्ति को कागजात दिए थे। उसने संशोधन कराने के लिए पूरे परिवार के एक सादे कागज पर हस्ताक्षर करवा लिए थे। सादे कागज पर हस्ताक्षर करने के कारण संतोष के मन में यह डर बैठ गया था कि कहीं उस कागज के जरिए उसकी जमीन अपने नाम न करवा ले। इस डर का उसने परिजनों से जिक्र किया तो समझाया गया। उसी तनाव में उसने गले में फंदा कसकर आत्महत्या कर ली।

संतोष कुमार।

तेजाब पीकर युवक ने दी जान

आसिफ।

- कानपुर। जाजमऊ में कामकाज ठीक न चलने से मायूस युवक ने तेजाब पीकर आत्महत्या कर ली। हालत बिगड़ने पर हैलट में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मूलरूप से सीतापुर के चंदौली रेउसा निवासी नवी हसन का 22 वर्षीय बेटा आसिफ ताड़ बगिया हरी मस्जिद के पास किराए पर रहता था। इलाके में ही एक दस्ताना फैक्ट्री में काम करता था। परिवार में मां चमौली, जुड़वा भाई आरिफ है। मामा मुजीब ने बताया कि कामकाज मंदा चलने के कारण वह काफी समय से परेशान चल रहा था। बुधवार दोपहर वह उनके पास घर आया था। और कहा कुछ खाने को दे दो। इस पर उन्होंने परिवार में सभी लोगों के रोजा रखने की बात कही। कहा कि चलो होटल में खाना खिला दे, इसी बीच उसे खून की उल्टी हुई। पूछने पर बताया कि तेजाब पी लिया है। पता चलने पर परिजन तत्काल उसे हैलट अस्पताल ले गए। जहां उपचार के दौरान गुरुवार सुबह उसकी मौत हो गई।

नोटिस चस्पा करने पहुंचे केडीए सुपरवाइजर पर छोड़ा कुत्ता

कल्याणपुर। आशा देवी मंदिर परिसर में बने अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण का नोटिस चस्पा करने पहुंचे केडीए सुपरवाइजर से मंदिर के महंत ने गाली-गलौज कर नोटिस फाड़ दिया। साथ ही दोनों सुपरवाइजरों पर पालतू कुत्ता भी छोड़ दिया। पीड़ित ने घटना की तहरीर पुलिस को दी है। केडीए सुपरवाइजर मनोज कुमार व रामअवतार के अनुसार गुरुवार को वह न्यायालय के आदेश पर मंदिर परिसर स्थित अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण का नोटिस चस्पा करने गए थे। तभी अपने पांच साथियों के साथ वहां पहुंचे मंदिर के महंत ने गाली-गलौज करते हुए नोटिस फाड़ दिया। पथराव कर दिया। इतना ही नहीं अपना पालतू कुत्ता भी उन पर छोड़ दिया।

नौसिखिया चालक ने वृद्ध पर चढ़ा दिया ई-रिक्शा, मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **सड़क किनारे खड़े थे सभी, दो बच्चों को भी टक्कर मारकर किया घायल**

अमृत विचार। ग्वालटोली में नौसिखिया चालक ने सड़क किनारे खड़ी वृद्धा पर ई-रिक्शा चढ़ा दिया। दो किशोरों को भी टक्कर मारकर घायल कर दिया। परिजन तीनों को समीप के अस्पताल ले गए, जहां वृद्धा की इलाज के दौरान मौत हो गई। लोगों ने चालक को पकड़कर रिक्शा समेत पुलिस के हवाले किया है। नवाबगंज के ज्यौरा निवासी 65 वर्षीय आशा दिवाकर बुधवार शाम 17 वर्षीय नातिन प्रांजल के साथ ग्वालटोली के छह बंगलिया में रहने वाली बेटी संजू के घर गईं थी। रात करीब 11 बजे वह घर लौटने के लिए सड़क किनारे खड़े होकर वाहन का इंतजार कर रही थीं, तभी तेज गति ई-रिक्शा ने समीप ही खड़ी प्रांजल व 12 वर्षीय नाती आयुष्मान को टक्कर मारी और आशा को रौंद दिया। परिवार में बेटा दुर्गेश व पांच बेटियां हैं। संजू के पति रवि कुमार ने बताया कि सास त्योहार पर मिलने आई थीं। जाते समय उनका बेटा आयुष्मान, पत्नी व परिवर के अन्य बच्चे भी उन्हें सड़क तक छोड़ने गए थे। इसी बीच ई-रिक्शा चलाना सीख रहा युवक तेज रफ्तार में सड़क पर लहराते निकला। उसने सड़क किनारे खड़े बच्चों को टक्कर मारने के बाद सास के ऊपर रिक्शा चढ़ा दिया। उन्हें समीप के नर्सिंगहोम ले गए, जहां देर रात डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं प्रांजल व आयुष्मान को इलाज के बाद घर भेज दिया।

मेडिकल जोन

उपकरण के रूप में करें एआई का इस्तेमाल, शोध कार्य में आ रहे बेहतर परिणाम

चैट जीपीटी व एआई से पूछकर दवा लेना हो सकता है खतरनाक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में फिजियोलॉजी विभाग ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश फिजियोलॉजी कॉन्फ्रेंस -यूपी एसोपिकोन 2026 का आयोजन किया, जिसमे शामिल विशेषज्ञों ने चिकित्सा शिक्षा के व्यावहारिक ज्ञान, नए शोध तकनीकों और आधुनिक तकनीक (एआई) के संबंध में मेडिकल छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। छात्र-छात्राओं की फिटनेस, साइकोलॉजिकल समझ और सीखने की ललक को भी परखा, उनको मुश्किल स्थितियों से निपटने की जानकारी विशेषज्ञों ने दीं। विशेषज्ञों ने कहा कि चैट जीपीटी या किसी अन्य एआई मॉडल से सीधे चिकित्सीय सलाह लेना खतरनाक भी साबित हो सकता है। इसलिए एआई को एक उपकरण (टूल) के रूप में इस्तेमाल करें, डॉक्टर के रूप में नहीं।

उप्र फिजियोलॉजी कॉन्फ्रेंस -यूपी एसोपिकोन 2026 में शामिल विशेषज्ञ व मेडिकल छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में आईएमएस बीएचयू और एक्सेस मेडिसिन लैब के सहयोग से न्यूनतम संसाधनों में फिटनेस मूल्यांकन सत्र आयोजित किया गया। चार घंटे की कार्यशाला में डॉ.संकल्प झा व डॉ.आशीष कुमार गुप्ता ने बताया कि कैसे कम लागत वाले या बिना किसी मशीन के ग्रामीण परिवेश में फिटनेस का आकलन किया जा सकता है। यह फिट इंडिया अभियान की भावना के अनुरूप है, जिससे चयापचयी रोगों को रोकने में मदद मिलती है। शोध कार्यों को गति देने के लिए एम्स रायबरेली के डॉ.मुकेश शुक्ला व जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के डॉ.समरजीत कौर ने प्रतिभागियों को जमोवी सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण दिया। बताया कि यह सॉफ्टवेयर डेटा विश्लेषण को सरल बनाता है, जिससे शोधार्थी अपने थीसिस कार्य को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर सकते हैं। लखनऊ के डॉ.राम मनोहर लोहिया से आए डॉ.शिवम वर्मा ने एम्बुलेटरी ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग (एबीपीएम) पर जूनियर रेजिडेंट्स को जानकारी दी। बताया कि 24 घंटे की बीपी निगरानी से उन मरीजों की पहचान की जा सकती है, जिनका ब्लड प्रेशर दिन में सामान्य रहता है, लेकिन रात में बढ़ जाता है। क्योंकि मास्क्ड हाइपरटेंशन, छुपा हुआ बीपी होता है, जो नियमित जांच में नहीं दिखता है, लेकिन दिल व किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है।

क्लिनिकल प्रैक्टिस में एआई काफी सहायक

- डॉ.नवदीप आहूजा ने बताया कि एआई को किस प्रकार क्लिनिकल इंटरप्रिटेशन में अप्लाई किया जा सकता है। विशेष रूप से, लक्षणों के एक स्पेक्ट्रम को देखते हुए सेंट्रल नर्वस सिस्टम और कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम से जुड़ी बीमारियों की पहचान करने में एआई एक शक्तिशाली उपकरण साबित हो सकता है। नोडल अधिकारी डॉ.डॉली रस्तोगी ने बताया कि एआई डेटा एनालिसिस और रिसर्च में काफी सहायक है। पैटर्न ढूंढना, डायग्नोसिस में सहायता करना, डेटा रिसर्च आदि में एआई बेहद प्रभावी है। हालांकि कुछ मामलों में एआई के उपयोग पर सावधानी भी जरूरी है।

एक मिनट फ्लैश टॉक चैलेंज

- युवा शोधकर्ताओं में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए अंडरग्रैजुएट छात्रों के लिए एक मिनट फ्लैश टॉक चैलेंज का आयोजन किया गया, जिसमे कानपुर के अलावा कन्नौज, फतेहपुर, कानपुर देहात, जालौन आदि मेडिकल कॉलेजों के छात्रों ने अपने इनोवेटिव रिसर्च आईडिया प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल में शामिल डॉ.अमित वर्मा, डॉ.श्रद्धा वर्मा व डॉ. प्रियंका शुक्ला ने उनका गहन अध्ययन किया, जिसके बाद एक मिनट फ्लैश टॉक चैलेंज में प्रथम स्थान सिद्धि, द्वितीय स्थान प्रथम और तृतीय स्थान ध्रुव ने हासिल किया।

बोगस फर्म से 1.14 करोड रुपये की आईटीसी चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **सहायक आयुक्त राज्यकर ने दर्ज कराया मुकदमा**

अमृत विचार। किदवईनगर में बोगस फर्म बनाकर 1.14 करोड़ इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) लेने का एक और मामला पकड़ा गया है। फर्जीवाड़ा पकड़े जाने पर सहायक आयुक्त राज्यकर कविता श्रीवास्तव ने फर्म मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं माल खरीद भी ऐसी फर्मों से की गई, जिनका पंजीकरण पहले ही निरस्त किया जा चुका है।

सहायक आयुक्त राज्यकर ने बताया कि जूही बारादेवी में मंदाकिनी के नाम से एमके ट्रेडर्स पंजीकृत है। जिसके जरिए आयरन व प्लास्टिक स्क्रैप का कारोबार करने की बात कही गई। फर्म के अभिलेखों व जीएसटी पोर्टल के डाटा की जांच की गई तो पता चला कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में करीब 18.89 करोड़ रुपये की खरीद दिखाकर करीब 1.14 करोड़ रुपये से अधिक का एसजीएसटी व सीजीएसटी दिखाई गई। यह खरीद ऐसी फर्मों से की गई, जिनका पंजीकरण पहले ही निरस्त किया जा चुका है। वास्तविक खरीद का भी कोई रिकार्ड नहीं मिला है। जब जांच करने के लिए टीम फर्म स्थल पर पहुंची तो कमरे में सिर्फ एक मेज और तीन कुर्सियां मिलीं। मौके पर कोई स्टाक नहीं था। कंप्यूटर व व्यवसाय से संबंधित अभिलेख भी नहीं मिले। पूछताछ में भवन स्वामी ने भी बताया कि उन्होंने फर्म मालिक को कभी नहीं देखा है। किरायानामा मालिक के पति के माध्यम से बनवाया गया था। जांच में फर्म बोगस पाई गई। इस पर फर्म मालिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। किदवई नगर थाना प्रभारी ने बताया कि फर्म स्वामिनी की जानकारी का प्रयास किया जा रहा है।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

पुस्तकों तक सीमित न हो पढ़ाई

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में व्याख्यान आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व छात्र अंकित श्रीवास्तव ने वर्तमान छात्र-छात्राओं से कहा कि प्रबंधन की पढ़ाई केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती। यह जीवन और कार्यक्षेत्र में बेहतर निर्णय लेने की क्षमता विकसित करती है। उन्होंने कहा कि एक अच्छे प्रबंधक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता 'समय प्रबंधन' है। यदि व्यक्ति अपने समय का सही ढंग से प्रबंधन करना सीख ले, तो वह किसी भी कार्य को प्रभावी ढंग से और समय पर पूर्ण कर सकता है।

स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

कानपुर। सीएसए विवि की ओर से राष्ट्रीय सेवा योजना कंपोजिट विद्यालय कन्या पुराना, कानपुर में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सामुदायिक विकास के प्रति जागरूकता पैदा करना था। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने नशा मुक्ति जागरूकता रैली तथा स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए। विद्यार्थियों ने पुराना कानपुर को साफ-सफाई और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में भी जानकारी दी।

बिल्हौर में औद्योगिक कॉरिडोर बनाने की योजना को किसानों का झटका

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के किनारे 98.33 हेक्टेयर में बनना था गलियारा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- किसान भूमि देने के लिए नहीं हुए तैयार, टूट गया आर्थिक विकास का सपना

46.30 हेक्टेयर भूमि अरौल के 349 किसानों से अधिग्रहीत की जानी थी

48.79 हेक्टेयर भूमि बहरामपुर गांव के 319 किसानों से ली जानी थी

23 किसानों ने ही मुआवजे की रकम पर प्रदान की थी अपनी सहमति

अमृत विचार। उप्र एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की ओर से बिल्हौर में औद्योगिक कॉरिडोर बसाने की योजना अब धरातल पर नहीं उतर सकेगी। यूपीडा के सीईओ को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने पत्र भेजकर बता दिया है कि किसान इस परियोजना के लिए अपनी भूमि देने के लिए किसी भी स्थिति में तैयार नहीं हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अक्तूबर, 2023 में कानपुर समेत सात जिलों में एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं के माध्यम से औद्योगिक कॉरिडोर बनाने की घोषणा की थी। इसी के तहत बिल्हौर तहसील में अरौल व बहरामपुर गांव की 98.33 हेक्टेयर जमीन को यूपीडा में शामिल करने के आदेश हुए थे।

प्रदेश सरकार एक्सप्रेसवे के किनारे कई जिलों में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बना रही है, ताकि लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मुहैया कराया जा सके। इसी क्रम में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किनारे स्थित बिल्हौर का चयन किया गया था। माना जा रहा था कि बिल्हौर औद्योगिक कॉरिडोर को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के साथ गंगा एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा।

इससे यह क्षेत्र वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक्स, और फूड प्रोसेसिंग का प्रमुख हब बन सकता है। यहां 100 से अधिक यूनिट लगाना प्रस्तावित था। इ सी के तहत बीते दो साल से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के किनारे बिल्हौर में अरौल व बहरामपुर गांव की 98.33 हेक्टेयर भूमि पर औद्योगिक कॉरिडोर बसाने के प्रयास चल रहे थे। इस जमीन को अधिग्रहीत कर यूपीडा में शामिल किया जाना था। इसके लिए अरौल के 349 किसानों की 46.30 हेक्टेयर और बहरामपुर गांव के 319 किसानों की 48.79 हेक्टेयर जमीन चिह्नित की गई थी। जिन किसानों की जमीन ली जानी थी, उन्हें 2015 के सर्किल रेट के आधार पर चार गुना मुआवजा दिया जाना था। लेकिन किसान इस पर राजी नहीं थे। ऐसे में उन्हें समझाने-बुझाने के लिए चौपाल लगाई गई। इसमें एसडीएम और एडीएम भूमि और अन्य अधिकारी पहुंचे, किसान नहीं माने। नवंबर 2024 में तत्कालीन जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह खुद किसानों से मिलने के लिए गांव पहुंचे। इसके बाद एसडीएम ने एक-एक किसान को कार्यालय को बुलाकर उनकी जमीन के मुआवजे की जानकारी दी, लेकिन मुआवजे की रकम पर सिर्फ 23 किसानों ने ही सहमति प्रदान की। इस बारे में विभागीय अधिकारियों ने बताया कि दोनों गांवों में किसानों के पास ज्यादा जमीन नहीं है, जो जमनी है, वह टुकड़ों-टुकड़ों में है।

इसलिए किसान सर्किल रेट के चार गुना से ज्यादा मुआवजे की मांग कर रहे थे। किसानों को 2015 सर्किल रेट के आधार पर मुआवजा देने का प्रस्ताव शासन भेजा गया था। लेकिन सिर्फ 23 किसान राजी हुए, अन्य किसानों ने कम धनराशि मिलने के कारण जमीन देने से मना कर दिया।

फ्रेग्रेन्स कारोबारी के ठिकानों पर आयकर का सर्वे

कानपुर। शहर के फ्रेग्रेन्स कारोबारियों के यहां पर गुरुवार को आयकर विभाग ने कारवाई की। सर्वे के दौरान आयकर अधिकारियों द्वारा 6 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई। बड़े पैमाने पर निवेश सम्पत्तियों के कागज बरामद होने की सूचना है।

सूत्रों के अनुसार एसके कुमार फर्म के 6 प्रतिष्ठानों पर आयकर अधिकारी ने सर्वे शुरू किया। एक्सप्रेस रोड स्थित मुख्य कार्यालय, कैनाल रोड, हरवंश मोहाल में पुराने मकान में बने गोदाम के अलावा स्वरूप नगर समेत 6 जगह आयकर विभाग ने सर्वे किया। अधिकारी ने देर रात तक कागजातों को खंगालते रहे। फ्रेग्रेन्स कारोबारी पान मसाला उद्यमियों से जुड़ा है।

कारोबारी पर व्यापक स्तर पर टैक्स गड़बड़ियों की आशंका जताई जा रही है। अधिक मुनाफा होने के बावजूद कम टैक्स देने के अलावा खरीद-फरोख्त में भी वित्तीय व्यापक स्तर पर गड़बड़ियां सामने आने की आशंका है। सूत्रों ने बताया कि सर्वे में कागजी दस्तावेज के अलावा कम्प्यूटर, लैपटॉप समेत तमाम इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस कब्जे में लिये गये हैं।

सूर्य घर योजना में शहर को प्रदेश में दूसरा स्थान मिला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अब तक जिले में 25,335 सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं

अमृत विचार। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत कानपुर नगर में सोलर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना तेजी से बढ़ रही है। जिले ने फरवरी माह की रैंकिंग में प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। अब तक जिले में 25,335 सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जिनसे करीब 76 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता विकसित हो चुकी है।

नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में 3,859, वर्ष 2025 में 16,113 और वर्ष 2026 में 11 मार्च तक 5,363 सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाए जा चुके हैं। सोलर संयंत्रों की स्थापना से जिले में सौर ऊर्जा को बढ़ावा मिलने के साथ ही लोगों को सस्ती और स्वच्छ बिजली उपलब्ध हो रही है। योजना के तहत जिले में करीब 250 वेण्डर कार्यरत हैं, जिनके माध्यम से लगभग 1,500 लोगों को रोजगार भी मिला है। सोलर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना से अब तक लगभग 380 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। वहीं लाभार्थियों के खातों में डीबीटी के माध्यम से 230 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी भी वितरित की जा चुकी है। योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन नियमित रूप से समीक्षा कर रही हैं। केस्को, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम, बैंकर्स और वेण्डर्स के बीच समन्वय स्थापित कर कार्यों को गति दी जा रही है। सीडीओ ने सोलर रूफटॉप वेण्डर्स को निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर समय सीमा में किया जाए। साथ ही वर्तमान स्थापना की गति को तीन गुना तक बढ़ाकर अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ने पर जोर दिया गया है। सीडीओ ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना आम लोगों को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। जिले में सभी विभागों और एजेंसियों के समन्वय से इस योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है और अधिक से अधिक घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

खुले नालों से लगातार हो रहे हादसे, जिम्मेदार बेखबर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

सड़क किनारे खुला नाला। अमृत विचार

हादसों को दावत देता खुला नाला। अमृत विचार

अमृत विचार। शहर में खुले नालों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी मानो आंखें मूंदे बैठे हैं। बीते मंगलवार को गुजैनी क्षेत्र में एक युवक की खुले नाले में गिरने से मौत हो गई। यह घटना शहर में खुले नालों से होने वाली मौतों की लंबी सूची में एक और नाम जोड़ गई है। इसके बावजूद नगर निगम शहर के कई इलाकों में खुले नालों को ढकने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

शहर के अलग-अलग हिस्सों में खुले नाले लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। नमक फैक्ट्री चौराहे के पास सड़क किनारे एक बड़ा नाला लंबे समय से खुला पड़ा हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस नाले में आए दिन लोग व मवेसी गिरते रहते हैं और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। कई बार शिकायत के बावजूद अब तक इसे ढकने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। इसी सड़क पर आगे बढ़ने पर शनेश्वर मंदिर चौराहे के पास भी स्थिति कुछ अलग नहीं है। यहां भी नाला खुला पड़ा हुआ है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को लगातार खतरा बना रहता है। कुछ दिन पहले इसी स्थान पर एक कार नाले में जा घुसी थी, जिससे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि क्षेत्र में खुले नालों के कारण पहले भी कई लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद नगर निगम की ओर से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इन नालों को ढकने और सुरक्षा व्यवस्था करने के ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में और बड़े हादसे हो सकते हैं।

नमक फैक्ट्री चौराहे पर यह नाला दो माह से खुला पड़ा है। हम लोगों ने कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। रात के समय यहां से गुजरना और भी खतरनाक हो जाता है।

– अवधेश यादव, दुकानदार

शहर में नालों में गिरने से हो रही मौतों के बाद भी अगर नगर निगम नहीं जागा तो यह बेहद दुखद है। जब तक इन नालों को ढका नहीं जाएगा, तब तक ऐसे हादसे रुकने वाले नहीं हैं।

– मुन्ना राय, दुकानदार

अक्सर लोग और बाइक सवार संतुलन बिगड़ने पर नाले में गिर जाते हैं। कई बार छोटे-मोटे हादसे हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा।

– सतेंद्र सिंह, रावतपुर गांव

बारिश के समय नाला दिखाई भी नहीं देता। ऐसे में बच्चों और बुजुर्गों के लिए यहां से निकलना बहुत मुश्किल हो जाता है।

– सुनीता राय नमक फैक्ट्री

गंगा में गिर रहे 14 नालों को बंद करने के लिए बनने लगी ड्राइंग-डिजाइन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गंगा और पांडु नदी में गिरने वाले सभी नालों की गंदगी भेजी जाएगी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में
- रानीघाट, गोलाघाट, सत्तीचौरा, डबका, मदारपुर और किशनपुर नाले अभी गिरते है गंगा में
- दो आंशिक टैप्ड परमिया व गुप्तार घाट नाला ओवरफ्लो होने से गंगा में मिलता है सीवेज

अमृत विचार। अविरल और निर्मल गंगा के लिए गंगा और पांडु नदी में गिरने वाले 14 नालों को मोड़ने का काम जमीन पर उतर गया है। इसके लिए दिल्ली की कंपनी टेक्नोक्राफ्ट सभी नालों का निरीक्षण करने के बाद ड्राइंग और डिजाइन को अंतिम रूप देने में जुटी है। इन नालों पर टैपिंग करके उनका प्रवाह सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की तरफ मोड़ा जाना है। आईआईटी को इस काम में तकनीकी विशेषज्ञता देनी है। ऐसे में कंपनी अपनी पूरी कार्ययोजना आईआईटी के समक्ष अंतिम स्वीकृति के लिए प्रस्तुत करेगी। इसके बाद जमीन पर लाइन डालने का काम शुरू कर दिया जाएगा। कंपनी को अगले वर्ष जुलाई तक काम पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है।

शहर में कुल 33 नाले हैं। इनमें 6 नाले बिठूर में स्थित हैं। नगर के 27 नालों में से 18 नाले गंगा नदी और 9 नाले पांडु नदी में गिरते हैं। गंगा के 18 नालों में 11 नाले टैप्ड, 6 अनटैप्ड हैं। एक बरसाती नाला है। इसी तरह पांडु नदी के 9 नालों में 4 नाले टैप्ड, 3 अनटैप्ड तथा 2 नाले आंशिक रूप से टैप्ड हैं।

अभी रानीघाट नाला, गोलाघाट, सत्तीचौरा, डबका, मदारपुर व किशनपुर नाले अनटैप्ड होने से उनकी सारी गंदगी गंगा में गिरती है। इसके अलावा दो आंशिक टैप्ड परमिया व गुप्तार घाट नाले से भी सीवेज ओवरफ्लो होकर गंगा में मिलता है। पांडु नदी में पिपौरी, अर्रा, सागरपुरी नाले जहां सीधे गिर रहे हैं, वहीं आंशिक टैप्ड 3 नाले हलवाखाड़ा, पनकी थर्मल व गंदा नाला से ओवरफ्लो होकर गंदगी नदी में पहुंचती है।

रोज पांच करोड़ लीटर गंदगी गंगा और पांडु नदी में है जाती

- गंगा में गिर रहे 11 नालों और पांडु नदी में गिर रहे तीन नालों के माध्यम से रोज करीब औसतन पांच करोड़ लीटर गंदा पानी जाता है। जल निगम (ग्रामीण) ने इन नालों को टैप करने की योजना बनाई थी। नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (एनएमसीजी) ने पिछले साल इस परियोजना को स्वीकृति देकर 138.11 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। परियोजना में इन नालों का सीवेज मोड़कर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों में ले जाना है। जल निगम (ग्रामीण) के परियोजना प्रबंधक मोहित चक के अनुसार टेक्नोक्राफ्ट कंपनी को कार्य पूरा करने के लिए डेढ़ साल का समय दिया गया है। शहर के 14 प्रमुख नालों के टैप होने से गंगा नदी को स्वच्छ बनाने के राष्ट्रीय अभियान नमामि गंगे को मजबूती मिलेगी और जल प्रदूषण कम होगा।

समाचार पत्र विक्रेता संघ का होली मिलन समारोह 15 मार्च को

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। समाचार पत्र विक्रेता संघ कानपुर द्वारा 15 मार्च को शाम को चार बजे बर्रा स्थित राज हॉस्पिटल के बगल में शिवम गेस्ट हाउस में 40वां होली मिलन समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी समाचार पत्र वितरकों और उनके परिवारों के लिए होली मिलन समारोह आयोजित किया जा रहा है, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आपसी मेल-मिलाप का माहौल रहेगा। इस दौरान संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने सभी सदस्यों, इष्ट मित्रों और उनके परिवारों से समय से पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। प्रदेश महामंत्री हरिनारायण दीक्षित ने बताया कि समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। कार्यक्रम का संचालन संजय सविता करेंगे। समारोह में मदन पाल सिंह, अनिल तिवारी (पहलवान), पं. सोमदत्त अग्निहोत्री, विजय यादव, विकास कुमार, मुन्ना यादव, मोहन, अक्षय कुमार, श्याम अवस्थी, विपिन अवस्थी, श्याम राठौर, सुंदर निषाद, धन्जंय द्विवेदी, नरेंद्र सिंह, रमेश यादव व वैभव दीक्षित आदि रहेंगे।

मोटर खराब, कालोनी में पानी का संकट

कानपुर। विद्युत कॉलोनी गोविंद नगर में पिछले दो दिनों से मोटर द्वारा पेयजल की आपूर्ति नहीं हो रही है। विभागीय लापरवाही से दोनों मोटर खराब हैं। एक मोटर की विगत 2 वर्ष पहले नई बोरिंग हुई थी वह भी लापरवाही और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। परिसर के लोगों को तीन-तीन खंड तक पानी चढ़ा कर ले जाना पड़ रहा है। क्षेत्रीय लोगों में बहुत आक्रोश है। आक्रोश को देखते हुए वैकल्पिक पानी की व्यवस्था की गई है। टैंकर लगाए गए हैं लेकिन समस्या दूर नहीं हो रही।

दो हजार स्क्वायर मीटर क्षेत्र में बनेगा ट्रेनिंग सेंटर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ट्रेनिंग सेंटर में युवाओं को भवन संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा

अमृत विचार। युवाओं को नौकरी के लिए प्रशिक्षण हासिल करने के लिए अब भटकना नहीं होगा। इसके लिए शहर में ही एक प्रशिक्षण केंद्र बनेगा। इस प्रशिक्षण केंद्र में युवा भवन संबंधी अनुभव हासिल कर सकेंगे। इस प्रशिक्षण केंद्र के लिए प्रस्ताव भी भेज दिया गया है। लगभग दो हजार स्क्वायर मीटर में प्रशिक्षण केंद्र सेवायोजन विभाग कार्यालय के भवन के पीछे बनाया जाएगा।

विदेश में निर्माण क्षेत्र के लिए काम करने वाले युवाओं की भारी मांग है। इनमें इजराइल और दुबई सहित अन्य देशों में युवा सबसे अधिक इस क्षेत्र में नौकरी के लिए प्रयास करते हैं। निर्माण क्षेत्र में नौकरी के प्रशिक्षण के लिए अब शहर में ही एक प्रशिक्षण केंद्र बन रहा है। इस प्रशिक्षण केंद्र में युवाओं को विदेशी निर्माण संबंधी प्रशिक्षण युवाओं को दिया जाएगा। केंद्र के लिए दिल्ली से आई टीम की ओर से पूर्व में स्थान का निरीक्षण किया जा चुका है। इसके बाद शहर से इसे लेकर प्रस्ताव भी भेजा जा चुका हैं। निदेशालय की ओर से सहमति मिलने के बाद से एनएसडीसी (राष्ट्रीय कौशल विकास निगम) अपनी प्रक्रिया शुरू कर देगा। सहायक निदेशक सेवायोजन उज्जवल कुमार सिंह ने बताया कि भवन के निर्माण के लिए प्रक्रिया तेज हो गई है। जल्द ही युवाओं के सहयोग के लिए शहर में ही प्रशिक्षण की सुविधा शुरू हो जाएगी।

विदेशी पैमाने पर नाकाम : विदेशों में भवन निर्माण संबंधी कामगार मांग को शहर के युवा पूरा करने में नाकाम रहे थे। इसकी वजह वहां विदेशों में भवन निर्माण के दौरान उपयोग होने वाली सामग्री के पैमाने संबंधी बदलाव है। इजराइल की ओर से आए विशेषज्ञों ने इसी वजह से लगभग 4 हजार युवाओं को नौकरी के पैरामीटर से बाहर कर दिया था। इसकी सबसे बड़ी वजह को विशेषज्ञ इस क्षेत्र में गुरु शिष्य परंपरा को मान रहे हैं। उनका कहना है कि इस प्रशिक्षण केंद्र के शुरू होने के बाद युवाओं को विश्वस्तरीय पैमाने पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे उनके विदेश जाने वाले रास्तों में आने वाली प्रशिक्षण संबंधी बाधाएं दूर हो सकेंगी।

शिक्षा | प्रशासन की कड़ी निगरानी में नकलविहीन परीक्षा संपन्न कराई गई

बोर्ड परीक्षा खत्म, 18 से कॉपियों की जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

परीक्षा खत्म होने पर बच्चे चहक उठे। अमृत विचार

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं गुरुवार को जिले में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गईं। इस वर्ष कानपुर नगर में करीब 90 हजार से अधिक परीक्षार्थियों ने 124 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा दी। पूरे परीक्षा अवधि के दौरान प्रशासन की कड़ी निगरानी में नकलविहीन परीक्षा कराई गई। अब 18 मार्च से निर्धारित केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य शुरू किया जाएगा।

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के अनुसार इस वर्ष हाईस्कूल में 46,159 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे, जबकि इंटरमीडिएट में 45,103 परीक्षार्थियों ने पंजीकरण कराया था। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई और सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों तथा सचल दलों की निगरानी में परीक्षा कराई गई।

गुरुवार को परीक्षा के अंतिम दिन हाईस्कूल की कृषि विषय की परीक्षा आयोजित हुई, जिसमें 125 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। वहीं इंटरमीडिएट की कंप्यूटर विषय की परीक्षा में 1,282 छात्र-छात्राएं पंजीकृत रहे। इधर, इंटरमीडिएट की संस्कृत विषय की परीक्षा भी हुई, जिसमें 533 परीक्षार्थियों ने पंजीकरण कराया था।

परीक्षा के अंतिम दिन भी सभी केंद्रों पर व्यवस्थाएं सुचारु रहीं और कहीं से किसी प्रकार की अव्यवस्था या नकल की सूचना नहीं मिली। प्रशासनिक अधिकारियों और सचल दलों ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा की स्थिति का जायजा लिया। जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार राय ने बताया कि पूरे परीक्षा सत्र के दौरान परीक्षा शांतिपूर्ण और नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराई गई।

एल&टी फाइनान्स लिमिटेड
(पहले एल&टी फाइनान्स होल्डिंग्स लिमिटेड के रूप में ज्ञात)
पंजीकृत कार्यालय: एल&टी फाइनान्स लिमिटेड, बृंदावन बिल्डिंग, प्लॉट नं. 177, कलीना, सीएसटी रोड, मर्सडीज़ शोरूम के पास, सांताक्रुज़ (पूर्व), मुंबई 400 098
सीआईएन नं.: L67120MH2008PLC181833
शाखा कार्यालय: उत्तर प्रदेश

L&T Finance

सोना नीलामी की सूचना

एतद्द्वारा सभी संबंधितों की जानकारी हेतु सूचित किया जाता है कि कंपनी की निम्नलिखित शाखाओं में संबंधित कर्ज संख्याओं के अंतर्गत गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों, जिनका मोचन कराया जाना बकाया था और जिन्हें कंपनी द्वारा बार-बार सूचना देने के बावजूद संबंधित ग्राहकों द्वारा अब तक नहीं चुकाया गया है, उनकी नीलामी कंपनी के संबंधित शाखा कार्यालयों में **सोमवार 23 मार्च 2026** को निम्नलिखित विवरणों के अनुसार की जाएगी:-

1. सहारनपुर शाखा – एल&टी फाइनान्स लिमिटेड, 2ए 1095, भीम राव अंबेडकर मार्ग, क्लॉक टॉवर के पास, मुख्य चौक, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश. पिन कोड – 247001. फ़ोन – 9875942895 कर्ज संख्या – 163210000006732 (समय सुबह 11:00 बजे).

कृपया ध्यान दें कि यदि किसी कारणवश नीलामी उपरोक्त दिनांक पर पूरी नहीं हो पाती है, तो यह बिना किसी पूर्व सूचना के **30 मार्च 2026** को उसी स्थान और समय पर आयोजित की जाएगी.

ध्यान दें: संबंधित ग्राहक नीलामी के दिनांक से पहले आभूषणों को मुक्त करवा सकते हैं.

ध्यान दें: एल&टी फाइनान्स प्रायवेट लिमिटेड के पास अपने विवेकाधीन, किसी भी कर्ज खाते के अंतर्गत किसी भी आभूषण को बिना किसी पूर्व सूचना के नीलामी सूची से हटाने का अधिकार है.

ध्यान दें: बोलीकर्ताओं से निवेदन है कि वे पहचान पत्र, पैन कार्ड और पंजीकृत डीलरों के मामले में टिन नंबर प्रस्तुत करें. सफल बोलीकर्ता से पूरी नीलामी की राशि तुरंत आरटीजीएस/किसी अन्य अनुमत माध्यम से कंपनी को हस्तांतरित करने का निवेदन किया जाता है.

हस्ता./-
प्राधिकृत अधिकारी
एल&टी फाइनान्स लिमिटेड के लिए

उपरोक्त सूचना के बारे में किसी भी स्पष्टीकरण के लिए, कृपया 1800 268 0000 पर या संबंधित शाखा से संपर्क करें.

दिनांक: 13.03.2026
स्थान: उत्तर प्रदेश

सिटी ब्रीफ

ग्रामसभा की जमीन से अतिक्रमण हटाने को चला बुलडोजर

कानपुर। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं एसडीएम सदर अनुभव सिंह के निर्देश पर गुरुवार को ग्राम ईश्वरीगंज में प्रशासन ने ग्रामसभा की जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। राजस्व विभाग की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से अवैध रूप से बनाई गई सीमेंटेड बाउंड्रीवाल को ध्वस्त कर करीब 0 .28 हेक्टेयर भूमि को कब्जा मुक्त कराया। प्रशासन को शिकायत मिली थी कि गाटा संख्या 138 की ग्रामसभा भूमि पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर पक्की बाउंड्रीवाल खड़ी कर ली है और करीब दो बीघा जमीन को घेर लिया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम सदर ने राजस्व टीम को जांच के निर्देश दिए थे। जांच में शिकायत सही पाए जाने के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान राजस्व कर्मियों और पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी से अवैध निर्माण को गिरा दिया गया।

दादानगर पुल पर अंधेरा कायम

दादानगर समानांतर पुल के अनौपचारिक उद्घाटन को चार-पांच महीने बीत चुके हैं लेकिन आज तक पुल पर लाइटें नहीं लग सकी हैं। इस कारण रात में पुल पर चलने वाले वाहन सवारों को दिक्कत का सामना करने पड़ता है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

युवाओं को दी गई स्वदेशी डाटा तैयार करने की सीख

सीएसजेएमयू में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने दिया सुझाव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज एंड बायोटेक्नोलॉजी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांसेज इन लाइफ साइंसेज' के पहले दिन विशेषज्ञों ने युवाओं को स्वदेशी डेटा को बेहतर करने व जुटाने पर जोर दिया। कहा कि इससे एआई और शोध में बेहतरी हो सकेगी। दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन कीनोट लेक्चर यूएसए की मिसौरी यूनिवर्सिटी के डॉ. मिन सू ने दिया।

सम्मेलन में सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि हाल के वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग और बिग डेटा एनालिटिक्स के समावेशन से बायोसाइंस के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। इन तकनीकों ने जीनोमिक्स, ड्रग डिस्कवरी, प्रिसिजन मेडिसिन, बायोइन्फॉर्मेटिक्स, माइक्रोबियल इकोलॉजी और पर्यावरण निगरानी जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। प्रो-कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने प्रतिभागियों को भारतीय संदर्भ में डेटा विज्ञान के लिए स्वदेशी डेटा तैयार करने के लिए प्रेरित किया, जिससे भारतीय समुदाय की आवश्यकताओं के अनुरूप उत्कृष्ट अनुसंधान संभव हो सके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.अजीत कुमार शासनी, निदेशक, सीएसआईआर राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ ने पौधों में पाए जाने वाले बायोएक्टिव यौगिकों की भूमिका, पौधों की प्रतिरक्षा प्रणाली में उनकी महत्ता तथा मानव स्वास्थ्य के लिए जैविक खाद्य पदार्थों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि अनुसंधान की दिशा केवल हरित क्रांति से आगे बढ़कर स्वस्थ एवं पोषक फसलों के उत्पादन की ओर केंद्रित की जाए। सम्मेलन में पहला कीनोट लेक्चर यूएसए की मिसौरी यूनिवर्सिटी के डॉ. मिन सू ने दिया। लेक्चर में एडवांस्ड क्रायो-इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी टेक्नीक और स्ट्रक्चरल बायोलॉजी में उनके एप्लीकेशन के बारे में जानकारी दी गई। वक्ताओं में डॉ. विक्टर विट्वित्स्की (रूसी विज्ञान अकादमी, मॉस्को) ने कोशिकाओं में ग्लाइकोलिसिस की दर के नियमन में एडेनाइलेट किनेज की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके बाद डॉ. अनिल कुमार पशुपुलती (हैदराबाद विश्वविद्यालय) ने ग्लोमेरुलर पोडोसाइट्स में माइटोटिक कैटास्ट्रोफी तथा इसके किडनी रोगों से संबंध पर चर्चा की और मोटापा व मधुमेह के प्रभावों को रेखांकित किया। डॉ. ओम प्रकाश (सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी) ने जलवायु परिवर्तन के दौर में एनारोबिक सूक्ष्मजीवों और एनारोबिक प्रक्रियाओं की स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास में भूमिका पर चर्चा की गई। डॉ. प्रियंका चंद्रा (आईसीएआर-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल) ने मृदा गुणों तथा उनके फसल उत्पादकता पर प्रभाव पर व्याख्यान दिया।

सम्मेलन में 12 मौखिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं, जिनमें संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों ने अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए। 40 शोध पोस्टरों के साथ पोस्टर सत्र का आयोजन किया गया, जिसका समन्वय डॉ. प्रमोद कुमार यादव ने किया। सम्मेलन में डॉ. गौरव, डॉ. दीपेश वर्मा, डॉ. अखिलेंद्र, डॉ. चंद्रेश, डॉ. अन्निका सिंह, डॉ. स्वास्ति श्रीवास्तव, डॉ. मनीषी, डॉ. मधुलिका, डॉ. विशाल तथा डॉ. शाश्वत सहित अनेक संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मन मोह लिया। अमृत विचार

बाल रूप में भगवान आदिनाथ के दर्शन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

बाल रूप में भगवान आदिनाथ। अमृत विचार

अमृत विचार। जिन आगम प्रभावना क्रिएशन की ओर से गुरुवार को धार्मिक महोत्सव का आयोजन हुआ। सिविल लाइंस स्थित रागेन्द्र स्वरूप प्रेक्षागृह में हुए आयोजन में पहली बार भक्तों को प्रभु आदिनाथ के बाल स्वरूप के दर्शन हुए। आदिनाथ भगवान के जन्म महोत्सव के दौरान हुए संगीत कार्यक्रम से माहौल में भव्यता आ गई।

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान के जन्म महोत्सव पर पहली बार शहर में बाल रूप में नवनिर्मित बालक आदिनाथ प्रभु की प्रतिमा ममता देवी एवं राजीव जैन अपनी गोद में लेकर समारोह स्थल तक पहुंचे। साथ में सौधर्म इन्द्र इन्द्राणी के रूप में नीलम गंगवाल एवं पवन जैन शोभायात्रा के साथ शामिल रहे। पंडित मुकेश शास्त्री प्रतिष्ठाचार्य गुरुग्राम के निर्देशन में संगीत कार केशब देव (भोपाल) के गायन वादन सौधर्म इन्द्र पवन गंगवाल व 12 इन्द्रो के साथ पाण्डुक शिला पर क्षीर सागर के प्रासुक जल से बालक आदिनाथ के प्रक्षालन्वहन किया। इस दौरान पिता नाभिराय एवं माता मरुदेवी की भूमिका में मिहिर जैन व रितिका जैन रहे। उधर संजय जैन व पुष्पा जैन द्वारा आभूषण, अल्पना जैन, हिना सुधार जैन द्वारा स्वर्ण तिलक, दिनेश लता जैन द्वारा काजल, उपटन लगवाई गई।

रुकमणि-श्रीकृष्ण विवाह में भक्तों ने की न्यौछावर

कानपुर। कौशलपुरी स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर श्री सनातन धर्म सभा कौशलपुरी द्वारा अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। जिसमें श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कथाव्यास विश्व चैतन्य महाराज द्वारा कराया जा रहा है। गुरुवार को कथाव्यास ने कंस वध और रुकमणि विवाह की कथा का रसपान कराया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने कंस के अत्याचार से अपने भक्तों को मुक्त कराया और अपनी माता पिता को कारागार से मुक्ति दिलाई। साथ ही अपने नाना को राजगद्दी पर बैठाया। रुकमणि विवाह का संगीतमय वर्णन करते हुए भक्त भावविभोर हो गये। भक्तों ने भगवान का न्यौछावर कर उनका आशीर्वाद लिया। इस मौके पर ध्रुव कुमार रूइया, कुंज बिहारी, सुभाष जी मक्कड़, विनय अजमान, अशोक अजमानी, सुनील टंडन, प्रमोद सुराना, अजय कपूर आदि लोग मौजूद थे। अमृत विचार

पिंडलियों के दर्द को न करें नजरअंदाज, हो सकता किडनी रोग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

दीप प्रज्जवलन कर जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत करते डॉक्टर्स। अमृत विचार

अमृत विचार। अगर आपके भी पिंडलियों में लगातार दर्द या ऐंठन बनी रहती है और आप इसे थकान समझकर नजरअंदाज कर देते हैं तो चेत जाएं। यह केवल मांसपेशियों में खिंचाव का दर्द नहीं, बल्कि किडनी की बीमारी का शुरुआती संकेत भी हो सकता है। ऐसी समस्या शहर के एक 26 वर्षीय युवक को हो चुकी है, जिसकी दोनों किडनी में दिक्कत सामने आई। परिजन वरिष्ठ नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ.सामिर गोविल से परामर्श लेने के बाद बेटे को ट्रांसप्लांट के लिए गुजरात ले गए।

जीएसवीएसएस पीजीआई में गुरुवार को विश्व किडनी दिवस पर यूरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी विभाग ने जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ.युवराज गुलाटी ने बताया कि इस वर्ष की थीम सभी के लिए गुर्दे का स्वास्थ्य- लोगों की देखभाल है, जिसका उद्देश्य न केवल लोगों में किडनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार और टिकाऊ बनाना भी है। स्वस्थ व ताजे फल, सब्जियां, साबुत अनाज के सेवन, सोडियम (नमक), पोटेशियम व फास्फोरस का सेवन नियंत्रित मात्रा में करने और सिगरेट व शराब आदि नशीली चीजों से दूरी बनाकर किडनी को स्वस्थ रखा जा सकता है। मेडिकल कॉलेज की उप प्राचार्य प्रो.रिचा गिरी ने बताया कि लंबे समय तक दर्द निवारक दवाओं का सेवन करने से भी किडनी को नुकसान हो सकता है। पीजीआई के नोडल अधिकारी डॉ.मनीष सिंह ने बताया कि गर्मी के मौसम में पानी कम पीने से किडनी को अधिक मेहनत करनी पड़ती है।

पांच हजार से ज्यादा दवा लेना होता हानिकारिक

- वरिष्ठ नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ.समीर गोविल ने बताया कि एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में पांच हजार से अधिक दवाओं का सेवन नहीं करना चाहिए। पांच हजार दवाओं के सेवन से किडनी पर काफी बुरा असर पड़ता है। शोध में जानकारी हुई है कि गैस की दवा भी लगातार लेने से किडनी पर काफी प्रभाव पड़ता है। वहीं, किडनी की वजह से अचानक हार्ट अटैक की समस्या भी हो सकती है। किडनी खराब होने से शरीर में एक्स्ट्रा पानी और अपशिष्ट जमा होने से पोटैशियम बढ़ने लगता है और जिसकी वजह से हृदय पर दबाव बढ़ने लगता है, जिससे हार्ट फेलियर या सडन कार्डियक अरेस्ट भी हो सकता है। ऐसे में किडनी का बचाव जरूरी है।

ऐसे रखें किडनी को स्वस्थ

- प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं
- नमक का सेवन सीमित रखें
- ब्लड प्रेशर और डायबिटीज को नियंत्रित रखें
- बिना डॉक्टर की सलाह के दर्द की दवाओं का अधिक प्रयोग न करें।
- नियमित व्यायाम और संतुलित आहार अपनाएं।
- धूम्रपान और तंबाकू के सेवन से परहेज।
- घर में किडनी का इतिहास है तो खुद की भी जांच कराएं।

अटल जी ने देश की राजनीति को नए आयाम दिये

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

पत्रिका का विमोचन किया गया। अमृत विचार

अमृत विचार। पीपीएन पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई। ''भारत बोध के आईने में अटल बिहारी वाजपेयी' विषय पर हुई संगोष्ठी का उद्घाटन छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय पाठक ने किया। संगोष्ठी में विद्वानों ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान प्रो. अनूप कुमार सिंह (प्राचार्य, पं. पृथी नाथ पीजी कॉलेज) ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने अपनी सांस्कृतिक व आध्यात्मिक समझ से देश की राजनीति को नए आयाम दिये। इस अवसर पर प्रबंध समिति की सदस्या अनुराधा स्वरूप भी उपस्थित रहीं। प्रो. राकेश मिश्र (पूर्व अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय) ने कहा कि यह आवश्यक है कि नई पीढ़ी अटल विहारी बाजपेयी के भारतीय संस्कृति और साहित्य योगदान से परिचित हो। विशिष्ट वक्ता प्रो. हिमांशु सेन (हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय) ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी एक युगदृष्टा कवि थे। अकादमिक सत्र ''''अटल जी के बहुआयामी व्यक्तित्व पर केंद्रित रहा। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि ब्रह्मानन्द कॉलेज के प्राचार्य प्रो विवेक द्विवेदी रहे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर ब्रह्मावर्त कॉलेज के प्राचार्य प्रो वीके कटियार, मांपुर पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो मुकेश कुमार सिंह एवं केके कॉलेज के प्राचार्य प्रो महेंद्र सिंह उपस्थित रहे। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि अटल जी का भारत बोध समावेशी और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रतीक है।

युवाओं को बताया गया नवाचार का महत्व

कानपुर। एचबीटीयू में केम-टेक्नोवा की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि मंत्री राकेश सचान ने छात्रों को तकनीकी नवाचार के महत्व को बताया। एक पुस्तक का विमोचन किया गया। समारोह में यूपीसीडा से दिनेश सचान, लोहिया पैकेजिंग सॉल्यूशंस से रंजन सामंतराय, प्रोफेसर दिप्तीक परमार (प्रो-वाइस चांसलर, एचबीटीयू) और डॉ. पीकेएस यादव (स्कूल ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी के डीन) शामिल को सम्मानित किया गया। आईआईटी गुवाहाटी के डीन (अनुसंधान एवं विकास) और उत्तर पूर्वी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्लस्टर के निदेशक विमल कटियार ने व्याख्यान दिया। उन्होंने औद्योगिक और चिकित्सा क्षेत्रों में सतत पॉलिमर प्रौद्योगिकियों के बढ़ते महत्व पर जोर दिया।

नौकरी छोड़कर पकड़ी निर्यात की राह, बने सफल उद्यमी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

संबोधित करते कैबिनेट मंत्री राकेश सचान।

अमृत विचार। भारत सरकार, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, एमएसएमई-विकास कार्यालय, कानपुर की ओर से गुरुवार को प्रदर्शनी आयोजित हुई। कार्यालय परिसर में आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों ने अपने उत्पादों व हुनर का प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनी में शामिल ज्यादातर लाभार्थी ऐसे थे जो पहले नौकरी करते थे। अब वे लोन लेने के बाद अपना काम शुरु कर निर्यात की राह में हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने हुनरमंदों के उत्पादों को भी परखा। इस प्रदर्शनी व ट्रेड फेयर में 25 जिलों के पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस ट्रेड फेयर में सौ से अधिक पीएम विश्वकर्माओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में निदेशक एमएसएमई विकास कार्यालय ने कहा कि विभाग व्यवसाय से संबंधित हर समस्या का समाधान करने के लिए एमएसएमई का यह कार्यालय हर वक्त आपके साथ तैयार खड़ा है, चाहे वह ऋण की समस्या हो या फिर तकनीकी दक्षता की या उत्पाद के प्रदर्शन की हो उन सभी को पूरा किया जायेगा।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विधायक सुरेन्द्र मैथानी ने कारीगरों का उत्साहवर्धन किया और उनके उत्पादों का निरीक्षण भी किया और योजना के अन्तर्गत मिलने वाले विभिन्न लाभों को लेने के लिए प्रेरित किया। विधायक नीलिमा कटियार ने कार्यालय की सराहना की। विस्तार केंद्र सुगंध एवं सुरस विकास केंद्र के सहायक निदेश डा भक्ति विजय शुक्ला ने पीएम विश्वकर्माओं को उद्यम स्थापित कर आत्मनिर्भर बनने के बारे में बताया। सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने विश्कर्माओं को व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन अविनाश कुमार अपूर्व, सहायक निदेशक ने किया।

कारीगर के बाद बने मालिक

- प्रदर्शनी में अपना स्टॉल लगाए कमल कुमार आर्य ने बताया कि वे चमड़े के कारीगर हैं। पहले वे एक कंपनी में कारीगर के रूप में काम करते थे। लोन लेने के बाद वे अब अपना खुद के चमड़े के उत्पाद बनाते हैं। नौबस्ता निवासी कमल ने बताया कि वे ऑनलाइन कारोबार से जुड़े चुके हैं। उनके साथ तीन से चार कारीगर और हैं जो उनके बताए डिजाइन पर उत्पाद बनाते हैं। अब वे निर्यात की ओर से रुख कर रहे हैं।

उत्पाद दिखाते कमल कुमार।

धुल सकते हैं माटी के कप

- प्रदर्शनी में बिठूर से आए विपिन कुमार प्रजापति अपने उत्पादों को लेकर चर्चा में रहे। उन्होने माटी के ऐसे कप तैयार किए हैं जिन्हे आप कपों की तरह ही धोकर दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। वे आईआईटी के साथ मिलकर इन उत्पादों को तैयार कर रहे हैं। बताया कि इसके लिए वे आजमगढ़, राजस्थान और खुर्जा तक से मिट्टी लाते हैं। ऑनलाइन कारोबार के साथ ही एक साल के भीतर विदेश व्यापार का लक्ष्य बनाए हुए हैं।

माटी के कप।

शिक्षा | भारतीय महाविद्यालय में होगा आयोजन

17 मार्च से अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ रखेंगे विचार

अमृत विचार। भारतीय महाविद्यालय, फर्रूखाबाद में 17 मार्च से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाना है। जिसमें कला, साहित्य, पत्रकारिता और सिनेमा के क्षेत्र में रुचि रखने वालों की सहभागिता होगी। 'साहित्य, चलचित्र और पत्रकारिता के माध्यम से राष्ट्र की पहचान का पुनरुत्थान' विषय पर इस सेमिनार का आयोजन सीएसजेएमयू के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से हो रहा है।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा अनुदानित उक्त अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में देश-विदेश से कला, साहित्य, पत्रकारिता एवं सिनेमा क्षेत्र के ख्यातिलब्ध विद्वानों के विचारों का शोधपरक व्याख्यान आयोजित किये जाएंगे। भारतीय महाविद्यालय के सभागार में आयोजित दो दिनी इस सेमिनार में साहित्य, पत्रकारिता और सिनेमा से जुड़े विशेषज्ञ, शिक्षाविद, शोधार्थी आदि अपने अपने शोध पत्रों को प्रस्तुत करेंगे। जिनके लिए पंजीकरण शुरू हो चुका है। पंजीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय सदस्यों के साथ-साथ शिक्षण क्षेत्र के जुड़े, संकाय सदस्य, शोधार्थी और छात्रों के लिए फार्म उपलब्ध है, जिसे भारतीय महाविद्यालय, फर्रूखाबाद या सीएसजेएमयू के पत्रकारिता विभाग से संपर्क कर भरा जा सकता है। इसके अलावा ऑनलाइन गूगल फार्म के लिंक के माध्यम से भी सेमिनार में सहभागिता की जा सकती है। आयोजन समिति ने बताया कि सेमिनार में प्रस्तुत शोध-पत्रों का संकलन प्रकाशित किया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी निर्धारित तिथि तक अपना शोध सारांश प्रेषित कर सकते हैं। सीएसजेएमयू के मीडिया प्रभारी डॉ दिवाकर अवस्थी ने कहा कि सेमिनार का मुख्य उद्देश्य समकालीन परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान के पुनर्निर्माण में साहित्य, सिनेमा और मीडिया की भूमिका पर विमर्श करना है।

जेल में तबियत बिगड़ी उर्सला में बंदी की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जूही के मिलिट्री कैंप चौकी क्षेत्र के रत्तूपुरवा में वरुणा ट्रांसपोर्ट के बाहर रखा लाखों का हार्डवेयर उड़ाने में जेल गए दो आरोपितों में से एक ने गुरुवार देर शाम इलाज के दौरान उर्सला में दम तोड़ दिया। जेल में तबियत बिगड़ने के बाद उसे उर्सला में भर्ती कराया गया था। वहीं, परिवार वालों ने पुलिस की पिटाई से मौत होने का आरोप लगाया है।

किदवई नगर निवासी श्याम शुक्ला के रत्तूपुरवा स्थित वरुणा ट्रांसपोर्ट के बाहर से एक मार्च को चोरों ने ई-रिक्शा लगाकर सात गत्ते हार्डवेयर का सामान पार कर दिया था। पुलिस ने जूही टायर मंडी निवासी रंजीत उर्फ लल्ला और गोस्वामी नगर के धर्मेंद्र गोस्वामी को गिरफ्तार करके नौ मार्च को जेल भेज दिया था। इसमें रंजीत की बुधवार देर शाम अचानक तबियत बिगड़ गई थी, जिसे जेल अस्पताल में इलाज के बाद गंभीर हालत में उर्सला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान देर शाम रंजीत ने दम तोड़ दिया। इधर, परिवार वालों को उसकी मौत की जानकारी हुई तो कोहराम मच गया। रंजीत नौ भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। पिता लल्ला का आरोप है कि पुलिस उसे जेल भेजने के एक दिन पहले थाने ले गई थी। आरोप है कि पूछताछ के दौरान उसे बेहरमी से पीटा गया। इससे उसकी मौत हो गई।

न्यूज ब्रीफ

ट्रैक्टर पलटने से मिस्त्री की मौत

हसनगंज उन्नाव, अमृत विचार। तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर नहर में पलट गया। इसमें ट्रैक्टर मिस्त्री की मौत हो गई। हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के नसरतपुर जंगलेमऊ गांव निवासी पप्पू रावत (42) ट्रैक्टर की रिपेयरिंग का काम करता था। गुरुवार को वह कोतवाली क्षेत्र के दयालपुर गांव निवासी भौलीबाज का ट्रैक्टर रिपेयर करने गया था। जहां पर ट्रैक्टर बनाकर उसका ट्रायल ले रहा था। तभी रफ्तार अधिक होने से ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर नहर में पलट गया। उसके नीचे दबकर पप्पू की मौत हो गई। पति की मौत से पत्नी पप्पी व मां गंगादेवी रो-रोकर कर बेहाल हैं। उसके 4 बच्चों में बच्चों बेटे शुभम, शिवम, सत्यम व बेटी शिवांशी हैं। हसनगंज कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटने से युवक की मौत हुई है। शव मोर्चरी भेजा गया है

होली मिलन व प्रतिभा सम्मान समारोह कल

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार। भारतीय रिज़र्व बैंक परिवार शुक्लागंज-उन्नाव की ओर से होली मिलन व प्रतिभा सम्मान समारोह 14 मार्च को दोपहर 2 बजे से पोनी रोड स्थित शशि विला गेस्ट हाउस में होगा। इसमें विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले भारतीय रिज़र्व बैंक परिवार से जुड़े बच्चों को मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इसमें नगर पालिका गंगाघाट की चेयरमैन कौमुदी पाण्डेय मुख्य अतिथि रहेंगी। इसके अलावा कई गणमान्य अतिथि भी शामिल होंगे। इस दौरान परिवार के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे व फूलों की होली भी खेली जाएगी। अतिथियों व उपस्थित लोगों के लिए ठंडाई व जलपान की व्यवस्था की गई है।

पेट्रोल-एलपीजी की कालाबाजारी पर खैर नहीं

पेट्रोलियम उत्पादों की किल्लत अफवाह उड़ाने वालों को डीएम ने दी चेतावनी, बैठक कर दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

बैठक में अफसरों को निर्देशित करते डीएम गौरांग राठी।

अमृत विचार। जिले में पेट्रोल, डीजल व रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही किल्लत की खबरों को डीएम गौरांग राठी ने निराधार व भ्रामक बताया है। विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में डीएम ने स्पष्ट किया कि जिले में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक है और उपभोक्ताओं को घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

डीएम ने एसपी जयप्रकाश सिंह की मौजूदगी में पेट्रोल-डीजल पंप संचालकों, गैस एजेंसी स्वामियों व तेल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा की। इसमें उन्होंने कहा कि जो लोग इस स्थिति का फायदा उठाकर भंडारण या कालाबाजारी करने की कोशिश करेंगे उन पर गंभीर धाराओं में दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाने वालों को भी चिह्नित कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने व कालाबाजारी रोकने के लिए सप्लाई, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की एक संयुक्त टीम बनाई गई है। यह टीम रात से ही सक्रिय हो गई है। डीएम ने कहा कि व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर घरेलू गैस सिलेंडर के अवैध उपयोग की सघन चेकिंग की जाए। गैस सिलेंडर की डिलीवरी केवल पंजीकृत मोबाइल पर प्राप्त वेरिफिकेशन के माध्यम से ही की जाए। भ्रम की स्थिति समाप्त करने के लिए डीएम ने सभी गैस एजेंसियों, गोदामों, डिलीवरी वाहनों व पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिये कि वे अपने परिसर में पर्याप्त उपलब्धता संबंधी फ्लेक्स व बैनर लगवाएं। साथ ही कोटेदारों को भी अपनी दुकानों पर जागरूकता बैनर प्रदर्शित करने को कहा गया है। बैठक में एडीएएम वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड, जिला पूर्ति अधिकारी राजबहादुर आदि अधिकारी मौजूद रहे।

एसडीएम ने देखी गैस एजेंसी में वितरण व स्टाक की स्थिति

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार। क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर मचे शोर के बीच एसडीएम शिवेंद्र कुमार वर्मा ने गुरुवार को जमालनगर गांव स्थित एचपी गैस एजेंसी के कार्यालय व गोदाम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गैस वितरण व्यवस्था व उपलब्ध स्टॉक की जानकारी ली। एजेंसी संचालक ने एसडीएम को बताया कि उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर बुकिंग के बाद मिलने वाले ओटीपी के आधार पर ही दिया जा रहा है। बताया कि एजेंसी में पर्याप्त स्टॉक है और नियमानुसार सिलेंडर बांटे जा रहे हैं। एसडीएम ने गोदाम में मौजूद सिलेंडरों के स्टॉक भी जांचा। उन्होंने बताया कि जांच में किसी प्रकार की समस्या नहीं मिली है। प्रयास है कि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध हो सके। ताकि त्योहारों के दौरान किसी को परेशानी न हो।

राजधानी मार्ग स्थित गैस एजेंसी के बाहर लगी उपभोक्ताओं की भीड़।

गैस की किल्लत की अफवाह से लोग परेशान, लाइनें लगाने को मजबूर

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार। तेल-गैस की किल्लत की अफवाहों के बीच शुक्लागंज की विभिन्न गैस एजेंसियों पर रसोई गैस सिलेंडर लेने के लिए उपभोक्ताओं की भीड़ उमड़ रही है। जिससे अफरा-तफरी की स्थिति है। दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर यह अफवाह फैल रही है कि ईरान व इजरायल के बीच जारी संघर्ष के चलते तेल-गैस के डिपो को नुकसान पहुंच रहा है। जिससे आने वाले दिनों में गैस सिलेंडर की आपूर्ति बाधित हो सकती है। इस भ्रामक खबर के चलते उपभोक्ताओं में गैस संकट की आशंका पैदा हो गई है। सुबह से ही इंडेन गैस एजेंसी, शिव शक्ति गैस एजेंसी व शौर्य गैस एजेंसी के बाहर सिलेंडर पाने के लिए लंबी कतारें लग रही हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि अगर विदेशों से आने वाली गैस पर रोक लगी तो उनके घरों का चूल्हा नहीं जल पाएगा। इसलिए वे स्टॉक करना चाहते हैं।

आधुनिक वाहनों को दिखाई हरी झंडी

संवाददाता, उन्नाव

हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना करतीं पालिकाध्यक्ष। अमृत विचार

अमृत विचार। नगर पालिका परिषद उन्नाव की अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था को आधुनिक व सुदृढ़ बनाने के लिए गुरुवार को लखनऊ बाईपास स्थित मां अन्नपूर्णा मंदिर में पूजन कर नगर पालिका द्वारा खरीदे गए 17 नए आधुनिक वाहनों व मशीनों को हरी झंडी दिखाकर जनता की सेवा में रवाना किया।

इनमें 7 सीएनजी टाटा इंट्रा वाहन कचरा संग्रहण हेतु, 5 ट्रैक्टर, 1 बैकहो लोडर जेसीबी, 1 सीवर जेटिंग मशीन, 1 टीएमएक्स मशीन, 1 पावर बूम, 1 मोबाइल टॉयलेट शामिल है। इन संसाधनों के जुड़ने से अब नाली-नाला सफाई, सीवर प्रबंधन व कचरा निस्तारण का कार्य तकनीकी रूप से और अधिक प्रभावी हो सकेगा। इस दौरान पालिकाध्यक्ष ने बताया कि बरसात के मौसम को देखते हुए शहर में व्यापक नाला सफाई अभियान आज से ही शुरू कर दिया गया है। मशीनों व श्रमिकों के जरिए मुख्य व आंतरिक नालों की सफाई की जाएगी। ताकि जल निकासी सुचारु रहे और नागरिकों को जलभराव की समस्या से निजात मिल सके। इस दौरान ईओ, सफाई इंस्पेक्टर, सफाई कर्मी आदि रहे।

तालाब में उतराता मिला शव, पहचान नहीं

उन्नाव, अमृत विचार। आसीवन थानाक्षेत्र के हैदराबाद कस्बा स्थित तालाब में युवक का शव उतराता मिला। पुलिस ने लोगों की मदद से शव बाहर निकलवाया। लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई। हैदराबाद कस्बा के बाहर गुरुवार सुबह तालाब में लोगों में एक युवक का शव उतराता देखा। सूचना मिलने पर एसओ फोर्स के साथ पहुंचे और शव बाहर निकलवाया। वह कत्थई अंडरवियर व गले में प्लास्टिक की रस्सी व मोतियों की माला पहने है और दाहिने हाथ में टैटू बना है। शव के 4 से 5 दिन पुराना होने के कयास लगाए गए हैं। एसओ प्रदीप सिंह ने बताया कि शव की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

गंगा पुल पर खर्च की मिली अनुमति

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

ट्रांस गंगा सिटी में लगा बोर्ड।

अमृत विचार। ट्रांस गंगा सिटी से कानपुर को जोड़ने वाले प्रस्तावित गंगा पुल के निर्माण पर एक दशक से चल रही प्रक्रिया के बाद अब धन खर्च करने की अनुमति मिल गई है। किसान आंदोलन के प्रदेश संयोजक अजय अनमोल ने इसे किसानों की लंबी लड़ाई की जीत बताया है।

उन्होंने बताया कि वर्ष-2013 में ट्रांस गंगा सिटी परियोजना के समझौते से पहले किसानों ने यह शर्त रखी थी कि जब तक यूपीएसआईडीसी (अब यूपीसीडा) ट्रांस गंगा सिटी के लेआउट प्लान में कानपुर से ट्रांस गंगा सिटी तक केविल पुल के निर्माण को शामिल नहीं करेगा तब तक कोई समझौता नहीं होगा। बाद में विभाग ने पुल को योजना में शामिल किया। इसके बाद जनवरी-2014 में किसानों व विभाग के बीच समझौते पर हस्ताक्षर हुए। अजय अनमोल के अनुसार इस पुल का उद्देश्य कानपुर व उन्नाव के सर्वांगीण विकास को गति देना व आसपास के किसानों की उन्नति सुनिश्चित करना था। हालांकि बीच के वर्षों में विभिन्न सर्वे व प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कारण पुल का निर्माण कार्य लगातार टलता रहा। जिससे इसकी लागत भी बढ़ गई। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक प्रयास व शासन स्तर पर लगातार वार्ता के बाद अब इस परियोजना पर धन खर्च की अनुमति मिल पाई है। यह भी स्पष्ट किया कि पुल का खर्च ट्रांस गंगा सिटी परियोजना लागत में शामिल है। जिसे प्लॉट खरीदने वालों द्वारा वहन किया जाएगा। किसान नेताओं ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि पुल बनने से कानपुर व उन्नाव के विकास को नई गति मिलेगी तथा क्षेत्र के किसानों की जमीनों के दाम और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

पीएम व सीएम को भेजे पोस्टकार्ड

संवाददाता, उन्नाव

परिचय : पोस्टकार्ड भेजते संघ के पदाधिकारी।

- टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का आदोलन जारी

अमृत विचार। वरिष्ठ शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता के विरोध में विकासखंड सफीपुर के शिक्षक अटवा सफीपुर में अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के बैनर तले एकत्र हुए और पोस्टकार्ड के माध्यम से संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र भेजकर टेट की अनिवार्यता लागू न करने की मांग की।

शिक्षक नेता संजीव संख्वार, अमित तिवारी, सौरभ कुशवाहा आदि ने कहा कि आरटीई लागू होने से पूर्व जो भी शिक्षक नियुक्त हुए हैं उनके साथ इतने वर्षों की सेवा के बाद इस तरह का कोई भी कदम अन्यायपूर्ण है। इससे देश का शिक्षक आंदोलित है। अगर इस पर जल्द ही कोई शिक्षक हित में निर्णय नहीं होता है तो देश भर का शिक्षक संसद भवन के सामने लोकतांत्रिक ढंग से प्रदर्शन करने को बाध्य होगा। सभा में ज्ञानेन्द्र कुशवाहा, राजवीर यादव, सुमित गुप्त, कमलदीप कौर, विश्वनाथ तिवारी, ऋचु त्रिवेदी, सूरज गुप्ता, मनोज कुमार, सुधीर कुशवाहा, अमित, अनुपमा, मदन, शशि प्रभा, सारिका, ममता, अनीता, वंदना, विजय मिश्रा, सरोजनी आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

38 परीक्षार्थियों ने छोड़ी बोर्ड परीक्षा

उन्नाव, अमृत विचार। माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाएं गुरुवार को समाप्त हो गईं। अंतिम दिन 1160 छात्रों में 1122 उपस्थित व 38 अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली में हाईस्कूल कृषि में 12 छात्रों में 11 उपस्थित व 1 अनुपस्थित रहे। जबकि इंटर कंप्यूटर में 148 छात्रों में 144 उपस्थित व 4 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार प्रथम पाली में 160 छात्रों में 155 उपस्थित व 5 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में इंटर संस्कृत विषय में 1000 छात्रों में 967 उपस्थित व 33 अनुपस्थित रहे। सीसीटीवी की निगरानी के चलते पूरी परीक्षा में कोई नकलची नहीं पकड़ा गया।

कक्ष निरीक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता, उन्नाव,

परीक्षा को लेकर डीएम-एसपी ने ली ब्रीफिंग

उन्नाव, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण व निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए गुरुवार को रिजर्व पुलिस लाइन में अधिकारियों की ब्रीफिंग की गई। इसमें जिलाधिकारी गौरांग राठी, एसएसपी जय प्रकाश सिंह व एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह ने परीक्षा से जुड़े परीक्षा प्रभारी, केंद्र व्यवस्थापक, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट व सुरक्षा प्रभारियों को जरूरी निर्देश दिए। जिलाधिकारी व एसएसपी ने परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को पूरी सतर्कता, अनुशासन व जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी जाए।

अमृत विचार। शहर के 8 केंद्रों में 14 व 15 मार्च को होने वाली उप निरीक्षक परीक्षा के लिए गुरुवार को सभी केंद्रों में केंद्र व्यवस्थापक की अध्यक्षता में कक्ष निरीक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। इसमें बताया गया कि सुबह 7 बजे आना है और दोनों पालियों की परीक्षा होने के बाद ही जाना होगा। प्रशिक्षण के दौरान सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट ने भी जरूरी निर्देश दिए।

बता दें कि उप निरीक्षक परीक्षा के लिए शहर में अटल बिहारी इंटर कॉलेज, डीएसएन पीजी कॉलेज ब्लॉक ए व बी, राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज दही चौकी, डॉ. जीनाथजी दयाल बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मोतीनगर, राजकीय इंटर कॉलेज सिविल लाइन व श्यामकुमारी सेठ इंटर कॉलेज को केंद्र बनाया गया है। इन केंद्रों पर 240 से 480 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। दो पालियों में होने वाली परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और शाम 3 से 5 बजे तक होगी। प्रथम पाली की परीक्षा के लिए छात्रों को सुबह 8 से 9:30 बजे तक केंद्र में प्रवेश करना होगा। जबकि द्वितीय पाली में प्रतिभाग करने के लिए दोपहर 1 बजे से 2:40 तक केंद्र में प्रवेश करना होगा। इसके बाद अभ्यर्थियों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

चरस तस्कर को 10 साल की सजा, 1 लाख जुर्माना

उन्नाव, अमृत विचार। चरस की तस्करी में पकड़े गए आरोपी को कोर्ट ने अंतिम सुनवाई के बाद दोषी ठहराते हुए उसे 10 साल की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने उस पर 1 लाख का जुर्माना भी लगाया है। जिसे अदा न करने पर उसे 6 माह अतिरिक्त सजा काटनी होगी। बता दें कि 2 फरवरी-2024 को दही थाना पुलिस आवास विकास कालोनी के पास चेकिंग कर रही थी। तभी शक के आधार पर एक व्यक्ति को रोकने का प्रयास किया तो वह भागने लगा। इस पर पुलिस कर्मियों ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। तालाशी में उसके पास 1.300 किलो चरस मिली थी। पूछताछ में उसने अपना नाम अनिल पुचक्का निवासी राजेपुर वाजिदपुर थाना दही बताया।

क्रिकेट बैट से हमले में घायल युवक की मौत, मुकदमा दर्ज

उन्नाव, अमृत विचार। क्रिकेट मैच के दौरान हुए विवाद में पड़ोसी ने बैट से युवक पर हमला कर दिया। घायल युवक की इलाज के दौरान 9वें दिन सांसे थम गई। पिता की तहरीर पर पुलिस ने गैर इरादातन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया है।

बता दें कि हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के बीबीपुर चिरयारी निवासी भूपेन्द्र (23) पुत्र सूरज पाल सिंह बीती 3 मार्च को गांव के बाहर दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने गया था। जहां मैच के बाद किसी बात को लेकर उसका पड़ोसी अमित पुत्र मुनादी से विवाद हो गया। इस पर अमित ने भूपेन्द्र के सिर पर क्रिकेट बैट से वार कर दिया। इससे भूपेंद्र वहीं बेहोश हो गया था। परिजन उसे लखनऊ के एक निजी अस्पताल ले गए। जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे ट्रामा सेंटर भेज दिया। बुधवार देरशाम उसकी मौत हो गई। शव लेकर लौटे पिता ने हसनगंज कोतवाली में दिये प्रार्थनापत्र में आरोप लगाया कि रंजिश के चलते मैच के दौरान उसके बेटे के सिर पर हमला किया गया। भूपेंद्र 4 भाई-बहनों में छोटा था। उसकी मौत से मां सावित्री, भाई संदीप व बहन कुसमा व अर्चना बेहाल हैं। कोतवाली प्रभारी शरद चंद्र ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बच्चों को नियमित स्कूल भेजने के लिए अभिभावकों को किया गया जागरूक

संवाददाता, उन्नाव

बैठक को संबोधित करतीं डॉ. रचना सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार। त्योहार व स्थानीय मेलों की वजह से विद्यालय में बच्चों की कम उपस्थिति देख विकासखंड बिछिया के प्राथमिक विद्यालय डीह द्वितीय में एसआरजी डॉ. रचना सिंह ने हर कक्षा के अनुपस्थित छात्रों के अभिभावकों को फोन से संपर्क कर बच्चों की अनुपस्थिति का कारण जाना और अभिभावकों को विद्यालय बुलाकर बैठक का आयोजन किया। इसमें कक्षा में बच्चों की नियमित उपस्थिति के महत्व के बारे में समझाया व अभिभावकों को बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया। बताया कि आगामी 16 मार्च से वार्षिक परीक्षाएं होने जा रही हैं। इस समय विद्यालय में पाठ्यक्रम दोहराव का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने सभी अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने का आग्रह किया। बैठक में अभिभावकों ने इसका समर्थन किया। इसमें अभिभावकों में सरस्वती, रामदेवी, किरन, सपना, काजल, रेनू, विनोदिनी, मीरा, स्नेहलता, माधुरी, विन्धरेश्वरी आदि उपस्थित रहे।

कचहरी के सामने पड़ा मिला अधेड़ का शव

उन्नाव, अमृत विचार। सदर कोतवाली अंतर्गत कचहरी के गेट के पास गुरुवार सुबह एक अधेड़ का शव पड़ा मिलने से लोगों की भीड़ लग गई। उसके पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान कराकर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। इसमें उसकी सेप्टीसीमिया बीमारी से मौत होने की पुष्टि हुई है। सदर कोतवाली अंतर्गत मोहल्ला मोती नगर निवासी विनोद पाल (51) की पत्नी शादी के कुछ दिन बाद उसे छोड़ गई थी। इसके बाद उसने मोती नगर मोहल्ला स्थित मकान का अपना हिस्सा बेच दिया था। इसके बाद वह इधर-उधर मजदूरी कर वहीं रुक जाता था। गुरुवार सुबह कचहरी के गेट संख्या -3 के सामने मंदिर के पास लोगों ने उसका शव पड़ा देखा।

होली मिलन समारोह में मौजूद महिलाएं। अमृत विचार

समिति का होली मिलन समारोह सम्पन्न

उन्नाव, अमृत विचार। श्री जी सामाजिक सेवा समिति द्वारा एक रेस्टोरेंट में होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। इसमें संस्था की सदस्यों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर व फूलों की होली खेलकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। अध्यक्षता कर रही मंजू अवस्थी ने उपस्थित महिलाओं का स्वागत किया। इस दौरान होली के पारंपरिक गीतों व भजनों पर महिलाओं ने नृत्य कर खुशी जताई। इसका मुख्य उद्देश्य आपसी भाईचारे को बढ़ाना व समाज सेवा के संकल्प को मजबूत करना रहा। अंत में अध्यक्षा मंजू अवस्थी ने कहा कि होली का पर्व हमें भेदभाव भूलकर प्रेम के रंग में रंगने की प्रेरणा देता है। संस्था भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एकता व सेवा के कार्यों में अग्रणी रहेगी।

होली | न्यायिक अधिकारियों व अधिवक्ताओं ने एक-दूसरे को लगाए गुलाल

बार और बेंच का सामंजस्य जरूरी : जिला जज

संवाददाता, उन्नाव

जिला जज को प्रतीक चिन्ह देते बार अध्यक्ष। अमृत विचार

अमृत विचार। बार एसोसिएशन सभागार में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें जनपद न्यायाधीश, न्यायिक अधिकारियों व अधिवक्ताओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला जज अनिल कुमार वर्मा, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय अनिल कुमार शुक्ल, एमएसीटी पीठासीन अधिकारी विवेकानन्द शरण त्रिपाठी व बार अध्यक्ष गिरीश मिश्र ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। जिला जज ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि न्याय व्यवस्था की मजबूती के लिए बार और बेंच का सामंजस्य जरूरी है। उन्होंने अधिवक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन देते हुए पूरे न्यायिक परिवार की ओर से बधाई दी। इसमें कलाकारों ने राधा-कृष्ण के रूप में मनमोहक होली नृत्य प्रस्तुत किया। इसमें महामंत्री अनुज बाजपेयी ने खुद सम्मिलित होकर चार चांद लगा दिए। जिसकी सभी ने सराहना की। होली के रंगों के बीच कवियों ने अपनी रचनाओं से समां बांध दिया। उमाशंकर यादव, विनय शंकर दीक्षित, गुलाब सिंह द्वितीय व त्रिभुवन सिंह चन्देल ने काव्य पाठ किया। अंत में बार अध्यक्ष गिरीश मिश्र ने भी अपनी कविताओं से अधिवक्ताओं का मन मोह लिया। इस अवसर पर एल्डर कमेटी के वरिष्ठ सदस्य रश्मि मोहन अग्निहोत्री, पूर्व अध्यक्ष रामसुमेर सिंह, ओपी पांडेय, सूरज कुमार बाजपेयी, पूर्व महामंत्री बृजेन्द्र मोहन बाजपेयी, अजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

अगवाकर पीटने के मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के बसधना गांव में अधेड़ समेत 3 लोगों को अगवाकर पीटने के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। घटना में एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है जबकि एक घायल अभी अस्पताल में भर्ती है। वहीं तीसरे ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उसकी रिपोर्ट दर्ज करने के बजाय उसे गवाह बनने की सलाह देकर वापस भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि बीती 8 मार्च की रात बसधना गांव में विपिन सिंह, छोटू सनकी उर्फ शिवम सिंह, वंश सिंह व अजय सिंह ने मनोकांत, महेंद्र व रामजी को अगवाकर बेरहमी से पीटा था। जिसमें मनोकांत की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी।

14 मरीज ऑपरेशन के लिए चयनित

संवाददाता, उन्नाव

शिविर में लोगों को सम्बोधित करते विधायक पुत्र प्रखर गुप्ता।

- नि:शुल्क मोतियाबिंद शिविर में लोगों की आंखों का हुआ परीक्षण

अमृत विचार। सदर विधायक पंकज गुप्ता के कैंप कार्यालय पर मासिक मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन हुआ। हर माह की 12 तारीख को आयोजित होने वाले इस शिविर में इस बार भी बड़ी संख्या में क्षेत्र के जरूरतमंदों ने अपनी आखों की जांच कराई। संचालन सदर विधायक के पुत्र प्रखर गुप्ता ने किया। उन्होंने शिविर में आए हर व्यक्ति से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और समस्याओं को सुना। प्रखर गुप्ता ने कहा कि इस नेत्र शिविर का मुख्य उद्देश्य उन लोगों के जीवन में उजियारा लाना है जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी आखों का इलाज नहीं करा पाते हैं। इस कार्य में साईं आई हॉस्पिटल व हनुमन्त जीव आश्रय सेवा संस्थान ने तकनीकी व सेवात्मक सहयोग किया। शिविर में विशेषज्ञों द्वारा अत्याधुनिक मशीनों से आखों की जांच की गई। 36 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया। जिनमें 14 मरीजों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए अस्पताल भेजा गया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, मंडल अध्यक्ष अवनीश गुप्ता, राधेश्याम सहित अन्य मौजूद रहे।

अमृत विचार

शुक्रवार, 13 मार्च 2026

सवाल करने की शक्ति सभी मानव प्रगति का आधार है।
–इंदिरा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री

यह सख्ती जरूरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सूबे में पेट्रोल-डीजल तथा घरेलू और व्यावसायिक गैस के बारे में भारी किल्लत की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंड की चेतावनी दी है, तो वहीं प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि अफवाहों पर ध्यान न दें। बेशक, आपदा में अवसर तलाशने वाले जब मात्र आशंका को संकट बता कर अपने लाभ के लिए विभिन्न माध्यमों के जरिए अफवाह फैलाकर उसे भुना रहे हों और जब इससे आम जनता में भारी अफरातफरी की मच सकती हो, तब सरकार का यह सख्त कदम अत्यंत उचित और सामयिक है।

इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि पश्चिम एशिया में छिड़े युद्ध ने तेल संकट गहरा दिया है और इसकी वजह से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस ईंधन की किल्लत आ सकती है। देश के कई राज्यों में कमर्शियल गैस सिलेंडरों को प्राथमिकता और आवश्यकतानुसार ही आपूर्ति हो रही है। कुछ राज्यों और शहरों के होटल संगठनों ने गैस की आपूर्ति कम होने और व्यवसाय के संकट की बात दर्ज कराई है। गैस एजेंसियों ने घरेलू गैस बुकिंग में चार दिन के बढ़ोतरी कर दी है। पर यह सब होने के बावजूद अभी यह संकट इतना नहीं गहराया है कि देश में जीवाश्म ईंधन का अकाल पड़ गया हो, सरकार के अनुसार हमारे पास अभी भी काफी रिजर्व है और हम दूसरे देशों तथा रास्तों से तेल और गैस आपूर्ति के तरीके तलाश चुके हैं। दो एलएनजी कार्गो भारत पहुंच रहे हैं, रूस से तेल खरीद 50 फीसद बढ़ा दी गई है। इसके अलावा तेल गैस समस्या के दूसरे समाधानों पर भी प्रयास जारी है। निःसंदेह, तेल और गैस संबंधी अफवाहें बाजार और सियासत की चालें ज्यादा लगती हैं, वास्तविकता कम। असल में किसी जिंस या वस्तु की कमी की अफवाहें फैला कर जमाखोरी, मुनाफाखोरी और आमजन का भयादोहन कर पैसे बनाने के प्रवृत्ति हमारे बाज़ार में पुरानी है। आज तो संकट की प्रत्यक्ष आशंका भी है, पर कभी-कभी देश के किसी राज्य अथवा किसी क्षेत्र में अचानक, नमक, खाद्य तेल, अथवा ऐसे ही रोजमर्रा के अत्यावश्यक सामान की आवक न आने अथवा कमी की अफवाह उड़ा कर जनता को अतिरिक्त खरीदारी के लिए उकसाया जाता है। देखते-देखते ही जमाखोरों के कारण सामान की वास्तव में किल्लत हो जाती है, उसके दाम महंगे। देश में बहुत से लोग तकरीबन रोज की कमाई पर जिंदा हैं। उनके पास अतिरिक्त या अधिक खरीद की क्षमता ही नहीं है। वे अलग मुश्किल में पड़ जाते है, फिलहाल वैश्विक तेल संकट के मद्देनजर इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा इमरजेंसी तेल स्टाक, 40 करोड़ बैरल तेल उपलब्ध कराने जा रहा है। भारत भी घरेलू संकट निवारण की पूर्व नियोजित आवश्यक कार्रवाई कर रहा है।

सोशल मीडिया के समय में अफवाहें आसानी से और प्रभावी तरीके से फैला, सरकार की अक्षमताओं को परिवर्धित कर दिखाना आसान है। ऐसे गाढ़े समय का राजनीतिक लाभ लेना कतई उचित नहीं है। जनता में भय फैलाने के बजाए ईंधन के विवेकपूर्ण इस्तेमाल के लिए जागरूकता फैलाना जरूरी है। उम्मीद है, मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अफवाहों पर रोक लगेगी।

प्रसंगवश

भारत में धुंधली पड़ रही है मौसम की सीमा रेखा

भारत की पारंपरिक पहचान उसके विविध ऋतु-चक्र से रही है, लेकिन अब यह चक्र पूरी तरह से टूट चुका है। 'सेंटर फार साइंस एंड एनवायरनमेंट' (सीएसई) एवं 'डाउन टू अर्थ' की नई रिपोर्ट 'इंडिया क्लाइमेट 2025' ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुका है, जहां 'चरम मौसम' कोई अपवाद नहीं, बल्कि रोजमर्रा की हकीकत बन गया है। मौसम के ताजा आंकड़ों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अधिकतम तापमान लगभग 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। यह तापमान इस समय के लिए सामान्य से अधिक माना जा रहा है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी तेज गर्मी मार्च के शुरुआती दिनों में कम ही देखने को मिलती है।

सीएसई ने मौसम विभाग, गृह मंत्रालय के आपदा प्रबंधन विभाग एवं विभिन्न राज्यों की एजेंसियों की रिपोर्ट के आधार पर विश्लेषण किया है। साथ ही साल 2022 से सितंबर 2025 तक लगभग 1500 दिनों की भारत की मौसम संबंधी आपदाओं का एक नया नक्शा तैयार किया है। अध्ययन का सबसे चौंकाने वाला निष्कर्ष यह है कि भारत में ऋतुओं का आपस में विलय हो रहा है। सर्दी, गर्मी और वर्षा के बीच की स्पष्ट रेखाएं अब धुंधली पड़ चुकी हैं।

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

आंकड़े बताते हैं कि साल 2025 के पहले नौ महीनों (जनवरी से सितंबर) के दौरान देश ने लगभग 99 प्रतिशत दिन चरम मौसम की मार झेली है। इसका मतलब है कि इन 273 दिनों में से शायद ही कोई ऐसा दिन रहा हो, जब भारत के किसी न किसी हिस्से में भारी वर्षा, लू, ओलावृष्टि या चक्रवात जैसी आपदा न आई हो। उत्तर प्रदेश में भी गर्मी का असर तेजी से बढ़ने लगा है। तीन साल बाद मार्च के पहले सप्ताह में ही तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि इस महीने तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। 2025 में, मार्च के पहले सप्ताह के दौरान, उत्तर प्रदेश के अधिकांश शहरों में दिन का तापमान 29 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जबकि रात का तापमान लगभग 14 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पहली मार्च 2026 को दिन का अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले तीन वर्षों में मार्च की शुरुआत का उच्चतम तापमान है। इससे पहले 2023 में, पहली मार्च को दर्ज किया गया अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस था। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, मार्च की शुरुआत में इतना अधिक तापमान इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में गर्मी तेजी से बढ़ सकती है।

जाहिर है मौसम के मिजाज में आ रहे इस असामान्य बदलाव का हमारे जीवन और आजीविका पर गहरा प्रभाव आने वाले दिनों में नजर आएगा, जिसको लेकर देशव्यापी चर्चा जारी है। विशेषकर उत्तर भारत के कृषि क्षेत्र में इसके नकारात्मक आर्थिक परिणामों को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। वास्तव में, मौसमी बदलाव फलों के नाजुक जैविक चक्र को बाधित कर रहा है, जिसके चलते उपज में भारी नुकसान के साथ-साथ गुणवत्ता में गिरावट की आशंका व्यक्त की जा रही है।

कृषि वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मार्च का महीना किसानों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। तापमान में वृद्धि से रबी की फसलों, विशेषकर गेहूं पर असर पड़ेगा। गर्मी के कारण अनाज का पूर्ण विकास नहीं हो पाएगा, जिससे पैदावार कम होगी। गर्म हवाओं से सरसों, चना और मटर जैसी फसलों को नुकसान हो सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

वैश्विक तनाव और घरेलू चिंताएं बढ़ाता युद्ध

विवेक सक्सेना
अयोध्या

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य संघर्ष, तनाव और होर्मुज जल मार्ग के रास्ते होने वाली तेल और गैस आपूर्ति पर छाए गहरे संकट से कच्चे तेल की कीमतें जिस तरह आसमान छू रहीं हैं, उससे न सिर्फ विश्व अर्थव्यवस्था के समक्ष संकट गहराता जा रहा है, अपितु इसका असर अब भारत पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है। देशभर में एलपीजी की किल्लत से आम आदमी के साथ-साथ होटल और रेस्टोरेंट संचालक परेशान हैं। वर्तमान संकट ने साबित किया है कि देश केवल तेल उत्पादक देशों में अस्थिरता के कारण ईंधन की कमी झेलने को मजबूर हो सकता है।

पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कमी ने होटलों, रेस्तरां और भोजनालयों को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिससे उन्हें मेन्यू में कटौती करनी पड़ रही है या वैकल्पिक ईंधन का उपयोग करना पड़ रहा है। भारतीय रेलवे का खानपान एवं पर्यटन निगम भी इससे अछूता नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, रेलवे ट्रेनों में पका हुआ भोजन परोसना अस्थायी रूप से बंद करने पर विचार कर रहा है, जिन यात्रियों ने टिकट बुक करते समय भोजन पहले से बुक किया था, उन्हें रिफंड जारी किया जाएगा।

रेलवे के एक अधिकारी के अनुसार यह मुद्दा गंभीर हो गया है और अगर एलपीजी की आपूर्ति में कमी बनी रहती है, तो स्थिति और बिगड़ सकती है। ट्रेनों में खानपान सेवाएं आईआरसीटीसी के बेस किचन में तैयार किए गए भोजन पर निर्भर करती हैं। एलपीजी की उपलब्धता में किसी भी तरह की रुकावट भोजन तैयार करने और ट्रेनों में आपूर्ति को सीधे प्रभावित करती है। सरकार ने घरेलू आपूर्ति को प्राथमिकता देने के लिए 'आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955' का उपयोग किया है। साथ ही, बुकिंग की अवधि को 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया है, जिससे कि जमाखोरी को रोका जा सके।

यह कदम सही है कि घर के चूल्हे न बुझें, लेकिन मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बजट फिर से अनियंत्रित हो गया है और छोटे व्यवसायों के लिए अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। देश में 33 करोड़ से ज्यादा घरेलू एलपीजी कनेक्शन हैं और सरकार की प्राथमिकता है कि इनकी जरूरत पूरी होती रहे। युद्ध की वजह से दुनिया के कई हिस्सों में तेल की किल्लत होने लगी है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने प्रमुख देशों से अपने रणनीतिक तेल भंडार खोलने की अपील की है, ताकि कमी की भरपाई की जा सके। अभी कहना बहुत मुश्किल है कि तेल और गैस की वैश्विक सप्लाई चेन पूरी तरह से कब तक बहाल होगी। ऐसे में किसी भी संभावित स्थिति के लिए तैयारी रखना बहुत जरूरी है।

भारत क्रूड ऑयल के आयात में विविधता लेकर आया है। इसकी वजह से अभी तक देश में तेल का कोई संकट नहीं दिखा। सरकार भी भरोसा दिला रही है कि पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोत्तरी नहीं की जाएगी, लेकिन रसोई गैस के मामले में परेशानी बढ़ती दिख रही है। सरकार ने इसी वजह से आवश्यक सेवा रख-रखाव अधिनियम लागू किया है, ताकि जमाखोरी रोकी जा सके और आपूर्ति निर्बाध रहे। सरकार ने विकल्पों पर काम शुरू कर दिया है, पर उसमें तेजी की जरूरत है।

दिक्कत यह है कि तेल की तरह गैस के लिए भी भारत आयात पर बहुत ज्यादा निर्भर है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 60 फीसदी एलपीजी आयात करता है। इसमें से सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 85-90 फीसदी होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। संकट में ऑयल रिफाइनरियों को प्रॉडक्शन बढ़ाने के लिए कहा गया है, लेकिन अगर बाहर से सप्लाई सुचारू नहीं होती है, तो जरूरत को पूरा करना काफी मुश्किल होगा। देश की तमाम रिफाइनरियों और पेट्रो केमिकल यूनिट्स को अपने अन्य उत्पादों की तुलना में एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देनी होगी। इसके अलावा सरकारी तंत्र को इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि गैस की न तो जमाखोरी होने पाए और न ही उसकी कालाबाजारी।

यह शुभ संकेत नहीं कि देश के कुछ शहरों में रसोई गैस की कालाबाजारी होने की आशंका उभर आई है। इसके अलावा इसका भी खतरा पैदा हो गया है कि मुनाफाखोर रसोई गैस सिलेंडरों की जमाखोरी कर सकते हैं। सरकारी तंत्र को इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि गैस की किल्लत को लेकर अफवाहें न फैलने पाएं, क्योंकि जब-जब अफवाहें फैलती हैं, लोग अनावश्यक रूप से चिंतित हो जाते हैं। इस चिंता के कारण ही कहीं-कहीं गैस सिलेंडरों के लिए लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं। स्पष्ट है कि लोगों को भी धैर्य धारण करना होगा और अफवाहों को लेकर सचेत रहना होगा।

यह ध्यान रहे कि चंद दिनों पहले पेट्रोल एवं डीजल की कोई कमी न होने के बाद भी कुछ जगह ऐसी अफवाह फैल गई थी कि उनकी कमी होने जा रही है। इस स्थिति से तभी बचा जा सकता है, जब अफवाहों को फैलने से रोका जाए और संबंधित प्रशासन की ओर से आवश्यक सूचनाएं समय पर प्रसारित की जाती रहें। गैस की कमी रोकने के लिए केंद्र सरकार के साथ राज्य सरकारों को भी सचेत रहना होगा। उचित यह होगा कि जैसे केंद्र सरकार ने जमाखोरी-कालाबाजारी पर निगरानी के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है, वैसी ही समितियां राज्य सरकारें भी गठित करें।

इसी के साथ यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक है कि न तो घरेलू उपयोग के लिए रसोई गैस सिलेंडर में कमी आने पाए और न ही कॉमर्शियल सिलेंडर की किल्लत होने पाए, क्योंकि इसका व्यापक असर पड़ेगा, हालांकि इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि सरकार रूस, कनाडा के अलावा अफ्रीकी देशों से तेल के साथ गैस की आपूर्ति के हरसंभव जतन कर रही है। ईरान युद्ध ने एक बार फिर से ग्लोबल सप्लाई चेन की कमजोरी को सामने ला दिया है। सभी को अंदेशा था कि संघर्ष की सूरत में क्या हो सकता है, लेकिन उसकी तैयारी नहीं की जा सकीं। अब तो और भी जरूरी है कि भारत अपनी तेल-गैस जरूरत के मामले में रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रखे।

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य संघर्ष से कच्चे तेल की कीमतें जिस तरह आसमान छू रहीं हैं, उससे न सिर्फ विश्व अर्थव्यवस्था के समक्ष संकट गहराता जा रहा है, बल्कि इसका असर अब भारत पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है।

आमने

21 वर्षों की एनडीए सरकार में बिहार विकास के सभी मानकों, मानदंड और सूचकांक में सबसे फिसड्डी है। बस पलटा-पलटी, प्रशासनिक तंत्र, सरकारी खजाने से वोट खरीदी, वोट की लूट और जातिवाद के सहारे कथित सुशासनी लोग सत्ता भोग रहे हैं।

–तेजस्वी यादव
आरजेडी नेता

सामने

बहुत दिनों बाद उन्होंने ट्वीट किया कि 'बिहार कैसा है?' बिहार कैसा है, ये बिहार की जनता ने बता दिया है। एक बार फिर जनता ने एनडीए की सरकार को भारी बहुमत देकर जवाब दे दिया कि बिहार कैसा है।

–दिलीप जायसवाल
मंत्री, बिहार

कैसे मिलें देश को सच्चे आईएएस-आईपीएस

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी
यूएई एंबेसी

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 के अंतिम परिणाम घोषित हो गए हैं। सफल अभ्यर्थी अब जल्द ही आईएएस, आईपीएस, आईएफएस जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में शामिल होंगे और देश की प्रगति, कानून-व्यवस्था तथा विदेश नीति जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में योगदान देंगे। यह क्षण न केवल व्यक्तिगत सफलता का है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नई शुरुआत का भी है। इनके सामने जगमोहन, के सुब्रमण्यम (विदेश मंत्री एस जयशंकर के पिता), एके दामोदरन, टीएन शेषन, जेएन दीक्षित, वेद मारवाह, किरण बेदी जैसे अनेक अफसरों के उदाहरण मौजूद हैं, जिन्होंने अपने को अपने काम और ईमानदारी से साबित किया। ये नाम आज भी प्रेरणा के स्रोत हैं।

नए सफल अभ्यर्थियों को बधाइयां मिल रही हैं, लेकिन उनकी असली परीक्षा तब शुरू होती है, जब वे ट्रेनिंग पूरी कर जिलों, विभागों या फील्ड पोस्टिंग में तैनात होते हैं। ब्रिटिश काल में आईसीएस अधिकारियों को ब्रिटिश शासन को मजबूत करने के लिए तैयार किया जाता था, इसलिए अधिकांश पदों पर गोरे अधिकारियों को ही नियुक्त किया जाता था। वे जिले की हर छोटी-बड़ी जानकारी रखते थे। कृषि भूमि के प्रकार, उपजाऊपन, सिंचाई व्यवस्था, गांवों की आबादी, सामाजिक-आर्थिक संरचना, नदियां, वर्षा का औसत आदि। आज कितने अधिकारी अपने जिले या शहर के मोहल्लों तक की सही जानकारी रखते हैं?

एक महत्वपूर्ण सत्य यह है, यदि हम अधिकारियों से बेखौफ होकर काम करने की अपेक्षा करते हैं, तो उन्हें सुरक्षित माहौल और संरक्षण देना भी हमारा कर्तव्य है। ईमानदार अधिकारी अक्सर बड़े अवरोधों का सामना करते हैं। उन्हें प्रमोशन से वंचित किया जाता है, बार-बार ट्रांसफर किए जाते हैं। हरियाणा कैडर के आईएएस अधिकारी अशोक खेमका ने अपनी ईमानदारी की भारी कीमत चुकाई। 34 वर्ष की सेवा में उनका 57 बार ट्रांसफर किया गया। यह संख्या भारतीय नौकरशाही में सबसे अधिक में से एक है। ऐसे कई अधिकारी हैं, जिन्हें कड़वी सच्चाई बोलने के लिए समाज और सिस्टम दोनों से सजा मिलती है। ठीक कहा गया है, कड़वी दवा और कड़क ईमानदार अधिकारी कम लोगों को पसंद आते हैं। ज्यादातर लोग ऐसे 'बिकने वाले' बाबुओं को तरजीह देते हैं, जो उनके इशारे पर काम करें।

ईमानदार अफसरों की बात होगी तो टीएन शेषन की याद कैसे नहीं आएगी? यह मानना होगा कि यदि टीएन शेषन भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त न बनते, तो देश में चुनावों के नाम पर धोखाधड़ी और धांधली का सिलसिला जारी रहता। 1990 के दशक में मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर रहते हुए उन्होंने चुनाव सुधारों को सख्ती से लागू करने का अभियान चलाया। शेषन ने गुंडा तत्वों, धनबल और बाहुबल पर ऐसी चाबुक चलाई कि धन-बल से सियासत करने वाले जमीन पर उतर आए। उन्होंने अपने साथियों में यह विश्वास जगाया कि चुनाव प्रक्रिया को पूरी ईमानदारी से अंजाम देना चाहिए।

उनसे पहले कुछ चुनाव आयुक्तों पर आरोप लगते थे कि वे सरकार के इशारों पर चुनाव करवाते हैं। शेषन ने साबित किया कि सिस्टम में रहते हुए भी बहुत कुछ सकारात्मक किया जा सकता है। वे सिर्फ दफ्तर में बैठकर काम करने वाले अफसर नहीं थे, वे चुनाव सुधारों से लोकतंत्र को मजबूत करना चाहते थे। उन्होंने कठिन राह चुनी और विश्व भर में नाम कमाया। 1994 से 1996 के बीच उन्होंने देश भर में सैकड़ों जनसभाओं को संबोधित कर देश को जगाया।

क्या हम सत्येंद्र दुबे और शनमुगम मंजूनाथ की कहानियां भूल गए? सत्येंद्र दुबे ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को सीलबंद पत्र लिखा। उन्होंने भ्रष्ट अधिकारियों, इंजीनियरों और ठेकेदारों के गठजोड़ का पर्दाफाश किया, लेकिन इस पत्र के कारण ही 27 नवंबर 2003 को उनकी हत्या कर दी गई।

इसी तरह, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अधिकारी शनमुगम मंजूनाथ ने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में एक पेट्रोल पंप पर मिलावटी ईंधन बेचने की गड़बड़ी पकड़ी। 13 सितंबर 2005 को उन्होंने पंप सील किया। 19 नवंबर 2005 को दोबारा निरीक्षण के दौरान पंप मालिक के बेटे और उसके साथियों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। ऐसे ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों को बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। अक्सर अपनी जान गंवानी पड़ती है।

दिल्ली के सिविल लाइंस में स्थित मेटकॉफ हाउस भारत की शीर्ष नौकरशाही का प्रतीक है। यहीं 21 अप्रैल 1947 को सरदार पटेल ने स्वतंत्र भारत के पहले बैच के आईएएस-आईपीएस अधिकारियों को संबोधित किया था। उन्होंने कहा था कि अधिकारी जनता के हित में काम करें और किसी भी तरह की कोताही न बरतें। इसी दिन को लोक सेवक दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1947 से पहले यहीं आईसीएस परीक्षाएं होती थीं और 1958 तक ट्रेनिंग भी। बाद में ट्रेनिंग मसूरी में शुरू हुई।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

यूपीएससी में चुने गए नौजवानों की अभी यह महज व्यक्तिगत सफलता है। अहम यह है कि यह भविष्य में अच्छे अफसर कैसे बनें!

सोशल फोरम

हम रोज गढ़े जा रहे हैं

कभी-कभी लगता है समय नदी नहीं, कुम्हार है। हर दिन हमें थोड़ा-थोड़ा घुमाता है, दबाता है, आकार देता है। हम सोचते हैं हम भाग रहे हैं, पर सच यह है कि हम गढ़े जा रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि कौन मिट्टी बना रहता है और कौन आकार लेने की हिम्मत करता है।

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

पिछले दिनों में आपने कितनी बार खुद को टाला? और कितनी बार खुद को पकड़ा? यह सवाल किसी और के लिए नहीं है। दुनिया आपकी उपलब्धियों की तालिका देखती है, पर असली कहानी उन क्षणों में लिखी जाती है, जब आपने आसान रास्ता छोड़कर सही रास्ता चुना, या कम से कम कोशिश की।

जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम बड़े अवसरों का इंतज़ार करते रहते हैं, जबकि असली बदलाव छोटे फैसलों में छिपा होता है। एक पन्ना और पढ़ लेना... किसी विचार पर गंभीरता से सोचना... यही छोटे कदम भविष्य की रीढ़ बनाते हैं।

कई लोग कहेंगे कि समय तेज़ भाग रहा है। सच तो यह है कि समय हमेशा अपनी रफ्तार से चलता है। बेचैनी हमारी है। हम तुलना में उलझे रहते हैं। किसी की नौकरी, किसी की गाड़ी, किसी की लोकप्रियता...! लेकिन किसी की शांति? उस पर कम ही नज़र जाती है और वही सबसे बड़ी पूंजी है।

अगर कुछ छूटा है, तो उसे बोझ मत बनाइए। उसे बीज बना दीजिए। हर छूटा हुआ काम संकेत है कि उसमें अब भी संभावना बची है। जो खत्म हो गया, वह सिर्फ एक अध्याय था। किताब अभी बाकी है।

ज़िंदगी स्प्रिंट नहीं, लंबी बातचीत है... खुद से, अपने लोगों से, अपने विचारों से। अगर कुछ अधूरा रह गया है, तो वह आपकी अक्षमता का प्रमाण नहीं, यात्रा का संकेत है। अधूरापन ही तो हमें आगे बढ़ने की वजह देता है। पूरी हो चुकी कहानी में उत्साह नहीं बचता। जो करना है, वह धीरे और लगातार करना है। बड़े पेड़ भी एक दिन में नहीं बढ़ते, पर रोज़ बढ़ते हैं।

समय किसी के लिए रुकता नहीं; वह हर उस व्यक्ति के साथ चलता है जो चलने का निर्णय लेता है। सवाल यह नहीं कि कितना समय बीत गया। सवाल यह है कि आपने उसमें कितना जीवन जोड़ा। अब अगला कदम आपका है। घड़ी चल रही है, पर कहानी भी चल रही है और कहानी तब तक ज़िंदा है, जब तक आप उसे आगे लिखने का साहस रखते हैं।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

उत्तराखंड: एक लाख करोड़ बजट से बढ़ेगी विकास गति

उत्तराखंड सरकार द्वारा जारी आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट स्पष्ट करते हैं कि प्रदेश आर्थिक प्रगति के पद पर तेज गति से दौड़ रहा है, राज्य का सकल घरेलू उत्पाद पिछले चार वर्षों में तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2021-22 में सकल घरेलू उत्पाद 2.54 लाख करोड़ था, जो वर्ष 24-25 में बढ़कर 3.82 लाख करोड़ हो गया है और वर्ष 26-27 में इसके 4.30 लाख करोड़ रहने का अनुमान है। राज्य की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2021-22 में 1.95 लाख थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 2.73 लाख से अधिक हो गई और आगामी वर्ष में प्रति व्यक्ति आय 3.60 लाख रुपये होने का अनुमान है।

उत्तराखंड शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन की दृष्टि से देश के विभिन्न क्षेत्र से आने वाले यात्रियों व नागरिकों की पसंदीदा जगह बन रहा है। यहां के शिक्षण संस्थान, विश्वविद्यालय, तकनीकी संस्थान, आयुर्वज्ञान संस्थान व चिकित्सा सुविधा हर वर्ग के लोगों को आकर्षित करती है। पर्यटन के लिहाज से उत्तराखंड के हरिद्वार, ऋषिकेश, नैनीताल, मसूरी, कैंची धाम के साथ ही सुप्रसिद्ध चार धाम, हेमकुंड साहिब, आदि कैलाश जैसे तीर्थ स्थल व यहां की शांत-खूबसूरत प्राकृतिक छटा- हिमखंड, बुग्याल, बन अभ्यारण्य, विश्व प्रसिद्ध जिम कॉर्बेट पार्क एवं राजाजी पार्क देश और दुनिया के यात्रियों, पर्यटकों और तीर्थ दर्शन करने वालों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

प्रो. एचसी पुरोहित
दून यूनिवर्सिटी

उत्तराखंड स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा के लिए देश एवं विदेश के युवाओं को लुभा रहा है और बड़ी संख्या में वे राज्य के शिक्षण संस्थाओं का रुख कर रहे हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता के कारण विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में प्रतिदिन लोग यहां आते हैं, विशेष तौर पर हिमाचल, पंजाब, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न कस्बों, नगरों व गांवों से बड़ी संख्या में लोग प्रतिदिन पर्यटन के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार की तलाश में उत्तराखंड के विभिन्न शहरों व नगरों का रुख कर रहे हैं।

उत्तराखंड में औद्योगिक संरचनाओं का विस्तार एवं विकास बहुत तेज गति से हो रहा है और यहां उन्हें रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हैं। राज्य में विभिन्न प्रकार की सेवा प्रकल्पों या छोटे व मझले उपक्रमों का संचालन करने में उनकी खास रुचि रहती है, जिसमें ऑटोमोबाइल, आईटी एवं पर्यटन क्षेत्र से जुड़े उद्यम प्रमुख हैं। जैसे रैपिडो, ओला, उबर के अलावा स्विग्गी, जोमैटो व ब्लिंकिट जैसी सेवाएं. जो गिग इकोनामी से संबंधित हैं, का संचालन युवाओं को लुभा रहा है।

औद्योगिक विकास की तेज रफ्तार से रोजगार के अवसर भी तेजी से सृजित हो रहे हैं। राज्य में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम क्षेत्र के उद्योगों का तेजी से विस्तार हुआ है। राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में प्रदेश में लगभग साढे चौदह हजार उद्यम स्थापित थे, जो अब बढ़कर तीन लाख इकासी हजार से अधिक हो चुके हैं। राज्य की जीडीपी में 13% अंशदान इसी क्षेत्र के उद्योगों का है। वर्ष 2022 से 2025 के बीच साढ़े 19 हजार नये एमएसएमई उद्यम स्थापित हुए, जिससे एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। वर्ष 2017 से पहले राज्य में कोई भी स्टार्टअप इकाई पंजीकृत नहीं थी, लेकिन आज 1750 स्टार्टअप पंजीकृत हैं। राज्य में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से स्थानीय निवासियों को पर्यटन आधारित स्वरोजगार योजना का लाभ मिलना स्वाभाविक है, पिछले तीन वर्षों में पर्यटकों की संख्या में 62 लाख की वृद्धि हुई है। राज्य गठन के समय पर्यटकों की संख्या लगभग एक करोड़ थी, जो 2024-25 में बढ़कर छह करोड़ से अधिक हो गई है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

खोज
ऐसे हुआ फ्रिज का आविष्कार

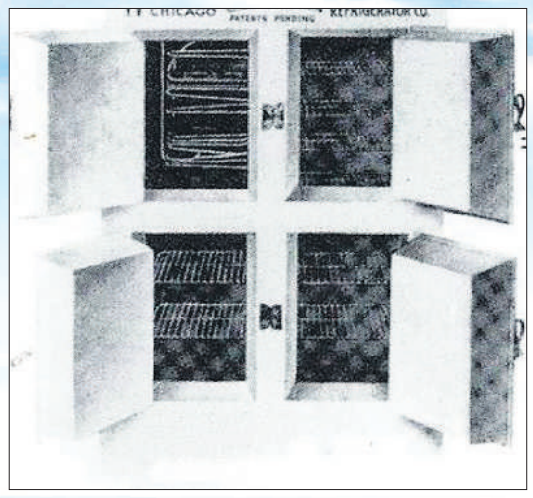

रेफ्रिजरेटर का आविष्कार एक लंबी वैज्ञानिक यात्रा का परिणाम है, जिसमें कई आविष्कारकों का योगदान रहा है। भोजन को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए कृत्रिम शीतलन तकनीक विकसित करने के प्रयास सदियों से होते रहे हैं। इस दिशा में पहला महत्वपूर्ण प्रयोग 1748 में स्कॉटलैंड के प्रोफेसर और चिकित्सक विलियम कुलेन ने किया। उन्होंने यह प्रदर्शित किया कि किसी तरल को तेजी से वाष्पीकृत करने पर शीतलन प्रभाव उत्पन्न होता है। यद्यपि उनके प्रयोग का तत्काल व्यावहारिक उपयोग नहीं हो सका, फिर भी इसने आगे के शोध की नींव रखी।

19 वीं शताब्दी में कई वैज्ञानिकों और आविष्कारकों ने इस तकनीक को आगे बढ़ाया, जिसके परिणामस्वरूप आधुनिक यांत्रिक प्रशीतन प्रणाली का विकास संभव हुआ। 1834 में अमेरिकी आविष्कारक जैकब पर्किन्स ने पहला वाष्प-संपीड़न आधारित प्रशीतन उपकरण बनाया। बाद में जर्मन वैज्ञानिक कार्ल वॉन लिंडे ने गैसों को द्रवीकृत करने की प्रभावी विधि विकसित की, जिसने प्रशीतन तकनीक को नई दिशा दी। 20 वीं शताब्दी की शुरुआत तक प्रशीतन तकनीक में इतनी प्रगति हो चुकी थी कि इसका उपयोग उद्योगों में होने लगा, विशेषकर शराब बनाने और मांस प्रसंस्करण कारखानों में। 1913 में अमेरिकी फ्रेड डब्ल्यू. वुल्फ ने पहला घरेलू इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेटर बनाया। इसके बाद 1918 में विलियम सी. ड्यूरेंट ने सेल्फ-कंटेन्ड कंप्रेसर वाला रेफ्रिजरेटर पेश किया, जिससे घरेलू रेफ्रिजरेटरों का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू हुआ। प्रारंभिक दौर में इनकी कीमत काफी अधिक होने के कारण इन्हें विलासिता की वस्तु माना जाता था, लेकिन 1930 के दशक में सुरक्षित रेफ्रिजरेंट फ्रियोन के विकास के बाद घरेलू रेफ्रिजरेटर तेजी से लोकप्रिय हो गए।

वैज्ञानिक के बारे में

फ्रेड डब्ल्यू. वुल्फ अमेरिका के एक आविष्कारक और इंजीनियर थे, उनका जन्म 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था। बचपन से ही उन्हें यांत्रिक उपकरणों और नई तकनीकों में गहरी रुचि थी। उस समय दुनिया तेजी से औद्योगिक विकास की ओर बढ़ रही थी और इसी वातावरण ने उनके भीतर प्रयोग और आविष्कार की प्रवृत्ति को मजबूत किया। उनका यह आविष्कार आधुनिक रेफ्रिजरेटर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। बाद के वर्षों में अन्य वैज्ञानिकों और कंपनियों ने इसी तकनीक को और विकसित किया, जिससे आज के उन्नत रेफ्रिजरेटर संभव हो पाए।

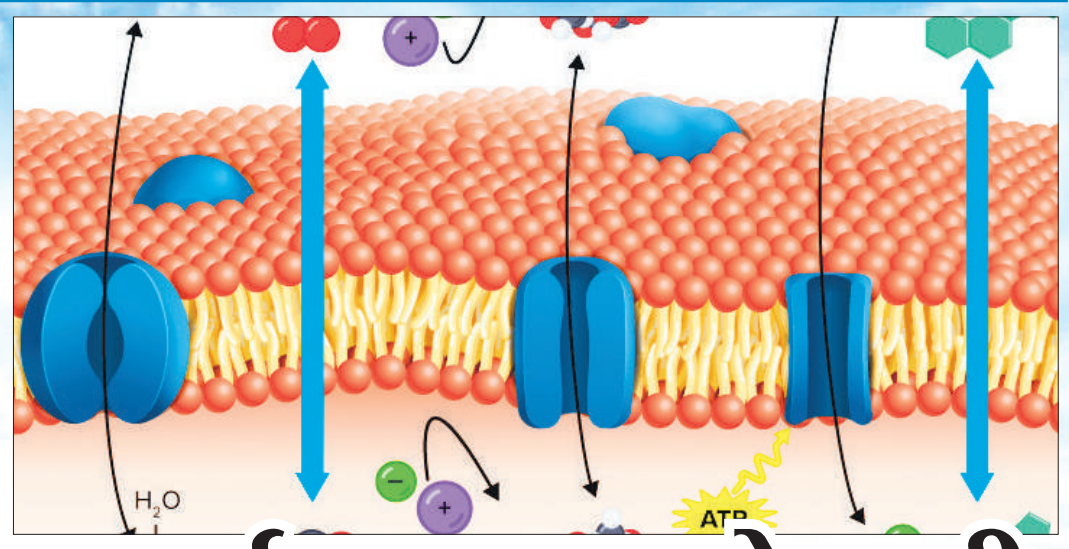

चिकनाई हजम करने वाली 131 प्रोटीन

वसा या फैट इंसानी डाइट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भोजन घी-तेल के बिना भी बनाया जा सकता है, लेकिन मनुष्य ने बहुत पहले ही वसा के स्वाद और उपयोगिता को पहचान लिया था। इसी कारण भोजन को या तो वसा में फ्राई किया जाता है या वसा में पकाया जाता है, जिससे उसका स्वाद बढ़ता है और उसे चबाना-निगलना भी आसान हो जाता है, लेकिन आम आदमी को यह विज्ञान बहुत कम मालूम है कि वह वसा का सेवन आखिर क्यों करता है और शरीर उसके साथ क्या करता है। दरअसल शरीर को वसा बहुत अधिक मात्रा में नहीं चाहिए। सामान्य परिस्थितियों में लगभग 45 से 75 ग्राम वसा 24 घंटे में पर्याप्त होती है। इसके बावजूद हम अक्सर जरूरत से ज्यादा वसा खा लेते हैं, क्योंकि स्वाद और आदत हमें इसके लिए प्रेरित करती है। कोलेस्ट्रॉल को आम तौर पर लोग वसा ही समझते हैं, जबकि वैज्ञानिक दृष्टि से यह एक प्रकार का लिपिड है।

लिपिड का रासायनिक ढांचा

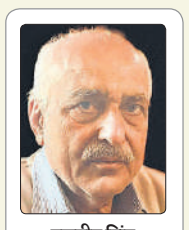

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

लिपिड एक व्यापक श्रेणी है, जिसमें विभिन्न प्रकार के फैट शामिल होते हैं। शरीर में कोलेस्ट्रॉल की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह कोशिकाओं की झिल्ली अर्थात सेल मेंब्रेन का एक जरूरी घटक है और कई हार्मोन तथा विटामिन-डी के निर्माण में भी मदद करता है। इसलिए कोलेस्ट्रॉल को केवल हानिकारक मान लेना वैज्ञानिक दृष्टि से सही नहीं है।

लिपिड का रासायनिक ढांचा मुख्य रूप से फैटी एसिड और ग्लिसरॉल से बना होता है। ये कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन परमाणुओं से निर्मित लंबी हाइड्रोकार्बन श्रृंखलाएं होती हैं। लिपिड के तीन प्रमुख प्रकार माने जाते हैं- ट्राइग्लिसराइड्स, फॉस्फोलिपिड्स और स्टेरोल्स। ट्राइग्लिसराइड्स में ग्लिसरॉल के साथ तीन फैटी एसिड जुड़े होते हैं। फॉस्फोलिपिड्स में एक ऐसा सिरा होता है, जो पानी को आकर्षित करता है और दूसरा ऐसा जो पानी से दूर रहता है। यही संरचना कोशिकाओं की झिल्ली बनाने में मदद करती है। स्टेरोल्स का ढांचा अपेक्षाकृत जटिल रिंग संरचना वाला होता है, जिसमें कोलेस्ट्रॉल भी शामिल है। इन संरचनाओं की वजह से लिपिड जैविक प्रणालियों में कई तरह के काम करते हैं। ऊर्जा का भंडारण, कोशिका झिल्ली का निर्माण और कई जैव रासायनिक प्रक्रियाओं को स्थिर रखना। जब हम भोजन के साथ वसा लेते हैं, तो शरीर के भीतर उसे संभालने के लिए कई जटिल प्रक्रियाएं शुरू हो जाती हैं। इनमें पहली प्रक्रिया है लिपोजेनेसिस। यह फैट बनाने की प्रक्रिया है, जिसमें कोशिकाओं के साइटोप्लाज्म में एसिटाइल कोएंजाइम-ए से फैटी एसिड का निर्माण होता है। यह प्रक्रिया दो-दो कार्बन परमाणु जोड़ते हुए चलती रहती है, जब तक फैटी एसिड आवश्यक लंबाई तक न पहुंच जाए। इसके बाद अगला चरण आता है लिपोलिसिस। इसमें वसा छोटे-छोटे अणुओं मोनोग्लिसराइड्स और फ्री फैटी एसिड में टूटती है। इन अणुओं का उपयोग शरीर ऊर्जा के लिए करता है या उन्हें एडिपोज टिश्यू में जमा कर देता है। एडिपोज टिश्यू शरीर का एक विशेष ऊतक है, जिसमें ऊर्जा को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता है। यह संग्रह उस समय काम आता है, जब शरीर को लंबे समय तक भोजन नहीं मिलता या कोई संकट की स्थिति पैदा होती है। इसके बाद आता है एब्जॉर्प्शन अर्थात अवशोषण का चरण। छोटी आंत की भीतरी परत के एपिथेलियल सेल्स फैटी एसिड को अपने भीतर लेते हैं और उन्हें पैक करके शरीर के विभिन्न हिस्सों में भेजने के लिए तैयार करते हैं। यह पैकिंग प्रक्रिया अत्यंत व्यवस्थित होती है। जब यह 'माल' पैक हो जाता है, तो इसे शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाने के लिए वाहनों की जरूरत पड़ती है। शरीर में यह काम लिपोप्रोटीन्स करते हैं। लिपोप्रोटीन्स को उनके आकार और घनत्व के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है। इन्हें मोटे तौर पर उस गाड़ी की तरह समझा जा सकता है, जो लिपिड को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाती है। जब यह लिपिड अपने गंतव्य तक पहुंच जाते हैं, तब उनका भंडारण होता है ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें फिर से ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। ट्राइग्लिसराइड्स और अन्य लिपिड तब तक एडिपोज टिश्यू में रहते हैं, जब तक शरीर को उनकी आवश्यकता न हो। ये सारी प्रक्रियाएं शरीर में ऊर्जा संतुलन बनाए रखने, कोशिका झिल्ली की संरचना को स्थिर रखने और हार्मोन निर्माण को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक हैं। लिपिड मेटाबॉलिज्म का सही संचालन हमारी समग्र सेहत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आहार, व्यायाम और कई चयापचय संबंधी रोग इस पर प्रभाव डाल सकते हैं। यदि यह प्रक्रिया असंतुलित हो जाए, तो शरीर में कई बीमारियां जन्म लेने लगती हैं।

लगातार काम करती हैं मानव कोशिकाएं

मानव कोशिकाएं हजारों प्रकार के लिपिड बनाती हैं। इन सभी का सामूहिक रूप लिपिडोम कहलाता है। लिपिडोम की संरचना कोशिका की जरूरतों के अनुसार बदलती रहती है और यह कोशिका की पहचान तथा उसके विशेष कार्यों को निर्धारित करने में मदद करती है। लिपिड का वितरण कोशिका के भीतर अलग-अलग स्थानों पर होता है। कुछ लिपिड विशेष ऑर्गेनेल या माइक्रोडोमेन की झिल्लियों का निर्माण करते हैं। इस पूरे सिस्टम को व्यवस्थित रखने में कई प्रकार के लिपिड मेटाबॉलिज्म और ट्रांसपोर्ट सिस्टम शामिल होते हैं। इनमें एक महत्वपूर्ण भूमिका लिपिड ट्रांसफर प्रोटीन्स (LTPs) निभाते हैं। इन प्रोटीन्स की संरचना अलग-अलग होती है, लेकिन उनका काम लगभग समान होता है। वे कोशिका झिल्ली की परतों से विशेष लिपिड अणुओं को निकालते हैं और उन्हें अपने भीतर मौजूद हाइड्रोफोबिक पॉकेट में रख लेते हैं। इस तरह पानी में घुलने योग्य प्रोटीन-लिपिड कॉम्प्लेक्स बनते हैं, जो लिपिड को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाते हैं। इस प्रक्रिया को लिपिड मोबिलाइजेशन कहा जाता है। कई बार ये प्रोटीन केवल मुख्य लिपिड ही नहीं, बल्कि सहायक लिपिड भी साथ ले जाते हैं, जो विनिमय मुद्रा या सह-कारक की तरह काम करते हैं। इससे यह तय होता है कि लिपिड किस दिशा में जाएगा और किस जैव रासायनिक प्रक्रिया में भाग लेगा। लिपिड मेटाबॉलिज्म और उसका परिवहन वास्तव में सूक्ष्म स्तर

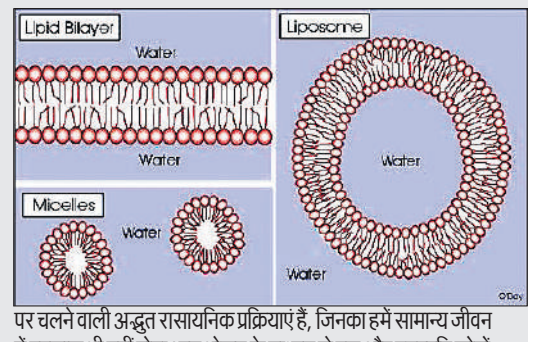

पर चलने वाली अद्भुत रासायनिक प्रक्रियाएं हैं, जिनका हमें सामान्य जीवन में एहसास भी नहीं होता। हम भोजन के माध्यम से पशु और वनस्पति स्रोतों से वसा ग्रहण करते हैं। इन दोनों में फैटी एसिड की श्रृंखलाएं अलग-अलग लंबाई की होती हैं। शरीर में ये अणु विभिन्न एंजाइमों और अम्लों की सहायता से टूटते-बनते रहते हैं। यह सब कुछ हमारी कोशिकाएं लगातार करती रहती हैं। वे कभी आराम नहीं करतीं। पुरानी और थकी हुई कोशिकाओं की जगह नई कोशिकाएं बनती रहती हैं और जीवन की यह रासायनिक मशीन चुपचाप चलती रहती है।

क्या कहते हैं वैज्ञानिक शोध

हाल के वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि मनुष्य के शरीर में कम से कम 131 प्रकार के लिपिड ट्रांसफर प्रोटीन होते हैं। इनकी गड़बड़ी कई बीमारियों से जुड़ी पाई गई है। वैज्ञानिक इन प्रोटीनों और उनके लिपिड कॉम्प्लेक्स को समझने के लिए उन्नत तकनीकों जैसे एफिनिटी प्यूरिफिकेशन और मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग कर रहे हैं। इन अध्ययनों से यह समझने की कोशिश की जा रही है कि कोशिकाओं के भीतर लिपिड का परिवहन और संतुलन कैसे बना रहता है। जब हम अपनी सेहत की जांच कराने डॉक्टर के पास जाते हैं, तो वह कई प्रकार के रक्त परीक्षण करवाने की सलाह देता है। रक्त में लगभग दो सौ से अधिक प्रकार के सूक्ष्म मेटाबोलाइट्स होते हैं, जिनकी उपस्थिति और मात्रा का पता आधुनिक मशीनों से लगाया जाता है। सामान्यत: किए जाने वाले परीक्षणों में पूर्ण रक्त गणना (CBC), रक्त शर्करा परीक्षण, लिपिड प्रोफाइल, लिवर फंक्शन टेस्ट और कॉम्प्रिहेंसिव मेटाबोलिक पैनल शामिल हैं। ये परीक्षण एनीमिया, मधुमेह, हृदय रोग, लिवर और किडनी की स्थिति जैसी कई बातों का संकेत देते हैं। इन जांचों के आधार पर डॉक्टर यह समझने की कोशिश करता है कि शरीर के भीतर चल रही जैव रासायनिक प्रक्रियाएं सही ढंग से काम कर रही हैं या नहीं, लेकिन सच यह है कि जब तक शरीर की प्राकृतिक क्षमता मजबूत रहती है, तब तक यह जटिल तंत्र अपने-आप संतुलित रहता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है और जीवनशैली असंतुलित होती है, यह संतुलन बिगड़ने लगता है। तब दवाइयों का सहारा लेना पड़ता है। आयुर्वेद में भी कहा गया है कि अधिकांश रोगों की शुरुआत पेट से होती है। आधुनिक विज्ञान भी अब इस बात की पुष्टि कर रहा है कि भोजन और चयापचय की प्रक्रिया हमारे स्वास्थ्य का मूल आधार है। इसलिए संतुलित आहार, सीमित वसा सेवन और नियमित व्यायाम शरीर की इन सूक्ष्म जैव रासायनिक प्रक्रियाओं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं। शरीर हमें अक्सर संकेत देता रहता है कि कौन-सी चीज हमारे लिए ठीक है और कौन-सी नहीं। इन संकेतों की अनदेखी करना लंबे समय में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

वाइल्ड लाइफ
मकाऊः वर्षा वनों का रंगीन और बुद्धिमान प्रहरी

मकाऊ तोते प्रकृति के सबसे आकर्षक और रंगीन पक्षियों में गिने जाते हैं। बड़े आकार, चमकीले रंगों और लंबी, खूबसूरत पूंछ के कारण ये तुरंत ध्यान खींच लेते हैं। तोते परिवार के अन्य पक्षियों से इन्हें अलग पहचान देने वाली एक खास विशेषता इनके चेहरे का वह हिस्सा है, जहां पंख नहीं होते। यह बिना पंखों वाला भाग हर प्रजाति में अलग-अलग आकार और पैटर्न में दिखाई देता है, जिससे उनकी पहचान और भी विशिष्ट हो जाती है। मकाऊ का आकार भी काफी विविध होता है। सबसे छोटे हैन मकाऊ की लंबाई लगभग 30 सेंटीमीटर (करीब 12 इंच) होती है, जबकि हायसिंथ मकाऊ दुनिया के सबसे बड़े तोतों में गिना जाता है और इसकी लंबाई लगभग 102 सेंटीमीटर (करीब 40 इंच) तक पहुंच सकती है।

इस विशालकाय मकाऊ का वजन लगभग 1550 से 1600 ग्राम तक होता है। अपने आकर्षक रूप और प्रभावशाली आकार के कारण यह पक्षी प्रकृति प्रेमियों के बीच विशेष लोकप्रिय है। भोजन की बात करें तो अधिकांश मकाऊ मुख्य रूप से बीज, मेवे और फलों पर निर्भर रहते हैं। उनकी मजबूत और शक्तिशाली चोंच उन्हें कठोर खोल वाले खाद्य पदार्थों को भी आसानी से तोड़ने में सक्षम बनाती है। ब्राजील नट्स जैसे सख्त छिलके वाले मेवे भी उनके लिए कोई बड़ी चुनौती नहीं होते। यही वजह है कि मकाऊ की चोंच को प्रकृति की अद्भुत रचनाओं में से एक माना जाता है। प्रजनन के समय मादा मकाऊ आमतौर पर एक से तीन अंडे देती है। अंडों से बच्चे निकलने में लगभग 26 से 29 दिन का समय लगता है, हालांकि यह अवधि प्रजाति के अनुसार थोड़ी अलग हो सकती है। रोचक बात यह है कि नर और मादा दोनों मिलकर अपने अंडों और चूजों की रक्षा करते हैं। वे अपने घोंसले आमतौर पर ऊंचे पेड़ों के खोखलों या चट्टानों की दरारों में बनाते हैं, जहां उनके बच्चों को सुरक्षित वातावरण मिल सके। मकाऊ सामाजिक और अत्यंत संवेदनशील पक्षी होते हैं।

मध्य और दक्षिण अमेरिका के वर्षावन इनके प्रमुख निवास स्थान हैं, हालांकि कुछ प्रजातियां अपेक्षाकृत शुष्क क्षेत्रों में भी पाई जाती हैं। जंगली इलाकों में मकाऊ अक्सर मिट्टी के ऊंचे ढेरों या पहाड़ियों पर इकट्ठा होते हैं, जिन्हें 'मकाऊ लिक्स' कहा जाता है। यहां वे झुंड बनाकर मिट्टी खाते हैं, जो उनके पाचन तंत्र के लिए लाभकारी मानी जाती है। इन पक्षियों की बुद्धिमत्ता भी उल्लेखनीय है। मकाऊ चंचल और जिज्ञासु होते हैं तथा वे मनुष्यों की आवाजों की नकल करने में भी सक्षम होते हैं। उड़ान में भी ये कम नहीं, ये लगभग 56 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उड़ सकते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देती हीलियम

हीलियम प्रकृति का एक अत्यंत रोचक और वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण तत्व है। सामान्य परिस्थितियों में यह एक हल्की और निष्क्रिय गैस के रूप में जानी जाती है, लेकिन अत्यधिक कम तापमान पर इसके गुण आश्चर्यजनक रूप से बदल जाते हैं। वैज्ञानिक प्रयोगों से पता चला है कि जब तरल हीलियम को उसके क्वथनांक, लगभग -60 डिग्री फारेनहाइट (लगभग - 268 .9 डिग्री सेल्सियस) से कुछ ही डिग्री कम तापमान तक ठंडा किया जाता है, तो यह एक विशेष अवस्था में पहुंच जाता है जिसे अतितरल (Superfluid) कहा जाता है। अतितरल अवस्था में हीलियम का व्यवहार सामान्य द्रवों से बिल्कुल अलग हो जाता है। इस अवस्था में वह बिना किसी घर्षण के प्रवाहित हो सकता है। यही कारण है कि यह किसी पात्र में डाले जाने पर केवल नीचे नहीं रहता, बल्कि धीरे-धीरे गिलास या बर्तन की भीतरी दीवारों पर चढ़कर ऊपर की ओर बढ़ने लगता है और किनारों से बाहर बह भी सकता है। देखने वाले को ऐसा लगता है मानो यह गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध कार्य कर रहा हो। इसके अतिरिक्त अतितरल हीलियम की एक और अद्भुत विशेषता यह है कि वह अत्यंत सूक्ष्म दरारों या अणु-आकार की पतली जगहों से भी रिस सकता है। सामान्य द्रव जिन दरारों से नहीं गुजर पाते, हीलियम उनसे आसानी से निकल जाता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं में इसे संभालना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। इन अद्भुत गुणों के कारण हीलियम का उपयोग अत्यंत निम्न तापमान वाले वैज्ञानिक प्रयोगों, क्वांटम भौतिकी के अध्ययन और शक्तिशाली चुंबकों को ठंडा रखने के लिए किया जाता है। हीलियम के बारे में एक और रोचक तथ्य यह है कि यह ब्रह्मांड में हाइड्रोजन के बाद दूसरा सबसे अधिक पाया जाने वाला तत्व है। सूर्य और अन्य तारों में इसकी बड़ी मात्रा मौजूद है। पृथ्वी पर भी यह प्राकृतिक गैस के कुछ स्रोतों में पाया जाता है और इसका उपयोग गुब्बारों, मौसम संबंधी उपकरणों तथा विभिन्न वैज्ञानिक उपकरणों में किया जाता है। हालांकि हीलियम को आमतौर पर सुरक्षित गैस माना जाता है, फिर भी इसका अनुचित उपयोग खतरनाक हो सकता है।

'इंजरी प्रिवेंशन' नामक पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति हीलियम को सीधे गुब्बारे से अंदर खींचता है, तो यह शरीर के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकता है। ऐसा करने पर कुछ क्षणों के लिए आवाज तीखी और पतली हो जाती है, क्योंकि हीलियम हवा की तुलना में हल्की होती है और ध्वनि की गति को बदल देती है, लेकिन यह मजाक कभी-कभी जोखिम भरा भी हो सकता है, क्योंकि हीलियम ऑक्सीजन की जगह ले सकती है और इससे सांस लेने में समस्या उत्पन्न हो सकती है। इसलिए, भले ही जन्मदिन की पार्टी में हीलियम भरे गुब्बारों से आवाज बदलकर सुनना लोगों को मनोरंजक लगे, फिर भी सुरक्षा की दृष्टि से उनसे दूरी बनाए रखना ही समझदारी है। हीलियम का वास्तविक महत्व उसके वैज्ञानिक गुणों और प्रयोगों में है, जो हमें प्रकृति के अद्भुत रहस्यों को समझने में मदद करते हैं।

ह्यूमैनॉइड रोबोट्सः विज्ञान की कल्पना से हकीकत तक

कृत्रिम बुद्धि के तेजी से बढ़ते विकास ने विज्ञान और तकनीक की दुनिया में एक नया अध्याय खोल दिया है। अब मशीनें केवल आदेश मानने वाले उपकरण नहीं रहीं, बल्कि वे समझने, प्रतिक्रिया देने और संवाद करने की क्षमता भी विकसित कर रही हैं। हाल ही में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो 2026 में प्रस्तुत ह्यूमैनॉइड रोबोट्स ने यह दिखा दिया कि भविष्य की दुनिया कितनी तेजी से बदल रही है। मानव की तरह दिखने वाले और कृत्रिम बुद्धि से संचालित ये रोबोट आपस में स्वतंत्र रूप से बातचीत कर सकते हैं, कई भाषाओं को समझ सकते हैं और मनुष्यों की भावनाओं को भी पहचान सकते हैं। यह प्रयोग केवल तकनीकी प्रदर्शन नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं की एक झलक भी है।

डॉ. राजीव अग्रवाल
वरिष्ठ लेखक

अब कृत्रिम बुद्धि से संचालित ह्यूमैनॉइड रोबोट्स अर्थात् मानव के समान दिखाई पड़ने वाले और कृत्रिम बुद्धि से युक्त यंत्र के विकास ने एक नई दिशा पकड़ ली है। ये रोबोट अब केवल आदेशों का पालन करने वाली मशीनें भर नहीं रह गए हैं, बल्कि वे स्वयं संवाद करने और परिस्थितियों को समझने की क्षमता भी प्राप्त कर रहे हैं। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो 2026 के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका के फ्रैंकफर्ट में आयोजित एक प्रदर्शन में रियलबॉटिक्स कंपनी के दो ह्यूमैनॉइड रोबोट्स के बीच हुई बातचीत ने वैज्ञानिक जगत का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

Aria और David नाम के इन दोनों रोबोट्स ने लगभग दो घंटे तक एक-दूसरे से निरंतर बातचीत की। इस पूरी बातचीत में न तो किसी पूर्व-लिखित स्क्रिप्ट का उपयोग किया गया था और न ही किसी मनुष्य का हस्तक्षेप था। दोनों रोबोट्स ने अपने कृत्रिम बुद्धि तंत्र के आधार पर स्वयं ही संवाद किया। इस बातचीत की एक विशेषता यह भी थी कि उन्होंने केवल अंग्रेजी में ही नहीं, बल्कि स्पेनिश, फ्रेंच और जर्मन भाषाओं में भी संवाद किया। यह दर्शाता है कि आधुनिक कृत्रिम बुद्धि प्रणालियां भाषा को केवल शब्दों के रूप में नहीं, बल्कि विचारों और अर्थों के रूप में भी समझने लगी हैं।

इसी प्रदर्शन में एक तीसरे रोबोट ने मनुष्यों के साथ भी संवाद किया। यह रोबोट सामने खड़े व्यक्ति की पहचान कर सकता था, उसकी गतिविधियों को ट्रैक कर सकता था और उसकी आवाज तथा चेहरे के भावों से उसकी भावनाओं का अनुमान लगा सकता था। विशेष बात यह थी कि इन रोबोट्स ने बातचीत के लिए इंटरनेट का सहारा नहीं लिया। उनके भीतर स्थापित कृत्रिम बुद्धि प्रणाली और स्थानीय डेटा ही इस संवाद का आधार थे।

इसका अर्थ यह है कि अब ऐसे रोबोट विकसित किए जा रहे हैं, जो स्वतंत्र रूप से सोचने और प्रतिक्रिया देने की क्षमता प्राप्त कर रहे हैं। इस प्रकार के प्रयोगों का महत्व केवल इतना नहीं है कि रोबोट आपस में बातचीत कर लेते हैं। असल महत्व इस बात का है कि ऐसे प्रयोग आगे आने वाले बड़े आविष्कारों की आधारशिला रखते हैं। विज्ञान के इतिहास में हम देखते हैं कि छोटे-छोटे प्रयोग और खोजें ही आगे चलकर बड़े परिवर्तन का कारण बनती हैं। कम्प्यूटर का आरंभ भी एक सीमित प्रयोग

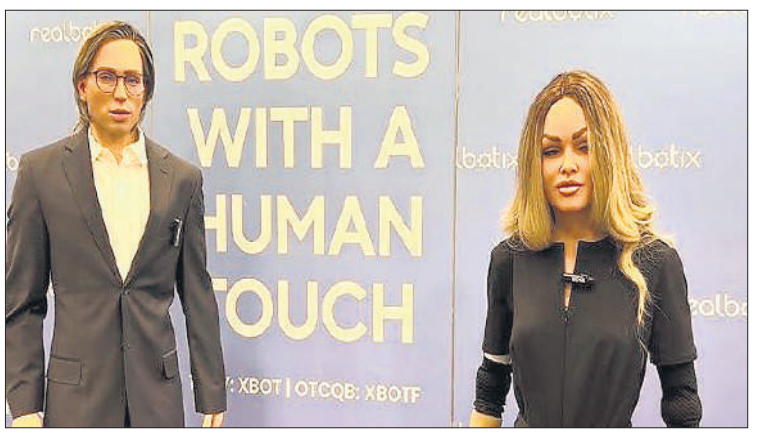

के रूप में हुआ था, लेकिन आज वही तकनीक पूरी दुनिया के जीवन को बदल चुकी है। मुझे एक प्रसिद्ध घटना याद आती है। बिजली के आविष्कार के बाद जब थॉमस अल्वा एडिसन एक बल्ब जलाने का प्रदर्शन कर रहे थे, तब एक महिला ने उनसे पूछा- "यह सब तो ठीक है, पर इसका लाभ क्या है?" इस पर एडिसन ने मुस्कराते हुए कहा-"मैडम, जब कोई बच्चा जन्म लेता है, तो उसका तत्काल लाभ क्या होता है?" इस उत्तर में एक गहरी सच्चाई छिपी थी।

कोई भी नई खोज अपने प्रारंभिक रूप में अधूरी और सीमित दिखाई दे सकती है, लेकिन समय, श्रम और निवेश के साथ वही खोज भविष्य की बड़ी उपयोगी तकनीक बन जाती है। आज ह्यूमैनॉइड रोबोट्स के साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। अभी वे प्रयोगशालाओं और प्रदर्शनियों तक सीमित दिखाई देते हैं, लेकिन धीरे-धीरे उनके उपयोग के नए क्षेत्र खुलते जा रहे हैं। महान वैज्ञानिक और विज्ञान कथा लेखक आइजक एसीमोव ने अपनी प्रसिद्ध 'रोबोट्स' और 'फाउंडेशन' श्रृंखला में जिस प्रकार के उन्नत रोबोट्स की कल्पना की थी, वह आज धीरे-धीरे वास्तविकता की ओर बढ़ती प्रतीत होती है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	76,034.42	23,639.15
बढ़त	829.29	227.70
प्रतिशत में	1.08	0.95

सोना 1,65,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,76,500 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 13 मार्च 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

साउथ इंडियन बैंक ने ईपीएफओ के साथ शुरू की ईपीएफ भुगतान सेवा

चेन्नई। निजी क्षेत्र के साउथ इंडियन बैंक ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के साथ मिलकर अपने इंटरनेट बैंकिंग मंच 'साइबरनेट' के जरिये कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) भुगतान सेवा शुरू की है। बैंक ने बयान में कहा कि इस एकीकरण से नियोक्ता और संस्थान अब बैंक के डिजिटल बैंकिंग मंच के माध्यम से ईपीएफ अंशदान का भुगतान आसानी से कर सकेंगे। नियोक्ता और संस्थान अब ईपीएफओ पोर्टल के जरिये बैंक की नेट बैंकिंग सुविधा का उपयोग कर ईपीएफ अंशदान, बकाया और संबंधित शुल्क का सीधे भुगतान कर सकते हैं।

अल्फाग्रेप को म्यूचुअल फंड कारोबार शुरू करने को सेबी की मंजूरी

नयी दिल्ली। निवेश कंपनी अल्फाग्रेप को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से म्यूचुअल फंड कारोबार शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही कंपनी खुदरा परिसंपत्ति प्रबंधन क्षेत्र में प्रवेश करेगी। कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि अल्फाग्रेप म्यूचुअल फंड के माध्यम से उसका उद्देश्य 'एल्गोरिदम' आधारित निवेश को अधिक लोगों तक पहुंचाना है, ताकि खुदरा निवेशकों को भी उन उन्नत एवं व्यवस्थित निवेश उपकरणों तक पहुंच मिल सके जो अब तक मुख्य रूप से संस्थागत निवेशकों तथा अत्यधिक उच्च संपत्ति वाले व्यक्तियों के लिए उपलब्ध थे।

16 मार्च को खुलेगा जीएसपी क्रॉप साइंस का आईपीओ

नयी दिल्ली। कृषि रसायन कंपनी जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड का 400 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 16 मार्च को खुलेगा। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि आईपीओ के लिए 304-320 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया है। आईपीओ 16 मार्च को खुलेगा और 18 मार्च को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 13 मार्च को बोली लगा पाएंगे।

एआई+ स्मार्टफोन, ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स ने किया समझौता

नयी दिल्ली। स्वदेशी प्रौद्योगिकी ब्रांड एआई+ स्मार्टफोन ने ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (ओईएल) के साथ भारत में 30 लाख मोबाइल उपकरणों के विनिर्माण के लिए साझेदारी करने की बृहस्पतिवार को जानकारी दी। दोनों कंपनियों द्वारा भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल के तहत अगले पांच वर्ष में करीब 125 करोड़ रुपये का संयुक्त निवेश किया जाएगा। इस समझौते के तहत ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के नोएडा स्थित संयंत्र में मोबाइल फोन, टैबलेट, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) उपकरण और उन्नत पहनने योग्य (वेयरएबल) उपकरण बनाए जाएंगे। उत्पादन बढ़ाने की प्रक्रिया अप्रैल 2026 से शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

अक्जोनोबेल का नाम अब जेएसडब्ल्यू डुलेक्स

नयी दिल्ली। पेंट और कोटिंग बनाने वाली कंपनी अक्जोनोबेल इंडिया का नाम बदलकर अब 'जेएसडब्ल्यू डुलक्स' हो गया है। कंपनी को कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) से इसके लिए आवश्यक मंजूरी मिल गई है।

हड़ताल

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में लुफ्थांसा के पायलट दो दिन की हड़ताल पर हैं। गुरुवार को एयरपोर्ट पर पार्क किए गए लुफ्थांसा एयरक्राफ्ट के पास से गुजरता एक आदमी। ● फोटो : एजेंसी

कीमतें घटाने को करेंगे 'स्ट्रैटेजिक पेट्रो रिजर्व' का इस्तेमाल : ट्रंप

पेरिस, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान युद्ध के कारण बढ़ी पेट्रोल की कीमतों को कम करने के लिए अमेरिका के 'स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व' का इस्तेमाल किया जाएगा।

सिनसिनाटी में एक स्थानीय चैनल को बुधवार को दिए साक्षात्कार में ट्रंप से जब भंडार के उपयोग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हम ऐसा करेंगे और फिर बाद में इसे फिर से भर देंगे।

उन्होंने कहा कि अभी हम इसे थोड़ा कम करेंगे और इससे कीमतें नीचे आएंगी। राष्ट्रपति ने हालांकि यह नहीं बताया कि अमेरिका अपने रिजर्व भंडार से कितने बैरल तेल जारी करेगा।

निवेशक की मृत्यु के बाद वारिसों के लिए दावा प्रक्रिया सरल बनाएगा सेबी

नयी दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने बृहस्पतिवार को निवेशक की मृत्यु के बाद वारिसों को प्रतिभूतियों के हस्तांतरण की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव किया। इस पहल से नामांकित व्यक्ति और कानूनी वारिस वित्तीय संपत्तियों पर आसानी से दावा कर सकेंगे।

सेबी के परामर्श पत्र के अनुसार, नियामक ने सरलीकृत दस्तावेजीकरण के लिए मौद्रिक सीमा में संशोधन करने और छोटे दावों के लिए सीधा और निर्बाध प्रसंस्करण (एसटीपी) तंत्र शुरू करने का सुझाव दिया है ताकि कागजी कार्रवाई कम हो सके और दावों के निपटान में तेजी आए। सेबी ने कहा कि सरलीकृत दस्तावेजीकरण के लिए मौजूदा सीमाएं बहुत पहले तय की गई थीं और प्रतिभूति बाजार की भारी वृद्धि और संपत्तियों की बढ़ी हुई कीमतों को देखते हुए मौजूदा सीमाओं की समीक्षा करने की तत्काल आवश्यकता है।

प्रस्तावित ढांचे के तहत एक सत्यापन योग्य मृत्यु प्रमाण पत्र में मूल प्रमाण पत्र, नामांकित व्यक्ति द्वारा सत्यापित प्रति, नोटरी या राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित प्रति या क्यूआर कोड वाला प्रमाण पत्र शामिल हो सकता है। कानूनी उत्तराधिकार प्रमाण पत्र तहसीलदार के पद से नीचे के राजस्व अधिकारी द्वारा जारी नहीं होना चाहिए।

सेबी ने मौद्रिक सीमा में संशोधन का प्रस्ताव दिया है। एसटीपी के तहत बहुत छोटे दावों के लिए सीमा भौतिक प्रतिभूतियों के लिए 10,000 रुपये और डीमैट प्रतिभूतियों के लिए 30,000 रुपये होगी। सरलीकृत दस्तावेजीकरण की सीमा भौतिक होल्डिंग के लिए बढ़ाकर 10 लाख रुपये और डीमैट होल्डिंग के लिए 30 लाख रुपये की जाएगी।

पश्चिम एशिया संकट से घबराए शेयर बाजार तेज गिरावट जारी, 829 अंक लुढ़का सेंसेक्स

निफ्टी भी 227.70 अंक गिरा, विशेषज्ञ बोले- फिलहाल अनिश्चितता बरकरार रहने के आसार

मुंबई, एजेंसी

ईरान युद्ध लम्बा खिंचने और खाड़ी क्षेत्र में तेल टैंकरों पर हमले की बढ़ती घटनाओं के बीच स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा और प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत के दायरे में लुढ़क गये। बाजार कल भी गिरावट में था। बीएसई30 में बिजली क्षेत्र की एनटीपीसी और पावरग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, टेक महिंद्रा और एचसीएल-इन छह शेयरों को छोड़ कर बाकी 24 कंपनियों के शेयर घाटे में बंद हुए।आज के कारोबार में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा, एयरलाइन, वित्तीय सेवा और वाहन कंपनियों के शेयरों में बिकवाली का जोर था। उपभोक्ता क्षेत्र के शेयर भी गिरावट में दिखे। बीएसई 30 सेंसेक्स बुधवार की तुलना में गुरुवार को और 829.29 अंक (1.08 प्रतिशत) गिर कर 76,034.42 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी 227.70 अंक (0.95 प्रतिशत) गिरकर 23,628.65 पर बंद हुआ।

बुधवार को भी सेंसेक्स 1,342.27 अंक लुढ़ककर 76,863.71 अंक और निफ्टी-50 सूचकांक 394.75 अंक टूटकर 23,866.85 अंक पर बंद हुआ था। बीएसई30 आज 76,369.65 पर खुला और कारोबार के दौरान ऊपर में 76,681.71 तथा नीचे में 75,871.18 तक गया। इसी तरह आज निफ्टी-50 सूचकांक 23,674.85 पर खुल कर ऊपर में 23,833.15 और नीचे में 23,556.30 तक गया था। आज के कारोबार में गिरावट महिंद्रा एंड महिंद्रा में दिखी। यह शेयर 4.23 प्रतिशत टूट कर 3032.80 पर बंद हुआ। मारुति 3.60 प्रतिशत टूट कर 13016 रुपये पर टिका। एल एंड टी और अल्ट्राटेक सीमेंट भी 3 प्रतिशत से अधिक के घाटे में बंद हुए। इंडिगो का शेयर 2.26 प्रतिशत नीचे आया। बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा 2.19 प्रतिशत की गिरावट आईसीआईसीआई बैंक में रही। कोटक बैंक, एक्सिस बैंक एसबीआई ओर एचडीफसी बैंक भी हानि में बंद हुए। बजाज फिन सर्व भी हानि में रहा। रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान बेचने वाली दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान लीवर का शेयर 1.22 प्रतिशत टूट गया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के सम्पत्ति प्रबंध प्रभाग के अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार के निकट भविष्य में अस्थिर बने रहने के आसार हैं।

पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से निवेशकों की संपत्ति 23.44 लाख करोड़ रुपये घटी

नयी दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक निवेशकों की संपत्ति 23.44 लाख करोड़ रुपये घट गयी है। अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले से शेयर बाजारों में तेज गिरावट आई है और बीएसई सेंसेक्स छह प्रतिशत से अधिक नीचे आया है। इस संघर्ष के कारण फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित संकरे जलमार्ग, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इससे वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 6.66 प्रतिशत बढ़कर 98.11 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। शेयर बाजार में 27 फरवरी से, 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 5,252.77 अंक यानी 6.46 प्रतिशत नीचे आया है। इस दौरान बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 23,44,237.26 करोड़ रुपये घटकर 4,40,06,434.01 करोड़ रुपये (4,770 अरब डॉलर) हो गया।

बाजार पर पश्चिम एशिया के संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली का प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा आपूर्ति में संभावित बाधा की चिंताएँ तब बढ़ गईं जब ब्रेंट क्रूड लगभग 9 प्रतिशत उछलकर 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया। यह वृद्धि उन खबरों के बाद आयी है कि ईरान की विस्फोटक से लैस नौकाओं ने दो ईंधन टैंकर-पोत पर हमले किये और कुछ तेल बंदरगाहों पर संचालन रोक दिया गया। इसने वहां संघर्ष के बीच आपूर्ति को लेकर चिंताओं को और बढ़ा दिया है। श्री खेमका ने कहा कि आज मिडकैप 100 सूचकांक में 0.4 प्रतिशत और स्मॉलकैप 100 में में 0.7 प्रतिशत की गिरावट यह दर्शाती है कि बाजार में व्यापक स्तर पर बिकवाली हुई।

मार्च में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भारतीय बाजार में लगातार शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। एफआईआई ने स्थानीय बाजार से अब तक लगभग 39,116 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है।

ग्रामीणों के लिए हमेशा उपलब्ध रहने वाले बनें ग्रामीण बैंक: वित्त मंत्रालय

कहा-आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करें

नयी दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) को सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचनाओं यानी आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने तथा मिल कर काम करने के लिए कंसोर्टियम आधारित दृष्टिकोण अपनाने को कहा ताकि वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिन-रात बेहतर सेवा कर सकें।

भारतीय बैंक संघ (आईबीए) ने डीएफएस के मार्गदर्शन में राजधानी में आरआरबी में अगली पीढ़ी के सुधार-चुनौतियां और अवसर विषयक सम्मेलन में इन बैंकों के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों की दिशा में अवसरों, चुनौतियों और रोडमैप पर विचार-विमर्श किया गया। इसका उद्देश्य उनकी अवसंरचना और कार्यप्रणाली मजबूत बनाना है।

विकसित भारत 2027 के लक्ष्य में आरआरबी की भूमिका के महत्व पर भी चर्चा की गयी। वित्त मंत्रालय की आरे से गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस कार्यक्रम में डीएफएस के संयुक्त सचिव आशीष माधवराव मोरे ने कंसोर्टियम आधारित दृष्टिकोण को मजबूत करने और आईटी अवसंरचना के आधुनिकीकरण पर जोर दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि सभी आरआरबी का दृष्टिकोण ऐसा होना चाहिए कि वे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध रहने वाले बैंक के रूप में कार्य करें।

उन्होंने आरआरबी से आग्रह किया कि वे नवोन्मेषी पहुंच कार्यक्रमों, सहकर्मी सर्वोत्तम विधियों, स्थानीय भाषाओं के अनुकूल डिजिटल सेवाओं तथा डिजिटल चैनलों पर बनाए गये प्रतिक्रिया तंत्र के माध्यम से ग्राहकों के साथ जुड़ाव को बढ़ाएं।

चार करोड़ लीटर अतिरिक्त कैरोसिन राज्यों को आवंटित

नयी दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के विकल्प के रूप में राज्यों को अतिरिक्त 40,000 किलोलीटर केरोसिन (मिट्टी का तेल) आवंटित किया गया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने यहां संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों द्वारा चिह्नित लाभार्थियों को कुछ और वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि देश में कच्चे तेल की आपूर्ति की स्थिति फिलहाल संतोषजनक है और करीब एक लाख पेट्रोल पंप में कहीं भी ईंधन खत्म होने की स्थिति नहीं है।

यह बयान पश्चिम एशिया संकट के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आने वाले तेल एवं गैस आयात के काफी हद तक बाधित हो जाने के बीच आया है। इसकी वजह से रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत की शिकायतें सामने आ रही हैं।

एलपीजी संकट: ईंधन विकल्पों पर विचार कर रहीं कंपनियां

नयी दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण एलपीजी आपूर्ति में पैदा हुए व्यवधानों से निपटने को डिब्बाबंद खाद्य उत्पाद बेचने वाली कंपनियां अब इलेक्ट्रिक उपकरणों और जैव ईंधन जैसे विकल्पों पर विचार कर रही हैं। बालाजी वेफर्स, गोपाल स्नैक्स और ठेके पर खाद्य उत्पाद बनाने वाली कंपनी कम्पास इंडिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि वे हालात से निपटने के लिए संबंधित सरकारी निकायों के संपर्क में हैं और वैकल्पिक ईंधन के उपयोग पर विचार कर रही हैं। बालाजी वेफर्स के चंदू विरानी ने कहा कि हम ईंधन को बदलने और तरल विकल्प का उपयोग करने पर विचार कर रहे हैं।

अमेरिका ने शुरू की भारत, जापान चीन और यूरोपीय संघ के खिलाफ जांच

न्यूयॉर्क, एजेंसी

● **अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं ये सभी, बांग्लादेश, कंबोडिया, इंडोनेशिया समेत कुल 16 देश हैं जांच के दायरे में**

अमेरिका ने भारत, चीन, जापान और यूरोपीय संघ जैसे अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ जांच शुरू की है। इसका उद्देश्य उन अनुचित विदेशी प्रथाओं का पता लगाना है जिनसे अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301(बी) के तहत विभिन्न देशों की नीतियों, कार्यों तथा प्रथाओं की जांच शुरू करने की घोषणा की। यह जांच विनिर्माण क्षेत्रों में संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता एवं अत्यधिक उत्पादन से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित है। यह जांच बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, यूरोपीय संघ, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, मेक्सिको, नॉर्वे, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ताइवान, थाईलैंड और वियतनाम के खिलाफ शुरू की गई है। यूएसटीआर ग्रीर ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि जांच के दौरान यह तय किया जाएगा कि इन देशों की नीतियां और प्रथाएं अनुचित या भेदभावपूर्ण हैं या नहीं और क्या वे अमेरिकी व्यापार पर बोझ डालती हैं या उसे सीमित करती हैं। ग्रीर ने कहा कि अमेरिका अब अपने औद्योगिक आधार को उन देशों के लिए बलिदान नहीं करेगा, जो अतिरिक्त उत्पादन एवं क्षमता की अपनी समस्याएं हमारे यहां निर्यात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह जांच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस संकल्प को दर्शाती है, जिसके तहत महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को फिर से अमेरिका में स्थापित करने एवं अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्रों में बेहतर वेतन वाली नौकरियां उत्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा है।

यूएसटीआर ने इन देशों की सरकारों से परामर्श का अनुरोध किया है। इन जांचों पर टिप्पणियां 17 मार्च से दर्ज की जाएंगी जबकि सुनवाई पांच मई 2026 से शुरू होगी।

रूस की ईंधन निर्यात से सात अरब डॉलर की कमाई

मॉस्को, एजेंसी। ईरान युद्ध के दौरान रूस ने कच्चे तेल एवं गैस के निर्यात से लगभग सात अरब अमेरिकी डॉलर की कमाई की है। शोध संस्थान सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने पाया कि रूस का दैनिक राजस्व फरवरी की तुलना में औसतन 14 प्रतिशत अधिक रहा है।

यूरोप का शोध संस्थान वास्तविक समय में रूस के जीवाश्म ईंधन निर्यात राजस्व पर नजर रखता है। यह विश्लेषण बृहस्पतिवार को उर्गेवाल्ड नामक एक जर्मन गैर-लाभकारी संस्था ने प्रकाशित किया था। संस्था जीवाश्म ईंधन वित्तपोषण के खिलाफ अभियान चलाती है।

बांध के ऊपरी जलक्षेत्रों और जलाशयों में किया जाएगा मछली पालन, निर्देश जारी

नयी दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने कहा है कि मत्स्य पालन विभाग (डीओएफ) ने विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत बाँध के ऊपरी क्षेत्रों और जलाशयों में मत्स्य पालन और जलीय कृषि को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाये हैं।

मछली पालन की इन अप्रयुक्त सुविधाओं और संसाधनों का लाभ उठाने के लिए, मत्स्य पालन विभाग ने सभी राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों और हितधारकों के परामर्श से जलाशय मत्स्य पालन प्रबंधन के लिए मॉडल दिशानिर्देश तैयार किए हैं और कार्यान्वयन के लिए सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को भेजे हैं। यह जानकारी मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में दी। बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत, सरकार ने जलाशय मत्स्य पालन और जलीय कृषि को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यों का समर्थन किया है।

इनमें 62,836 पिंजरों की स्थापना, 545 हेक्टेयर पेन का निर्माण, 3.0 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फिंगरलिंग का संचयन और 2,171.37 करोड़ रुपये की लागत से 23 जलाशयों का एकीकृत विकास शामिल है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने जुटाया 50 करोड़ डॉलर का ऋण

नयी दिल्ली, एजेंसी। बैंक ऑफ बड़ौदा ने गिफ्ट सिटी स्थित अपने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) बैंकिंग इकाई के माध्यम से 50 करोड़ डॉलर का पांच साल का ऋण जुटाया है। इस ऋण में एशिया के प्रमुख बाजारों के निवेशकों ने भागीदारी की।

यह करीब एक वर्ष के अंतराल के बाद वैश्विक कर्जदाताओं के समूह के ऋण बाजार में बैंक की वापसी को दर्शाता है। इस तरह का ऋण एक ऐसी वित्तीय व्यवस्था है जिसमें ऋणदाताओं का एक समूह (जिसे सिंडिकेट कहा जाता है) मिलकर एक ही उधारकर्ता को बड़ी राशि का ऋण प्रदान करता है। बैंक ने बृस्पतिवार को बयान में कहा कि इस सुविधा से प्राप्त राशि का उपयोग सामान्य बैंकिंग और कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

बॉब वूमेन सफायर एकाउंट : ऐसा खाता जहां कैंसर भी कवर है

बैंक ऑफ बड़ौदा ने महिलाओं के लिए शुरू किया प्रीमियम बचत खाता, मिलेगा और भी बहुत कुछ

मुंबई। भारत के अंतर्राष्ट्रीय बैंक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने महिलाओं के लिए एक विशेष प्रीमियम बचत खाता बॉब वूमेन सफायर सेविंग एकाउंट का शुभारंभ किया है। यह एक प्रीमियम रेंज का बैंक खाता है जो विशिष्ट वर्ग की महिलाओं को विशेष सुविधाएं प्रदान करता है।

यह खाता 10 लाख तक की कैंसर देखभाल कवरेज योजना, परिवार के छह सदस्यों के लिए निःशुल्क ऑनलाइन चिकित्सकीय परामर्श तथा दवाओं एवं पैथोलॉजी टेस्ट पर रियायतों सहित सेहत से जुड़े कई लाभ प्रदान करता है। साथ ही श्रेष्ठ बैंकिंग और जीवन शैली से जुड़े लाभ भी इसके खाताधारक को मिलते हैं।

इस खाते के शुभारंभ की घोषणा करते हुए बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. देबदत्त चांद ने कहा कि बॉब वूमेन सफायर बचत खाता सार्थक, महिला-केंद्रित वित्तीय समाधान उपलब्ध कराने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा उद्देश्य प्रीमियम बैंकिंग तथा लाइफस्टाइल सुविधाओं को सेहत से जुड़े फ़ायदों के साथ जोड़ते हुए, महिलाओं की बदलती आकांक्षाओं को पूरा करना है और साथ हीप्रगतिशील महिला वर्ग के साथ हमारा जुड़ाव सुदृढ़ करते हुए जमा संग्रहण पर ध्यान देना है।

यदि आप इस विशेष खाते की सुविधाएं प्राप्त करना चाहती हैं तो इसके लिए आपको खाते में प्रतिमाह कम से कम एक लाख रुपये के लेनदेन का औसत रखना होगा। आइए जानते हैं इस खाते से जुड़ी हर बात जो आपको जाननी चाहिए।

खाते की मुख्य विशेषताएं-

मासिक औसत शेष : 1 लाख

नि:शुल्क कैंसर देखभाल कवरेज* : 10.00 लाख (18 वर्ष से 60 वर्ष की आयु की महिलाओं के लिए)

सेहत से जुड़े लाभ : परिवार के 6 सदस्यों के लिए नि:शुल्क ऑनलाइन चिकित्सकीय परामर्श; दवाओं पर 15% तक की रियायत; पैथोलॉजी टेस्ट पर 20%तक की रियायत

बॉब भूमि रुपे सेलेक्ट डेबिट कार्ड–नि:शुल्क कार्ड जारी, घरेलू हवाई अड्डे पर लाउंज एक्सेस, स्वास्थ्य जांच, जिम सदस्यता, स्पा/सैलून, उबर कूपन, ओटीटी सदस्यता

इसके अतिरिक्त कुछ शर्तों के साथ...

बॉब कार्ड टियारा क्रेडिट कार्ड : प्रथम वर्ष के शुल्क में 50% रियायत (रिवॉर्ड पॉइंट के रूप में), नि:शुल्क महिला स्वास्थ्य पैकेज, वैयक्तिक दुर्घटना कवरेज, मिंत्रा, नायका, फ्लिपकार्ट, लेक्मे आदि के वाउचर्स, घरेलू हवाई अड्डे परअसीमित नि:शुल्क लाउंज एक्सेस

गृह ऋण : गृह ऋण प्रोसेसिंग प्रभार पर 50% की रियायत

लॉकर सुविधा : लॉकर प्रभार पर 20 प्रतिशत की रियायत, अधिकतम 500 तक

वर्ल्ड ब्रीफ

जम्मू: पाकिस्तानी ड्रोन से गिराई 12 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद

जम्मू। जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराई गई करीब दो किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 12 करोड़ रुपये आंकी गई है। अधिकारियों के अनुसार, जम्मू पुलिस और बीएसएफ की 101वीं बटालियन ने बुधवार देर रात बिश्नाह क्षेत्र के बहादुरपुरा गांव में एक खेत से यह हेरोइन बरामद की। पुलिस ने बताया कि सूचना पर कार्रवाई करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया गया। इस दौरान रस्सी और हुक से जुड़ा एक बैग बरामद हुआ जिसमें हेरोइन के छोटे पैकेट थे। पुलिस ने इस बरामदगी को मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि करार दिया है। जहां यह हेरोइन गिराई गई थी वह अंतरराष्ट्रीय सीमा से कुछ ही किलोमीटर दूर स्थित है।

इथियोपिया: भूस्खलन के कारण 50 लोगों की मौत, 125 लापता

अदीस अबाबा। दक्षिणी इथियोपिया के तीन जिलों में एक सप्ताह तक हुई भारी बारिश के बाद भूस्खलन के कारण 50 लोगों की मौत हो गई और 125 लापता हैं। गामो जोन के आपदा प्रतिक्रिया निदेशक मेसफिन मनुका के अनुसार, भूस्खलन गामो जोन में हुआ और तीन जिले गाचो बाबा, कम्बा और बोंके प्रभावित हुए। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान के दौरान एक व्यक्ति को कीचड़ से जिंदा बाहर निकाला गया। गाचो बाबा जिले के संचार प्रमुख अबेबे अगेना ने बताया कि मरने वालों में से ज्यादातर के शव कीचड़ में दबे हुए पाए गए। उन्होंने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि भूस्खलन से कितने मकान प्रभावित हुए हैं।

पाकिस्तान में मोर्टार में विस्फोट के कारण पांच लोगों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान की सीमा से सटे एक रिहायशी इलाके में बुधवार देर रात मोर्टार का गोला फटने से एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। यह घटना अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर जिले की तिराह घाटी के सेरी कंदाओ इलाके में हुई। अज्ञात दिशा से दागा गया मोर्टार का गोला रिहायशी इलाके में आकर गिरा जिससे पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हमले में नियाज बादशाह नाम का व्यक्ति, उसके दो बेटे, उसका भतीजा और पोता मारे गए। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

सेनेगल में समलैंगिक संबंधों पर अब होगी 10 साल तक की सजा

दकार, एजेंसी

- संसद में विधेयक पारित, पहले 5 साल की सजा का था प्रावधान

सेनेगल की संसद ने बुधवार को समलैंगिक संबंधों के लिए अधिकतम सजा को दोगुना करते हुए 10 साल तक की जेल का प्रावधान करने वाला विधेयक पारित कर दिया। नेशनल असेंबली में भारी बहुमत से पारित इस विधेयक को कानून बनने के लिए अब राष्ट्रपति बासिरौ डियोमाये फेय की मंजूरी मिलनी बाकी है।

इस विधेयक में समलैंगिक संबंधों को बढ़ावा देने या वित्तपोषित करने के दोषियों के लिए भी आपराधिक दंड शामिल है। विधेयक में ''प्रकृति के विरुद्ध कृत्य'' (समलैंगिक संबंधों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द) के लिए सजा को बढ़ाकर 5 से 10 साल कर दिया गया है, जबकि पहले यह 1 से 5 साल थी। इसके साथ ही, समलैंगिक संबंधों का समर्थन करने पर किसी भी व्यक्ति के लिए तीन से सात साल की जेल का प्रावधान है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, फरवरी से अब तक देश में समलैंगिक निरोधक कानूनों के तहत दर्जनों पुरुषों को गिरफ्तार किया गया है।

कई घंटों की बहस के बाद, सांसदों ने इसके पक्ष में 135 मत डाले, जबकि तीन सांसद अनुपस्थित रहे और विरोध में एक भी मत नहीं पड़ा। बहस के दौरान सांसद डियारे बा ने कहा, इस देश में अब समलैंगिक सांस नहीं ले पाएंगे। उन्हें अभिव्यक्ति की आजादी नहीं मिलेगी।

चर्चाओं में अटका हुआ एक कानून

समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी देश में कई वर्षों से चर्चाओं में है, लेकिन न अभी कानून की शक्ल ले पाया है, न ही केंद्रीय स्तर पर इसके लागू होने की कोई संभावना नजर आ रही है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की केंद्र के लिए उल्लिखित टिप्पणी की कि देश में यूसीसी लागू करने का समय आ गया है। इससे से यह मुद्दा फिर चर्चा में आ गया। हालांकि इसके बाद केंद्र की ओर से अभी कोई स्थिति साफ नहीं की गई है कि वह इसे कानून का रूप देने के लिए क्या कदम उठाएगा। दरअसल, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में उल्लेख है कि राज्य पूरे भारत में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। इसी आधार पर राजनीतिक रूप से यूसीसी लागू करने की घोषणाएं हुईं, लेकिन ठोस पहल नहीं हुई। इस बीच उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य जरूर बन गया।

यूसीसी का भविष्य

देश भर में हुआ था विरोध

घोषणाएं और वास्तविकता

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे सेक्युलर सिविल कोड नाम देते हुए कहा था कि देश को एक ऐसा कानून चाहिए जो धार्मिक भेदभाव खत्म करे।
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्पष्ट रूप से घोषणा कर चुके हैं कि भाजपा सरकार अपने कार्यकाल के भीतर देशभर में यूसीसी लागू करेगी।
- देश की विशाल धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता के कारण सर्वसम्मत कानून बनाना चुनौतीपूर्ण, राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी भी रही।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का क्या है मतलब

- सुप्रीम कोर्ट ने 10 मार्च 2026 को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि अब देश में यूसीसी लागू करने का समय आ गया है।
- कोर्ट ने माना कि पर्सनल लॉ जैसे शरीयत एक्ट 1937 के कारण महिलाओं को विरासत जैसे अधिकारों में भेदभाव से जूझना पड़ता है।
- अलग-अलग पर्सनल लॉ कई बार कानूनी उलझनें पैदा करते हैं। इसलिए संसद को यूसीसी के जरिए नया ढांचा तैयार करना चाहिए।

यह हो सकता है सरकार का रुख

- सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणी के बाद केंद्र सरकार पर संसद में राष्ट्रीय स्तर पर बिल को लाने का दबाव बढ़ा है।
- सरकार 22वें विधि आयोग के जरिए समावेशी मसौदा तैयार करने को धार्मिक समूहों के साथ चर्चा कर सकती है।
- उत्तराखंड की तरह अन्य भाजपा शासित राज्य भी अपने यहां यूसीसी लागू करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

फिलहाल ये है स्थिति

- केंद्र सरकार और उसके मंत्रियों ने कई घोषणाएं तो की हैं लेकिन देश भर में यूसीसी लाने के लिए अभी तक कोई अंतिम आधिकारिक मसौदा सार्वजनिक नहीं किया है।
- 22वें भारतीय विधि आयोग को मसौदा तैयार करने का काम सौंपा गया था। आयोग ने जून 2023 में जनता और धार्मिक संगठनों से सुझाव मांगे थे, जिसमें 19 लाख प्रतिक्रियाएं मिलीं।
- रिपोर्ट्स के अनुसार, विधि आयोग का काम अंतिम चरण में है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर विधेयक पेश करने से पहले सरकार अभी भी विभिन्न समुदायों के साथ परामर्श चरण में है।

कानून का विरोध क्यों

- विरोधियों का तर्क है कि यह अनुच्छेद 25 यानी धर्म को मानने और अभ्यास करने की स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है।
- उनका कहना है कि यह भारत की अनेकता में एकता की भावना और समुदायों की विशिष्ट परंपराएं नष्ट कर सकता है।
- कई जनजातीय समूहों को डर है कि उनके विशेष रीति-रिवाज और सुरक्षात्मक कानून यूसीसी के आने से प्रभावित होंगे।

एलपीजी संकट : देश में 50 प्रतिशत से ज्यादा घटा स्विगी-जोमैटो का कारोबार

बेरोजगार हुए गिग वर्कर्स ने मांगी 10,000 रुपये की राहत और आईडी सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में एलपीजी संकट के चलते स्विगी और जोमैटो जैसे फूड डिलीवरी फार्मों की हालत खराब हो गई है। ऑर्डर में 50 से 60 प्रतिशत तक की गिरावट का हवाला देते हुए 'गिग एवं प्लेटफॉर्म सेवा कर्मचारी संघ' (जीआईपीएसडब्लूयू) ने गुरुवार को फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्मों से मुआवजे और आईडी निलंबन से सुरक्षा की मांग की है।

श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को लिखे पत्र में संघ ने कहा कि कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की कमी से रेस्तरां, ढाबों, क्लाउड किचन, कैटरिंग सेवाओं और स्ट्रीट फूड बंद हो गए हैं। इससे उनकी आजीविका गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। ज्यादातर गिग वर्कर्स घर के जरूरी खर्चों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। संघ के प्रवक्ता निर्मल गोराना ने कहा, हमारे सदस्य भुखमरी की कगार पर हैं। उननके परिवार दो वक्त की रोटी को तरस रहे हैं और बच्चे भूखे सो रहे हैं। तय वेतन और सामाजिक सुरक्षा न होने के कारण गिग कर्मचारी इस मंदी की सबसे ज्यादा मार झेल रहे हैं।

गोराना ने कहा, दिन भर में 30 डिलीवरी से गिरकर अब 5-10 रह गई हैं, ऊपर से कंपनियां आईडी निलंबित करने की धमकी दे रही हैं। संघ ने कहा कि इस मंदी का असर खाद्य आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े अन्य कर्मचारियों पर भी पड़ रहा है। टैक्सी सेवा ड्राइवरों को रेस्तरां से मिलने वाले फेरों में कमी आई है, क्लाउड किचन में काम करने वाले कर्मचारियों की नौकरियां जा रही हैं। गोराना ने कहा, लगभग एक करोड़ कर्मचारी इससे प्रभावित हो रहे हैं।

मुंबई में बृहस्पतिवार को सिर पर लादकर गैस सिलेंडर ले जाती एक महिला।

दिल्ली: कई रेस्टोरेंट पर पर सिर्फ राजमा-चावल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में एलपीजी की अनुपलब्धता का रेस्टोरेंट और ढाबों पर पड़ने लगा है। कई रेस्टोरेंट ने अपने मेन्यू को सीमित कर दिया है। कनॉट प्लेस में एक प्रसिद्ध रेस्टोरेंट ने नोटिस लगाया गया है कि गैस सिलेंडर न होने की वजह से मेन्यू में विकल्प सीमित हैं। कई ढाबों पर लगाएगए पोस्टर पर लिखा है कि सिर्फ राजमा चावल और कढ़ी चावल ही उपलब्ध है क्योंकि गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हैं। इस बीच, दिल्ली सरकार ने कहा है कि राजधानी में ईंधन आपूर्ति की कुल स्थिति सामान्य बनी हुई है।

निर्यात इकाइयों प्राथमिकता से मिले गैस : फियो

नई दिल्ली। निर्यातकों के निकाय फियो ने बृहस्पतिवार को सरकार से निर्यात-उन्मुख विनिर्माण इकाइयों को प्राथमिकता के आधार पर एलपीजी और प्राकृतिक गैस आवंटित करने का आग्रह किया है। फियो के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय को पत्र लिखा है क्योंकि 'विनिर्माण निर्यातक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इनके लिए ईंधन के रूप में एलपीजी और प्राकृतिक गैस का आवंटन प्राथमिकता के आधार पर करने की तत्काल आवश्यकता है।

बिहार में सिलेंडर के लिए लंबी कतारें, अधिकारियों ने कहा- कोई कमी नहीं

पटना। बिहार के कई जिलों में बृहस्पतिवार को गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की लंबी कतारें देखी गईं। हालांकि, प्रशासन ने दावा किया कि एलपीजी सिलेंडर की कोई कमी नहीं है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को कहा था कि केंद्र और राज्य सरकार लोगों को एलपीजी सिलेंडर की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए काम कर रही है। उधर, शिवहर जिले में लछका पुल के पास लोगों ने सिलेंडरों की कालाबाजारी के विरोध में प्रदर्शन भी किया।

केंद्र के खिलाफ मार्च निकालेंगी ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बढ़ते उर्जा संकट के लिए केंद्र की नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए अगले सप्ताह कोलकाता में विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। पार्टी के अनुसार, ममता केंद्र द्वारा स्थिति को संभालने में नाकाम रहने के खिलाफ सोमवार को सड़कों पर उतरेंगी। हालांकि, इसका स्थान अभी तय नहीं किया गया है।

देश में घरेलू गैस के संकट के खिलाफ विपक्ष के सांसदों ने बृहस्पतिवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

गैस संकट के खिलाफ संसद परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने देश में एलपीजी के संकट को लेकर बृहस्पतिवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। संसद के मकर द्वार के निकट कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रमुक और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसद एकत्र हुए और उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने 'मोदी जी एलपीजी' के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने गैस सिलेंडर की आकृति वाली तख्तियां भी ले रखी थीं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि ईंधन संकट को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है लेकिन वह ख़ुद अलग कारणों से घबराए हुए नज़र आ रहे हैं।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में एलपीजी संकट पर हंगामा, 30 विधायक निलंबित

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में बृहस्पतिवार को मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने कहा कि राज्य में लोगों को रसोई गैस सिलेंडर किल्लत का सामना करना पड़ रहा है और इस विषय पर चर्चा की मांग की। सभापति ने उनकी मांग स्वीकार नहीं की, जिसके बाद कांग्रेस विधायक आसन के सामने आकर नारेबाजी करने लगे। सदस्यों के आसन के समीप आने पर नियमों के तहत उन्हें निलंबित कर दिया गया। बाद में सभापति ने कांग्रेस के 30 सदस्यों के निलंबित होने की जानकारी दी। कुछ ही देर बाद उनका निलंबन रद्द कर दिया गया। शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए, विपक्ष के नेता चरणदास महंत ने कहा कि राज्य में रसोई गैस सिलेंडर की कमी हो रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पहले भरोसा दिलाया था कि छत्तीसगढ़ में किसी भी तरह की कमी नहीं होगी, लेकिन अगले ही दिन कीमतें बढ़ा दी गईं।

ओडिशा में विधानसभा तीन बार हुई स्थगित

भुवनेश्वर। एलपीजी संकट और सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के विरोध में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण गुरुवार को ओडिशा विधानसभा की कार्यवाही काफी बाधित हुई। सदन में भारी हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी को कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी और अंतत: सदन को शाम चार बजे तक के लिए निलंबित कर दिया गया। प्रश्नकाल में कांग्रेस सदस्य हाथों में तख्तियां लिए सदन के बीचोंबीच आ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

अश्वेतों के मुद्दे पर दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका के बीच तनातनी

प्रिटोरिया, एजेंसी

- अमेरिकी राजदूत ने की थी अश्वेतों को सशक्त बनाने की नीतियों की आलोचना
- दक्षिण अफ्रीका ने तलब करके जताई नाराजगी ट्रंप भी कर चुके हैं विवादित टिप्पणी

दक्षिण अफ्रीका ने अमेरिकी राजदूत को उनकी गैर-राजनयिक टिप्पणियों पर नाराजगी जताते हुए ष्टीकरण देने के लिए तलब किया है। यह विवाद दक्षिण अफ्रीका की नस्लीय नीतियों एवं अदालती फैसलों पर राजदूत की टिप्पणी के बाद शुरू हुआ है। कंजर्वेटिव दूत ब्रेंट बोझेल ने पिछले महीने ही यहां अपना पद संभाला है।

दक्षिण अफ्रीका के अमेरिकी सहयोगी इजराइल के खिलाफ नरसंहार का मामला दर्ज कराने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विवादित बयान के बाद कि श्वेत अफ्रीकी प्रताड़ित किए जा रहे हैं, दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में पहले से ही दरार आ चुकी है। मंगलवार को अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में नए राजदूत ने रंगभेद काल के नारे 'किल द बोअर, किल द फार्मर' को 'हेट स्पीच' करार दिया और अश्वेत दक्षिण अफ्रीकियों को सशक्त बनाने वाली नीतियों की आलोचना की। दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला ने कहा, हमने अमेरिका के राजदूत बोझेल को उनकी गैरराजनयिक टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण देने के लिए बुलाया है। ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में श्वेतों के नरसंहार के अपने निराधार दावों के समर्थन में इस नारे का इस्तेमाल किया है। पिछले साल मई में ह्वाइट हाउस में राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ बैठक में उन्होंने इसके वीडियो क्लिप भी दिखाए थे।

दक्षिण अफ्रीका में यह नारा विवादित है, लेकिन वहां की अदालतों ने फैसला सुनाया है कि यह 'हेट स्पीच' के दायरे में नहीं आता। अदालतों का मानना है कि इसे 1994 में समाप्त हुए श्वेत-अल्पसंख्यक शासन के खिलाफ संघर्ष के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। मंगलवार को व्यापारिक नेताओं की बैठक में बोझेल ने कहा था, मुझे खेद है, मुझे फर्क नहीं पड़ता कि आपकी अदालतें क्या कहती हैं, यह हेट स्पीच है। बुधवार को नए दूत अपने बयान से पीछे हटते नजर आए। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि भले ही मेरी निजी राय कई दक्षिण अफ्रीकियों की तरह यही है कि 'किल द बोअर' हेट स्पीच है, लेकिन अमेरिकी सरकार दक्षिण अफ्रीका की न्यायपालिका की स्वतंत्रता और उसके फैसलों का सम्मान करती है।

भारत ने कहा- पाकिस्तान का बयान हास्यास्पद और बेतुका

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के उन आरोपों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि पाकिस्तानी सैनिकों और तालिबान के बीच हालिया झड़पों के पीछे भारत का हाथ है। भारत ने कहा कि किसी भी तरह की कहानी इस तथ्य को नहीं बदल सकती कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करता है।

भारत ने भारत-कनाडा यूरेनियम समझौते पर पाकिस्तान की आलोचना

- तालिबान के साथ सीमा संघर्ष के पीछे बताया था भारत का हाथ

को भी खारिज कर दिया और उसकी प्रतिक्रिया को हास्यास्पद और उसके बेहद खराब प्रदर्शन से ध्यान भटकाने का प्रयास बताया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अपनी गलतियों के लिए भारत को दोषी ठहराना पाकिस्तान की आदत बन गई है। जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक ब्रीफिंग में कहा, हम ऐसे निराधार आरोपों को खारिज करते हैं। उन्होंने कहा, दशकों से आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले देश के रूप में सीमा पार आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान की विश्वसनीयता शून्य है। कोई कहानी इस वास्तविकता को नहीं बदल सकती और न पाकिस्तान के पीड़ित होने के दावों से कोई मूर्ख बन सकता है।

आठ किलोमीटर ऊंचाई तक उठा राख-धुएं का गुबार

व्लादिवोस्तोक। रूस के कामचटका प्रायद्वीप पर शिवेलुच ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद आसमान में आठ किमी ऊंचाई तक धुएं और राख का गुबार फैल गया। रूसी विज्ञान अकादमी के ज्वालामुखी विज्ञान और भूकंप विज्ञान संस्थान की टीम ने गुरुवार को बताया, ज्वालामुखी में विस्फोट के साथ उत्सर्जन गैस और भाप भी निकली। विस्फोटों के कारण राख समुद्र तल से 8 किलोमीटर ऊपर तक पहुंच गई और राख का यह बादल ज्वालामुखी से 10 किलोमीटर पूर्व की ओर बढ़ गया।

अजित पवार के विमान हादसे की हो निष्पक्ष जांच: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के बारामती विमान हादसे की जांच में बुनियादी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं होने के मामले में चिंता व्यक्त करते हुए घटना की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की है।

इस हादसे में महाराष्ट्र के पूर्व

- पवार के भतीजे के आग्रह के बाद की मांग

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और कई अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी। राहुल गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, रोहित पवार ने आज मुझसे मुलाकात की और मुझे एक पत्र दिया जिसमें उन्होंने बारामती विमान दुर्घटना की जांच पर गंभीर चिंता व्यक्त की। इस विमान दुर्घटना में अजीत पवार जी और अन्य लोगों की जान चली गई। इस मामले में जरूरी कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने लिखा, कानून के बुनियादी सिद्धांतों का पालन नहीं किया गया है। यह मामला बहुत गंभीर था इसके बावजूद इसमें कोई प्राथमिकी तक दर्ज नहीं की गई। श्री गांधी ने इस मामले में जवाबदेही की मांग करते हुए घटना की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता पर बल दिया।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज का दिन विद्यार्थियों के लिये अच्छा रहने वाला है। व्यवसाय में प्रतिष्ठा की हानि हो सकती है। व्यर्थ की यात्रा से बचना चाहिए।

वृष आज आपका मन अशांत हो सकता है। नए कार्यों को लेकर थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। किसी के साथ झड़प होने की संभावना है।

मिथुन आज नया वाहन खरीदने का विचार बनाएंगे। कार्यक्षेत्र में समृद्धि का वातावरण रहेगा। बुजुर्गों के अनुभवों से सीखने का प्रयास करें।

कर्क आज आपकी निर्णय क्षमता में वृद्धि होगी। अपनी जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान रहेंगे। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है।

सिंह आज कोई बनता हुआ काम बिगड़ सकता है। सरकारी अधिकारियों को अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। इंफेक्शन की समस्या हो सकती है।

कन्या आज धन की कमी का सामना करना पड़ेगा। दिन आशाओं पर खरा उतरता प्रतीत नहीं होगा। जॉब में प्रतिस्पर्धा का वातावरण रहेगा।

तुला आज व्यवसाय में आय की वृद्धि होगी। अपना लक्ष्य समय से पहले ही पूर्ण कर लेंगे। अपनी विचारधारा का प्रभाव लोगों पर छोड़ पाएंगे।

वृश्चिक आज मित्रों के माध्यम से शुभ सूचना मिल सकती है। समाज में आपकी विशेषताओं पर चर्चा हो सकती है। घर में आपका मन नहीं लगेगा।

धनु आज कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। व्यापार में पुराने ऋणों से मुक्त हो सकते हैं। कारोबार में नए प्रयोग करना हितकर होगा।

मकर आज बेरोजगारों को जॉब के अवसर मिल सकते हैं। विरोधियों के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ेगा। अपनी क्षमताओं का मूल्यांकन करें।

कुंभ आज संतान की उपलब्धियों से उत्साहित रहेंगे। समाज में सम्मान प्राप्त होगा। सोशल मीडिया पर आप काफी समय बिताएंगे।

मीन आज व्यावसायिक अनुबंधों को समय से पूर्ण कर लेंगे। नए कार्यों में निवेश प्रारंभ कर सकते हैं। अपने स्वभाव में नम्रता बनाए रखें।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

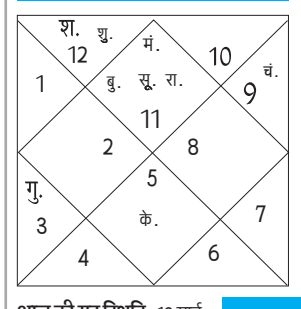

आज की ग्रह स्थिति : 13 मार्च, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी 06 .28 तक तत्पश्चात दशमी।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाषाढ़ा 14 मार्च 03 .03 तक तत्पश्चात उत्तराषाढ़ा।

सुडोकू - 86 का हल

5	3	4	6	1	7	2	8	9
1	6	2	8	9	5	4	3	7
8	9	7	2	3	4	1	6	5
4	2	8	9	7	3	6	5	1
6	1	3	5	8	2	7	9	4
9	7	5	4	6	1	8	2	3
3	8	1	7	2	9	5	4	6
2	4	9	1	5	6	3	7	8
7	5	6	3	4	8	9	1	2

सुडोकू -87

9		2	6				5	
				3			8	
1			4					6
		7		2		6		
			1		7			
4		3		8		6		
	2				9			3
	4			1				
	6				5	2		1

विश्व राजनीति

संयुक्त राष्ट्र में सहप्रायोजित किया खाड़ी देशों और जॉर्डन पर हमलों की निंदा का प्रस्ताव, रूस-चीन ने बनाई दूरी

ईरान के खिलाफ खड़े होने वाले देशों में शामिल हुआ भारत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

होर्मुज को बंद करने, पड़ोसी देशों के रिहायशी इलाकों पर हमलों की आलोचना

प्रस्ताव में ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय नौवहन को बंद करने, बाधित करने या किसी भी तरह से हस्तक्षेप करने या बाब अल मंदाब में समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालने के उद्देश्य से की गई हर प्रकार की कार्रवाई या धमकी की आलोचना की गई। कहा गया कि रिहायशी इलाकों और असैन्य साजो सामानों को निशाना बनाया गया जिसमें आम नागरिक हताहत हुए तथा असैन्य इमारतों को नुकसान पहुंचा। प्रस्ताव में उन देशों और लोगों के साथ एकजुटता जताई गई जो हमलों का शिकार हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के प्रतिनिधि राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा कि इस प्रस्ताव को अपनाया जाना ईरान की क्रूरता की निंदा करने वाला खाड़ी देशों का स्पष्ट बयान है। ईरानी शासन की आम नागरिकों और असैन्य अवसंरचना को निशाना बनाने की प्रवृत्ति निंदनीय है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उस प्रस्ताव को सह प्रायोजित किया जिसमें खाड़ी सहयोग परिषद के देशों और जॉर्डन के खिलाफ ईरान की ओर से किए गए भीषण हमलों की निंदा की गई है। इस प्रस्ताव में सभी ईरानी हमलों को तत्काल रोके जाने की मांग की गई है और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की धमकियों की भी निंदा की गई है।

अमेरिका की अध्यक्षता वाली 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद ने 13 मतों के साथ इस प्रस्ताव को बुधवार को पारित किया। इसके खिलाफ कोई मत नहीं पड़ा जबकि वीटो अधिकार वाले स्थाई सदस्यों चीन और रूस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। भारत ने 130 से अधिक देशों के साथ मिलकर बहरीन के नेतृत्व वाले इस प्रस्ताव को सह प्रायोजित किया। इस प्रस्ताव को प्रायोजित करने वाले देशों में ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बांग्लादेश, भूटान, कनाडा, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, यूनान, इटली, जापान, कुवैत, मलेशिया, मालदीव, म्यांमा, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, सिंगापुर, स्पेन, यूक्रेन, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, अमेरिका, यमन और जाम्बिया शामिल हैं। इस प्रस्ताव के कुल 135 सह-प्रायोजक थे।

प्रस्ताव में बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता एवं राजनीतिक स्वतंत्रता के प्रति मजबूत समर्थन को दोहराया गया है। इसमें ईरान के भीषण हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा गया है कि इस प्रकार के कृत्य अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं तथा अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। प्रस्ताव में मांग की गई है कि ईरान जीसीसी देशों एवं जॉर्डन के खिलाफ सभी हमलों को तत्काल रोके और पड़ोसी देशों के खिलाफ छद्म समूहों के इस्तेमाल समेत किसी भी उकसावे वाली या धमकाने वाली कार्रवाई को तुरंत और बिना शर्त रोके।

एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करना इस ग्रुप के लिए एक जरूरी माइलस्टोन है, और प्लेयर्स ने टूर्नामेंट में अब तक जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके लिए वे बहुत क्रेडिट की हकदार हैं।
-शोर्ड मारिन, हॉकी टीम के मुख्य कोच

स्टेडियम

कानपुर नगर, शुक्रवार, 13 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में गुंजन, राधामनी और चंद्रिका जीते

बैंकॉक। गुंजन, राधामनी लोंगजाम और चंद्रिका पुजारी ने विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप के पांचवें दिन बृहस्पतिवार को अपने अपने मुकाबले जीते। सुबह के सत्र में गुंजन (48 किलो) ने पोलैंड की प्रतिद्वंद्वी पर 5-0 से जीत दर्ज की। राधामनी (57 किलो) ने इक्वाडोर की विरोधी को रैफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने पर हराया। प्राची (60 किलो) को स्लोवाकियाई मुक्केबाज ने 5-0 से हराया जबकि प्रियांश सेहरावत (70 किलो) को मोरक्को के मुक्केबाज ने पुरूष वर्ग में 5-0 से मात दी। शाम के सत्र में चंद्रिका पुजारी (50 किलो) ने अमेरिकी मुक्केबाज को 5-0 से मात दी।

भ्रष्टाचार के आरोपों में दो अधिकारी निलंबित

ब्रिजटाउन। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बारबाडोस में 2023-24 बिम10 टूर्नामेंट के दौरान भ्रष्टाचार-रोधी नियमों के कई उल्लंघनों के कारण तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जावोन सर्ल्स और एक फ्रेंचाइजी से जुड़े दो लोगों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। सर्ल्स के अलावा आईसीसी ने टाइटन्स टीम के मालिक चित्ररंजन राठौड़ और टीम अधिकारी ट्रेवन ग्रिफिथ को भी सभी प्रकार के क्रिकेट से निलंबित कर दिया है। बिम10 एक 10-10 ओवर की पारियों वाला टूर्नामेंट हैं जिसमें छह टीमें वॉयजर्स, गार्डियंस, टाइटन्स, सेटलर्स, वॉरियर्स और पेलिकन्स टीम खेलती हैं। यह टूर्नामेंट आखिरी बार 2023-24 में आयोजित हुआ था।

किरण जॉर्ज स्विस ओपन में हारकर बाहर

बासेल। भारतीय शटलर किरण जॉर्ज बृहस्पतिवार को यहां स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के प्री क्वार्टरफाइनल में हांगकांग के जेसन गुणावन से हारकर बाहर हो गए जबकि युवा थारुन मन्नेपल्ली ने जापान के अपने प्रतिद्वंदी केंटा निशिमोटो के निर्णायक सेट में रिटायर होने के बाद दूसरे दौर में जगह बनाई। जॉर्ज ने कड़ी टक्कर दी लेकिन 70 मिनट तक चले राउंड 16 मैच में 18-21, 21-16, 16-21 से हार गए।

दबाव वाली परिस्थितियों में जिम्मेदारी लेना है पसंद : बुमराह

अहमदाबाद, एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 विश्व कप में खिताब का बचाव करना अपने करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक करार देते हुए कहा कि उन्हें दबाव वाली परिस्थितियों में जिम्मेदारी लेना अच्छा लगता है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में चार विकेट लेकर भारत की 96 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे भारत टी20 विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने और तीन बार यह ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई।

बीसीसीआई के वार्षिक पुरस्कार समारोह में गिल का 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' चुना जाना तय

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का 15 मार्च को यहां होने वाले बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) के वार्षिक पुरस्कार समारोह में 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' चुना जाना तय है। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को हाल में विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाली टी-20 टीम में नहीं चुना गया था, लेकिन उन्होंने अन्य दो प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन किया। गिल ने 2025 में टेस्ट मैचों में 70 से अधिक के औसत से 983 रन बनाए, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ उसकी धरती पर ड्रॉ रही शृंखला में बनाए गए 754 रन भी शामिल हैं। गिल ने चैंपियंस ट्रॉफी वनडे टूर्नामेंट में भी भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। गिल ने कुल मिलाकर तीनों प्रारूपों में 49 के औसत से 1,764 रन बनाए, जिसमें सात शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें बुमराह ने कहा मैं पर्दे के पीछे नहीं रहना चाहता हूं। मैं हमेशा सक्रिय रूप से भाग लेना चाहता हूं। मुझे शुरू से ही चुनौतियां पसंद हैं। बुमराह को फाइनल में शानदार प्रदर्शन करने के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। उन्होंने कहा मैंने क्रिकेट इसी मकसद से खेला है। मैंने क्रिकेट खेलना इसी मकसद से शुरू किया था। जब मैं कुछ बदलाव लाता हूं तो मुझे बहुत खुशी मिलती है। इससे बेहतर कोई अहसास नहीं है। गुजरात में जन्में इस तेज गेंदबाज के लिए यह जीत भावनात्मक रूप से और भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि यह जीत उसी स्थान पर मिली जहां से उनके क्रिकेट करियर की शुरुआत हुई थी। बुमराह ने कहा मैंने यहीं से क्रिकेट खेलना शुरू किया। मैंने अपना अधिकतर क्रिकेट यहीं खेला है। मैं यहीं गुजरात के लिए खेलते हुए आगे बढ़ा। यहीं विश्व कप जीता और मैन ऑफ द मैच बना। पिछली बार (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल) हम बस थोड़ा सा चूक गए थे, लेकिन इस बार जीत हासिल करने में सफल रहे। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। बुमराह ने खिताबी जीत के दौरान अपने परिवार की मौजूदगी के बारे में भी बात की और उस पल को बेहद निजी बताया। उन्होंने कहा मेरा बेटा आया था। वह पिछली बार भी आया था। मेरी मां भी आई थीं, यह वाकई खास था। बुमराह ने कहा मुझे नहीं पता कि यह पूरा चक्र है या नहीं, लेकिन मैं सचमुच बहुत खुश हूं।

भारतीय क्रिकेट के लिए आगामी 12 महीने अतिव्यस्त

कई देशों के टूर के अलावा आईपीएल व एशियन गेम्स का भी आयोजन

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम का अगले 12 महीनों का कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहेगा। इसमें आयरलैंड, श्रीलंका और जिम्बाब्वे में मैच के अलावा, एशियन गेम्स, इंग्लैंड, अमेरिका, बंगलादेश, जापान और आईपीएल जैसे घरेलू मुकाबले भी शामिल हैं।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम जुलाई-अगस्त में श्रीलंका में तीन टी-20 मैच खेल सकती है, इसके अलावा आगामी कार्यक्रम में पहले दो टेस्ट मैच शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) की प्रतिक्रिया पर विचार कर रहा है कि श्रीलंका में बाढ़ राहत के लिए फंड जुटाने के लिए तीन टी-20 मैच का कार्यक्रम है। टी-20 मैच और दो टेस्ट मैचों से पहले होने की संभावना है।

श्रीलंका टूर से पहले भारत एक से 19 जुलाई के बीच तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैच के लिए इंग्लैंड जाएगा और रास्ते में आयरलैंड में थोड़ा रुक सकता है। डबलिन में तीन मैचों की सीरीज को लेकर बातचीत चल रही है। एक सूत्र ने कहा बातचीत चल रही है। और भरोसा जताया कि सीरीज हो जाएगी। बीसीसीआई ने पहले भी सीआई को (2018, 2022 और 2023 में) डबलिन में छोटी सीरीज के लिए सहयोग किया है। अगर बातचीत कामयाब होती है, तो गेम जून के आखिरी हफ्ते में, इंग्लैंड टूर से पहले और अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद निर्धारित किए जा सकते हैं, जो दह से 20 जून के बीच एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय खेलने वाले हैं। श्रीलंका सीरीज के बाद बीसीसीआई को शेड्यूलिंग में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। सितंबर में सयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज होनी है, जो इंडियन क्रिकेट के लिए पहले से ही एक व्यस्त महीना है। बंगलादेश के छह सफेद गेंद मैच - तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 के लिए दौरे की भी घोषणा की गई है।

यह सीरीज, दोनों देशों के बीच हाल के डिप्लोमैटिक तनाव को देखते हुए भारत सरकार से मंजूरी मिलने पर ही होगी। इस बीच, तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे के एक छोटे दौरे की भी बात हो रही है। हालांकि अभी तक कुछ भी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन यह दौरा सितंबर में हो सकता है, लगभग उसी समय जब वेस्ट इंडीज तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 के लिए भारत का दौरा करने वाला है। वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ मैचों की सीरीज के अक्टूबर तक चलने की उम्मीद है। इसी बीच 2026 एशियन गेम्स भी हैं, जो 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान के नागोया में होने हैं। गेम्स में क्रिकेट प्रतियोगिता टी-20 प्रारूप में खेली जायेगी और भारतीय डिफेंडिंग गोल्ड मेडलिस्ट है। पुरुष मैच 25 सितंबर से तीन अक्टूबर तक चलेंगे, जिससे टी-20 स्क्वॉड के जापान में खेलने की संभावना बढ़ गई है, जबकि एक एकदिवसीय टीम उसी समय वेस्टइंडीज से खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम के 18 अक्टूबर को न्यूजीलैंड पहुंचने की उम्मीद है, जहां वह पांच एकदिवसीय, पांच टी-20 और दो टेस्ट के पूरे टूर पर जाएगा। ऐसा समझा जाता है कि बीसीसीआई और न्यूजीलैंड क्रिकेट हाल ही में एकदिवसीय की संख्या तीन से बढ़ाकर पांच करने पर सहमत हुए हैं। दो टेस्ट 10 सफेद गेंद मैचों के बाद होंगे, जिनमें से पहला 22 अक्टूबर से शुरू होगा। भारत के दिसंबर के पहले हफ्ते में न्यूजीलैंड से घर लौटने की उम्मीद है, जब वे श्रीलंका के खिलाफ घर पर तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 मैच खेलेंगे। इसके बाद जनवरी-फरवरी 2027 में भारत में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जाएगी।

बीसीसीआई ने आईपीएल में अभ्यास सत्र के नए दिशा-निर्देश जारी किए

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अभ्यास सत्र के लिए नये दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि कोई भी टीम उस पिच पर अभ्यास नहीं कर सकती जिसका इस्तेमाल दूसरी टीम ने अपने नेट सत्र के दौरान किया हो। बीसीसीआई की ओर से फ्रेंचाइजी के साथ साझा की गई प्रैक्टिस-सेशन गाइडलाइंस के अनुसार, अगर एक टीम दूसरी के बाद प्रैक्टिस करती है, तो नए नेट तैयार करने होंगे। पांच पेज की गाइडलाइंस में कहा गया है हर टीम को उनके तय प्रैक्टिस सेशन के लिए नए नेट दिए जाने चाहिए। अगर एक साथ प्रैक्टिस सेशन होते हैं या जब एक टीम दूसरी के बाद प्रैक्टिस करती है, तो पहली टीम को दूसरी टीम के नेट इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। अगर एक टीम प्रैक्टिस जल्दी खत्म कर लेती है, तो दूसरी टीम को उनके रेंज-हिटिंग विकेट इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि अगर कोई टीम लाइट में अभ्यास मैच खेलना चाहती है, तो मैच साढ़े तीन घंटे से अधिक नहीं चलना चाहिए। टीमों को बीसीसीआई से पहले से इजाजत लेकर अधिक से अधिक दो अभ्यास मैच खेलने की इजाजत होगी और यह मेन स्क्वायर के किसी एक साइड विकेट पर होगा। उन्होंने कहा है कि मेन पिच पर अभ्यास मैच नहीं खेला जा सकता। सीजन के लिए पिच तैयार करने के लिए, संबंधित फ्रैंचाइजी के सीजन के पहले होम मैच से पहले के चार दिनों में मेन चौक पर कोई अभ्यास सत्र या अभ्यास मैच नहीं खेला जा सकता है। उन्होंने कहा, "इस दौरान, अगर घरेलू फ्रैंचाइजी कहती है, तो स्टेट एसोसिएशन को फ्रैंचाइजी को बिना किसी खर्च के एक दूसरा अभ्यास मैदान उपलब्ध कराना चाहिए। घरेलू टीम को विज़िटिंग साइड पर प्रिफरेंस मिलेगी। हालांकि होम टीम को पसंदीदा सेशन की पहली चॉइस मिलनी चाहिए, लेकिन अवे टीम की रिक्वेस्ट पर ध्यान दिया जाएगा, खासकर अगर उसने पिछले दिन कोई मैच खेला हो और मेहमान टीम के ट्रैवल अरेंजमेंट को ध्यान में रखते हुए। अभ्यास सत्र को लेकर टकराव होने पर बीसीसीआई दखल देगा। अगर होम और मेहमान टीमें एक ही समय पर अभ्यास करना चाहें, तो बीसीसीआई दोनों टीम मैनेजर से डबल बुकिंग को सुलझाने की कोशिश करने के लिए कहेगा - या तो कोई एक टीम दूसरा सेशन ले या दोनों टीमें सत्र साझा करें।

चिन्नास्वामी स्टेडियम को निरीक्षण के बाद मिलेगी मंजूरी

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार की विशेषज्ञ समिति के 13 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम का निरीक्षण के बाद मिलने वाली अंतिम मंजूरी के उपरांत इस मैदान पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच खेले जा सकेंगे।

इससे पहले इस महीने की शुरुआत में आईपीएल सहित सभी मैचों के आयोजन के लिए जो मंजूरी दी गई थी, वह 'सशर्त' थी। हालांकि कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएसीए) को भरोसा है कि आईपीएल मैचों की मेजबानी में कोई रुकावट नहीं आएगी।

केएससीए, चिन्नास्वामी स्टेडियम का नवीनीकरण कर रहा है, जिसमें कई नए एंट्री गेट लगाना और कई मौजूदा गेटों को चौड़ा कराना शामिल है। इस काम में आसपास के ढांचे को भी अपग्रेड किया जा रहा है, जैसे- नए वॉकवे बनाना, पुराने नेशनल क्रिकेट एकेडमी परिसर के पास एक होल्डिंग एरिया बनाना और आपातकालीन सेवाओं के लिए सीधे प्रवेश और निकास रास्ते तैयार करना शामिल है। जस्टिस डी''कुन्हा समिति की सिफारिशों के अनुसार केएससीए के पास 15 मार्च तक इस 'शॉर्ट-टर्म' सुधार से जुड़े सभी काम पूरे करने का समय है।

रियल मैड्रिड की मैनचेस्टर सिटी पर आसान जीत

मैड्रिड, एजेंसी

- चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट की दो दिग्गज टीमों के बीच हुई टक्कर

फेडेरिको वाल्वरडे की शानदार हैट्रिक की मदद से रियल मैड्रिड ने चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट की दो दिग्गज टीमों के बीच खेले गए अंतिम 16 के पहले चरण के मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

वाल्वरडे ने बर्नबेउ में खेले गए मैच के पहले हाफ में 20वें, 27वें और 42वें मिनट में गोल किए। उरुग्वे के इस अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ने चोटिल होने के कारण नहीं खेल पाने वाले किलियन एमबाप्पे, जूड बेलिंगहैम और रोड्रिगो की अनुपस्थिति में रिकॉर्ड 15 बार के चैंपियन रियाल मैड्रिड की जिम्मेदारी बखूबी संभाली। रियल मैड्रिड के कोच अल्वारो अर्बेलोआ ने ब्रॉडकास्टर मोविस्टार से कहा हम रियल मैड्रिड हैं। हमें कभी चुका हुआ समझने की गलती नहीं करें। यह जीत और भी शानदार हो सकती थी, लेकिन विनीसियस जूनियर दूसरे हाफ में पेनल्टी को गोल में नहीं बदल पाए। उनके शॉट को जियानलुइगी डोनारुम्मा ने बचा लिया।

मुकाबला

कॉनकाकैफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 सॉकर मैच के पहले हॉफ में नैशविले एससी के डिफेंडर मैक्सवेल वोलेजी (3) के खिलाफ फुटबॉल को आगे बढ़ाते इंटर मियामी फॉरवर्ड लियोनेल मेसी। ● एजेंसी

जैक ड्रेपर ने जोकोविच को हराया

इंडियन वेल्स (अमेरिका), एजेंसी

मौजूदा चैंपियन जैक ड्रेपर ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को 4-6, 6-4, 7-6 (5) से हराया। हाथ की चोट के कारण आठ महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले 24 वर्षीय ड्रेपर इस जीत से क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं जहां उनका मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा।

मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में एलेक्स मिशेलसन को 6-2, 6-4 से पराजित किया। तीसरे सेट में जोकोविच 6-5 से आगे थे, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और ड्रेपर ने वापसी करते हुए मैच को टाईब्रेकर तक पहुंचा दिया। ड्रेपर ने मैच के बाद कहा मुझे अब भी ऐसा नहीं लगता कि मैं उस तरह से खेल रहा हूं जैसा मैं खेलना चाहता हूं। लेकिन मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

नोवाक जोकोविच व जैक ड्रेपर। एजेंसी

भांबरी पहली बार एटीपी मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में

इंडियन वेल्स (अमेरिका)। भारत के युकी भांबरी ने स्वीडन के अपने साथी गोरान गोरानसन के साथ मिलकर सीधे सेटों में जीत दर्ज करके बीएनपी परिबास इंडियन वेल्स ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह पहला अवसर है जबकि भांबरी किसी एटीपी मास्टर्स 1000 टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह दो बार मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुके थे। भांबरी और गोरानसन ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रिया के एलेक्जेंडर एरलर और इटली के एंड्रिया वावस्सौरी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6 से हराया।

हल्द्वानी के प्राकृतिक नजारों ने श्रीलंकाई क्रिकेटर तिलकरत्ने दिलशान को लुभाया

पवन सिंह कुंवर, हल्द्वानी

- गौलापार स्टेडियम में लीजेंड्स लीग क्रिकेट में पहुंचे
- कहा-प्रकृति की गोद में बना स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए आदर्श

अमृत विचार। श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और विस्फोटक सलामी बल्लेबाज तिलकरत्ने दिलशान इन दिनों हल्द्वानी के गौलापार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में प्रतिभाग कर रहे हैं। अपने आक्रामक खेल और विश्वप्रसिद्ध 'दिलस्कूप' शॉट के लिए जाने जाने वाले दिलशान ने गुरुवार को स्टेडियम और उसके आसपास के क्षेत्र का दौरा कर यहां के प्राकृतिक सौंदर्य व वातावरण की खुलकर सराहना की।

प्राकृतिक नजारों को देखकर प्रभावित हुए दिलशान ने कहा कि उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में आकर उन्हें बेहद सुकून और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हो रहा है। यहां की स्वच्छ हवा, हरियाली और शांत वातावरण उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है।

उन्होंने स्टेडियम के समीप बह रही गौला नदी की ओर इशारा करते हुए कहा कि यदि नदी का बहता पानी और स्टेडियम का दृश्य एक साथ दिखाई दे तो यह नजारा और भी अद्भुत बन सकता है। प्राकृतिक सुंदरता के बीच स्थित ऐसा स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए आदर्श और प्रेरणादायक माहौल तैयार कर सकता है। श्रीलंकाई दिग्गज खिलाड़ी ने यह भी कहा कि उत्तराखंड की धरती खेल प्रतिभाओं के लिए बहुत संभावनाएं रखती है। यहां का वातावरण खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाने में मदद कर सकता है।

शानदार भारतीय भाला फेंक एथलीट ने 69 .25 मीटर थ्रो कर शीर्ष स्थान हासिल किया

सुमित अंतिल ने विश्व पैरा एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

- पुष्पेंद्र सिंह ने 56.91 मीटर के थ्रो के साथ रजत व पूनम राम ने 49.48 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता

पैरालंपिक खेलों में दो बार के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक एथलीट सुमित अंतिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बृहस्पतिवार को यहां विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया। दिन की मुख्य स्पर्धा निश्चित रूप से पुरुषों की भाला फेंक (एफ43, एफ44, एफ64) स्पर्धा थी जिसमें टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में लगातार दो स्वर्ण पदक जीतने वाले अंतिल ने 69.25 मीटर के थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल करके भारतीय टीम की अगुआई की। पुष्पेंद्र सिंह ने 56.91 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता जबकि पूनम राम ने 49.48 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता।

भारत 54 स्वर्ण सहित 167 पदक जीतकर शीर्ष पर बना हुआ है जबकि रूस 11 स्वर्ण से 23 पदक जीतकर दूसरे स्थान पर है। भारत ने पुरुषों की 400 मीटर टी13 स्पर्धा में भी दबदबा बनाया जिसमें सुबोध भट्ट ने 51.88 सेकंड में स्वर्ण जीता। उनके बाद प्रियांशु कौशिक (53.19 सेकंड) और अवनिल कुमार (56.91 सेकंड) रहे। पुरुषों की 400 मीटर टी46-टी47 स्पर्धा में भाविककुमार दीन भरवाड़ ने 49.89 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण जीता जबकि साथी भारतीय जसबीर 50.09 सेकंड के साथ रजत पदक जीतने में उनके ठीक पीछे रहे।

सर्बिया के इवान क्वेतकोविक ने 50.93 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता। भारत ने पुरुषों की 400 मीटर टी53-टी54 स्पर्धा की व्हीलचेयर वर्ग में अपना दबदबा बनाए रखा जिसमें मनोजकुमार सबपति ने 54.33 सेकंड में स्वर्ण, अनिल कुमार ने 57.57 सेकंड में रजत और मणिकंदन जोथी ने 1:01.94 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। महिलाओं की स्पर्धा में भी भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया।

400 मीटर टी11-टी12 स्पर्धा में तेजलबेन अमराजी डामोर ने 57.53 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण जीता। ललिता किलाका ने 1:07.92 के समय के साथ रजत और शालिनी चौधरी ने 1:16.79 के समय के साथ कांस्य के साथ कांस्य पदक जीता। इससे भारत ने एक और पोडियम स्वीप पूरा किया। लक्ष्मी ने महिलाओं की चक्का फेंक एफ36-एफ37-एफ40 स्पर्धा में 7.76 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण जीता जबकि अकुताई सीताराम उलभगत ने 5.49 मीटर के साथ रजत और भूटान की चिमी डेमा ने 5.27 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता।

सुमित अंतिल।